वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष-12 अंक- 67 ● हिंदी दैनिक ● नई दिल्ली ● मंगलवार 23 अप्रैल 2024 ● पृष्ठ- 8 ● मूल्य- 1 रुपए ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

आज का मैच

चेन्नई लखनऊ

मैच का समय : 7.30 PM

एक नजर

मणिपुर के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान

इंफाल, 22 अप्रैल (एजेंसी)। इनर मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर पूर्वाह्न 11 बजे तक हुए पुनर्मतदान में 37.54 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग ने 19 अप्रैल को इन मतदान केंद्रों पर हुए मतदान को अमान्य घोषित कर दिया था, जिसके बाद आयोग के एक निर्देश के बाद नये सिरे से मतदान कराने का निर्णय लिया गया। आयोग के एक अधिकारी ने कहा, "सभी 11 मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार के प्रयोग के लिए सुबह से ही कतार में खड़े हुए हैं। शुक्रवार को दंगे जैसी स्थिति से इन मतदान केंद्रों पर मतदान प्रभावित हुआ था। सोमवार को अब तक किसी प्रकार की गड़बड़ी या हिंसा की सूचना नहीं है। " पुनर्मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ। संघर्ष ग्रस्त मणिपुर में कुछ मतदान केंद्रों पर गोलीबारी, तोड़-फोड़, ईवीएम को नष्ट करने और बूथ पर कब्जा करने के आरोपों की घटनाएं सामने आई थी। शुक्रवार को 'इनर मणिपुर' और 'आउटर मणिपुर' लोकसभा सीट पर 72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

गुजरात में लोको पायलट ने बचाई शेर की जान

भावनगर, 22 अप्रैल । पश्चिम रेलवे में गुजरात के भावनगर रेल मंडल के लोको पायलट ने अपनी सूझबूझ से एक शेर की जान बचायी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के अनुसार रेलवे कर्मचारी लोको पायलट विजय मेर ने मालगाड़ी संख्या पीपीएसपी सीकेवायआर पर कार्य करते समय शनिवार सायं 0655 बजे कि.मी. संख्या 21/1- 21/2, पीपावाव-राजुला सेक्शन के बीच पटरी पर अचानक शेर को आते देख इमरजेंसी ब्रेक लगाकर 50 मीटर पहले गाड़ी को रोककर शेर की जान बचा ली द्य शेर के पटरी पार करने के बाद मौके पर फारेस्ट गार्ड द्वारा स्थल का निरीक्षण कर गाड़ी को रवाना किया गया। इसकी सूचना लोको पायलट द्वारा मंडल कार्यालय नियंत्रण कक्ष को दी गयी। सूचना प्राप्त होने पर लोको पायलट के इस सराहनीय कार्य के लिये मंडल रेल प्रबंधक रवीश कुमार ने उसे सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि भावनगर रेलवे मंडल द्वारा शेरों/ वन्यजीवों की सुरक्षा के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। मंडल के निदेर्शानुसार माल गाड़ियों का संचालन करने वाले लोको पायलट निर्धारित गति का पालन कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव-2024 : भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्वाचित घोषित कर दिया गया

भाजपा का खाता खुला, सूरत में मिली पहली सीट, प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

● सभी आठ उम्मीदवारों ने अंतिम दिन अपना नाम वापस ले लिया

सूरत, 22 अप्रैल (एजेंसी)। गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन पत्र रद्द होने और अन्य उम्मीदवारों के नाम वापस लिए जाने के बाद सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मुकेश दलाल को इस सीट से निर्वाचित घोषित कर दिया गया। दलाल निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं जहां पर सात मई को मतदान होना था। सूरत जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार दलाल को छोड़कर सूरत लोकसभा सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वाले सभी आठ उम्मीदवारों ने अंतिम दिन अपना नाम वापस ले लिया जिनमें चार निर्दलीय, तीन छोटे दलों के नेता और बहुजन समाज पार्टी के प्यारेलाल भारती शामिल हैं। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सूरत सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुम्भाणी का नामांकन प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में प्रथम दृष्टया विसंगति होने के बाद रविवार को रद्द कर दिया गया था। कुम्भाणी का नामांकन रद्द होने के बाद पार्टी के वैकल्पिक उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल करने वाले सुरेश पडसाला का नामांकन पत्र भी रद्द कर दिया गया था। जिलाधिकारी सह चुनाव अधिकारी सौरभ पारधी ने दलाल को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र सौंपने के बाद मीडियाकर्मियों से कहा मैं घोषणा करता हूं कि भाजपा उम्मीदवार मुकेश कुमार चंद्रकांत दलाल को सूरत संसदीय क्षेत्र से सदन के लिए विधिवत निर्वाचित घोषित किया जाता है। भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष सी.आर.पाटिल ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच ह्याएक्स' पर एक पोस्ट में कहा सूरत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पहला कमल भेंट किया है। मैं सूरत लोकसभा सीट से अपने उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई देता हूं। कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) के मालिकों और व्यापारिक समुदाय के गुस्से से डर गई थी और उसने सूरत लोकसभा सीट पर भी मैच फिक्सिंग' का प्रयास किया, जिसे सत्तारूढ़ पार्टी 1984 से जीतती आ रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, तानाशाह की असली सूरत एक बार फिर देश के सामने है! जनता से अपना नेता चुनने का अधिकार छीन लेना बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान को खत्म करने की तरफ बढ़ाया एक और कदम है। उन्होंने कहा मैं एक बार फिर कह रहा हूं, यह सिर्फ सरकार बनाने का चुनाव नहीं है, यह देश को बचाने का चुनाव है, संविधान की रक्षा का चुनाव है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ह्याएक्स' पर पोस्ट किया लोकतंत्र खतरे में है। आप क्रोनोलॉजी (घटनाक्रम) समझिए। सूरत जिला निर्वाचन अधिकारी ने सूरत लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुम्भाणी का नामांकन रद्द कर दिया है। कारण तीन प्रस्तावकों के हस्ताक्षर के सत्यापन में खामी बताया गया है। रमेश ने कहा, कुछ इसी तरह का कारण बताकर अधिकारियों ने सूरत से कांग्रेस के वैकल्पिक उम्मीदवार सुरेश पडसाला के नामांकन को खारिज कर दिया। कांग्रेस का कोई उम्मीदवार नहीं रह गया है। भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल को छोड़कर बाकी सभी उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है।" उन्होंने कहा, ह्याहसात मई 2024 को मतदान से लगभग दो सप्ताह पहले ही 22 अप्रैल, 2024 को सूरत लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार को निर्विरोध जिता दिया गया।" रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के अन्याय काल में एमएसएमई मालिकों और व्यवसायियों की परेशानियों एवं गुस्से को देखते हुए भाजपा इतनी बुरी तरह से डर गई है कि वह सूरत लोकसभा के ह्यमैच को फिक्स' करने का प्रयास कर रही है। इस सीट को वे लोग 1984 के लोकसभा चुनाव के बाद से लगातार जीतते आ रहे हैं!"

मोदी बोले-महिलाओं के मंगलसूत्र पर कांग्रेस की नजर

देश पर माओवादी सोच थोपकर जनता की कमाई पर पंजा मारना चाहती है कांग्रेस

● कांग्रेस कानून बदलकर हमारी माताओं-बहनों की संपत्ति छीनना चाहती है

(विनोद मिश्रा)

अलीगढ़ , 22 अप्रैल । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर गम्भीर आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि यह पार्टी देश पर 'माओवादी सोच' थोपकर और जनता की कमाई पर कब्जा कर उसे लोगों में बांटना चाहती है। हालांकि मोदी ने इस बार यह वितरण मुसलमानों के बीच किये जाने की बात नहीं कही। प्रधानमंत्री ने अलीगढ़ में भाजपा प्रत्याशी सतीश गौतम और हाथरस से पार्टी उम्मीदवार अनूप वाल्मीकि के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर 'तुष्टीकरण' करने का आरोप लगाया और कहा कि इन दलों ने पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिये कुछ नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस और ह्याइंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' पर बेहद गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा, मैं देशवासियों को आगाह करना चाहता हूं कि कांग्रेस और उसके गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई और संपत्ति पर है। प्रधानमंत्री ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी संपत्ति है, उसकी जांच करेंगे। इतना ही नहीं, वह कहते हैं कि यह जो संपत्ति है उसको सरकार अपने कब्जे में लेकर सबको बांट देगी। यह उनका चुनाव घोषणा पत्र कह रहा है। मोदी ने कहा, आप सोचिए हमारी माताओं और बहनों के पास सोना होता है। वह स्त्री धन होता है। उसे पवित्र माना जाता है। कानून भी उसकी रक्षा करता है लेकिन अब इनकी (कांग्रेस) नजर कानून बदलकर हमारी माताओं—बहनों की संपत्ति छीनने पर है। उनके मंगलसूत्र पर इन लोगों की नजर है। प्रधानमंत्री ने कहा, वह सर्वे करना चाहते हैं कि जो नौकरी पेशा कर्मचारी हैं उनकी कितनी सम्पत्ति है। यह सर्वे कराकर कांग्रेस सरकार के नाम पर आपकी संपत्ति को छीन कर बांटने की बात कर रही है। कांग्रेस यहां तक जाएगी कि अगर आपके पास दो घर हैं तो एक घर छीन लेगी। यह माओवादी सोच है, यह कम्युनिस्टों की सोच है, ऐसा ही करके कितने ही देशों को वह बर्बाद कर चुके हैं। अब यही नीति कांग्रेस पार्टी और इंडी अलायंस भारत में लागू करना चाहते हैं। हालांकि मोदी ने आज अपने इस आरोप में मुसलमानों को सम्पत्ति बांटने की तैयारी किये जाने की बात नहीं कही, बल्कि उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को राहत दिलाने के लिये तीन तलाक रोधी कानून बनाया और सऊदी अरब सरकार से कहकर देश के मुसलमानों के लिये हज का कोटा बढ़वाया। प्रधानमंत्री ने रविवार को राजस्थान के बांसवाड़ा में एक चुनावी रैली में कहा था कि कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में कहा गया है कि उसकी सरकार बनने पर वह देश में सम्पत्तियों का सर्वे कराकर उसे मुसलमानों में बांट देगी। उनके इस बयान से विवाद खड़ा हो गया था। विपक्ष ने मोदी की इस टिप्पणी को नफरत भरा बयान करार दिया है। मोदी ने 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा की गयी एक टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा था, पहले जब उनकी सरकार थी तब उन्होंने कहा था कि देश की सम्पत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब यह सम्पत्ति इकट्ठा करके किसको बांटेंगे जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बांटेंगे। घुसैपठियों को बांटेंगे। क्या आपकी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा? वे उनको बांटेंगे जिनको मनमोहन सिंह जी की सरकार ने कहा था कि सम्पत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। यह ह्यअर्बन नक्सल' की सोच आपका मंगलसूत्र भी बचने नहीं देगी। अलीगढ़ में भी मोदी ने इसी बात को उठाया जरूर, लेकिन सम्पत्ति को मुसलमानों में बांटे जाने की साजिश का आरोप नहीं लगाया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की टिप्पणी का जिक्र भी नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, आपकी मेहनत की कमाई, आपकी संपत्ति पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है। माताओं और बहनों का मंगलसूत्र अब सलामत नहीं रहेगा।

यूपी सरकार में मंत्री संजय निषाद पर हमला

गोरखपुर 22 अप्रैल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) के अध्यक्ष संजय निषाद पर कथित रूप से कुछ लोगों द्वारा हमला किये जाने के मामले में पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। निषाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा है। घटना के संबंध में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में गुंडागर्दी की वापसी कतई नहीं होने दी जाएगी। पुलिस के मुताबिक, संजय निषाद पर कथित रूप से हमला उस समय किया गया, जब वह रविवार देर रात एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गये थे। संजय निषाद के बेटे प्रवीण निषाद संतकबीरनगर से भाजपा सांसद हैं और इस बार फिर भाजपा ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रविवार रात संजय निषाद मोहम्मदपुर कठार गांव पहुंचे, जहां गांव वाले इकट्ठा हो गये और 2019 में चुनाव जीतने के बाद मंत्री और उनके बेटे के कथित रूप से गांव नहीं आने व सिर्फ वोट मांगने की शिकायत करने का आरोप लगाया। सूत्रों के मुताबिक, कुछ देर बाद ग्रामीणों और मंत्री व समर्थकों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद सुरक्षा गार्ड ने मंत्री को बचाया और अस्पताल पहुंचाया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) बृजेश सिंह ने बताया कि मंत्री के निजी सचिव विनोद कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और बताया कि झड़प के दौरान लोगों ने मंत्री पर हमला कर दिया, जिससे मंत्री की नाक से खून बहने लगा और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया। अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद संजय निषाद ने जिला अस्पताल के परिसर में धरना दिया और पुलिस अधीक्षक (एसपी) सत्यजीत गुप्ता द्वारा कार्रवाई का आश्वासन दिये जाने के बाद धरना समाप्त किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गांव के छह लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (दंगा फैलाना) 323 (स्वेच्छा से किसी को चोट पहुंचाना) और 307 (हत्या का प्रयास) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर राघवेंद्र यादव, जय प्रकाश यादव, दिग्विजय यादव और अभिषेक यादव को हिरासत में ले लिया।

एनआईए ने आतंकी साजिश मामले में श्रीनगर में नौ स्थानों पर की छापेमारी

● जम्मू-कश्मीर में हिंसा फैलाने के षडयंत्र शामिल हैं

श्रीनगर, 22 अप्रैल (एजंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आतंकवाद से जुड़े एक मामले में सोमवार को श्रीनगर में नौ स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला एक आतंकी साजिश से संबंधित है जिसमें आतंकी संगठनों और उनकी नव गठित इकाइयों द्वारा विस्फोटकों एवं छोटे हथियारों का उपयोग कर जम्मू-कश्मीर में हिंसा फैलाने के षडयंत्र शामिल हैं। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया, पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों और उनकी इकाइयों की संलिप्तता वाले आतंकी साजिश मामले में जम्मू कश्मीर में एक व्यापक कार्रवाई करते हुए एनआईए ने श्रीनगर में नौ स्थानों पर छापेमारी की।

उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में संदिग्ध डेटा और दस्तावेजों वाले डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन, अल-बद्र और अल-कायदा समेत अन्य प्रतिबंधित संगठनों एवं उनसे संबद्ध नव गठित इकाइयों के हाइब्रिड आतंकवादियों तथा उनके सहयोगियों के परिसरों में छापेमारी की गई। प्रवक्ता ने बताया कि आतंवादियों से सहानुभूति रखने वालों और इन संगठनों के सदस्यों के परिसरों की गहन तलाशी ली गई। एजेंसी ने कहा कि इसकी टीम ने आतंक रोधी एजेंसी द्वारा 21 जून 2022 को स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज मामले में अपनी जांच के तहत व्यापक तलाशी ली। अधिकारियों के मुताबिक, मामले में संदिग्ध लोग द रेसिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़े हुए हैं, जो लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की इकाई है। लश्कर और टीआरएफ प्रतिबंधित संगठन हैं और ये संगठन कश्मीरी युवाओं को आतंकी संगठनों में शामिल होने के लिए लगातार उकसाने में शामिल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों संगठन युवाओं को बहला-फुसला कर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए तैयार करते हैं और ये संगठन एक्स, टेलीग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया मंचों पर सक्रिय हैं।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की पीएम मोदी की शिकायत

● एक विशेष समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 22 अप्रैल । कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शिकायत की और एक विशेष समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज यहां निर्वाचन आयोग से मुलाकात की और 17 शिकायतों का एक ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल में गुरदीप सिंह सप्पल और सुप्रिया श्रीनेत शामिल थे। मुलाकात के बाद सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा कि निर्वाचन आयोग को 17 शिकायतों का एक ज्ञापन सौंपा गया और इनपर उचित कार्रवाई की मांग की गयी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने पांच-छह शिकायतों पर विशेष रुप से विस्तृत चर्चा की। कांग्रेस नेता ने बताया कि निर्वाचन आयोग के समक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) पुत्री श्रीमती अंजली बिरला का भारतीय जनता पार्टी की ओर से चुनाव प्रचार करने, सूरत लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद्द करने और मणिपुर में लोकसभा चुनाव में मतदान के दौरान हिंसा का मामला भी उठाया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के मुख्य कार्यकारी एक समुदाय को निशाना बना रहे हैं। उनका बयान गंभीर और आपत्तिजनक है और इसे वापस लिया जाना चाहिए और इस पर स्पष्टीकरण जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग से इस बयान पर कानूनी रूप से कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने राजस्थान में जिस तरह एक समुदाय के लिए ह्याह्यभद्दा" वक्तव्य दिया, वह आचार संहिता का उल्लंघन है। चुनाव आयोग को इसपर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस बयान से देश के संविधान, प्रधानमंत्री पद, चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने गुजरात समेत कई राज्यों में तस्वीरें लगाई हैं, जो सिर्फ धर्म पर आधारित हैं। कांग्रेस नेता ने बताया कि पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी कर्नाटक के उस क्षेत्र में चुनाव प्रचार करेंगे, जिसमें चुनाव नहीं हुआ है। इसके लिए आयोग से अनुमति मांगी गयी है। उन्होंने कहा कि सूरत लोकसभा क्षेत्र में चुनाव के एक दिन पहले कांग्रेस के एक साथ चार प्रस्तावक कहते हैं कि हस्ताक्षर हमारे नहीं हैं और लापता हो जाते हैं। सीट सभी प्रत्याशी अपना नामांकन वापस ले लेते हैं। ऐसे में सूरत सीट का चुनाव स्थगित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिग्गज हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किये

वेंकैया नायडू, मिथुन, उषा उत्थुप और राम नाइक को पद्म पुरस्कार से नवाजा

● वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रपति ने 132 पद्म पुरस्कार की दी थी मंजूरी

(सुनील पाण्डेय)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में सोमवार को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिंदेश्वर पाठक समेत कई अन्य दिग्गज हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किये। नायडू, पाठक और प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मा सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पाठक को मरणोपरांत यह पुरस्कार दिया गया।

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, गायिका उषा उत्थुप, उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक और उद्योगपति सीताराम जिंदल को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित अन्य लोग उपस्थित थे। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों - पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री- में प्रदान किया जाता है।

ये पुरस्कार विभिन्न विषयों या गतिविधियों के क्षेत्रों में दिए जाते हैं जिनमें कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल, सिविल सेवा समेत अन्य क्षेत्र शामिल हैं। पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और पद्म श्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।

पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है। वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रपति ने 132 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी थी, जिसमें दो युगल मामले (युगल मामले में पुरस्कार की गिनती एक के रूप में होती है) शामिल हैं। इस सूची में पांच पद्म विभूषण, 17 पद्म भूषण और 110 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार विजेताओं में से 30 महिलाएं हैं। इस सूची में विदेशी एवं अनिवासी भारतीय,भारतीय मूल के व्यक्ति,ओसीआई श्रेणी के आठ लोग और नौ मरणोपरांत पुरस्कार विजेता भी शामिल हैं। करीब आधे पुरस्कार विजेताओं को सोमवार को पुरस्कार प्रदान किए गए, शेष को अगले सप्ताह पुरस्कार से सम्मानित किये जाने की संभावना है।

बलात्कार पीड़िता को 30 सप्ताह के गर्भ के खत्म करने की अनुमति

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । उच्चतम न्यायालय ने करीब 30 सप्ताह की गर्भावस्था वाली 14 वर्षीय बलात्कार पीड़िता को चिकित्सकीय गर्भपात कराने की अनुमति देते हुए सोमवार को कहा कि किशोरी का कल्याण सर्वोच्च महत्व रखता है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने किसी भी मामले में पूर्ण न्याय प्रदान करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार देने वाले संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग किया। पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला भी शामिल हैं। न्यायालय ने कहा, स्थिति की तात्कालिकता और नाबालिग के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, उसकी सुरक्षा सबसे अधिक महत्वपूर्ण है हमने बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द कर दिया है। सुनवाई की शुरूआत में पीठ ने कहा, हम गर्भ के चिकित्सकीय समापन की अनुमति देते हैं क्योंकि वह (पीड़िता) 14 साल की और यह बलात्कार का मामला है। यह एक असाधारण मामला है। न्यायालय ने मुंबई के सायन स्थित लोकमान्य तिलक महानगरपालिका सर्वसाधारण रुग्णालय एवं वैद्यकीय महाविद्यालय (एलटीएमजीएच) के डीन को निर्देश दिया कि वह नाबालिग के गर्भपात के लिए चिकित्सकों के दल का तत्काल गठन करें। न्यायालय ने कहा मेडिकल बोर्ड ने राय दी है कि नाबालिग की इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने से महज 14 साल की किशोरी के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। शीर्ष अदालत ने 19 अप्रैल को नाबालिग की चिकित्सकीय जांच का आदेश दिया था। उसने मुंबई के सायन स्थित अस्पताल से इस संबंध में रिपोर्ट देने को कहा था कि अगर पीड़िता चिकित्सकीय रूप से गर्भपात कराती है या उसे ऐसा न करने की सलाह दी जाती है तो इसका उसकी शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर क्या असर पड़ने की संभावना है। ह्यगर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम' (एमटीपी) के तहत, विवाहित महिलाओं के साथ-साथ विशेष श्रेणियों की महिलाओं के लिए भी गर्भावस्था को समाप्त करने की ऊपरी सीमा 24 सप्ताह है।

एक नजर

एयरटेल का 133 रुपये में इंटरनेशनल रोमिंग पैक

नई दिल्ली 22 अप्रैल । टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर भारती एयरटेल ने विदेश यात्रा करने वाले ग्राहकों के लिए आज किफायती अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पैक पेश किए। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि नए पैक में 184 देशों तक पहुंच शामिल है और इनका टैरिफ 133 रुपये प्रतिदिन से शुरू होता है, जो इन्हें विदेशों में मिलने वाले लोकल सिम की तुलना में भी काफी किफायती विकल्प प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, इन पैक के साथ बेहतर डेटा बेनिफिट्स, उड़ान के दौरान इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी और कॉन्टैक्ट सेंटर सपोर्ट उपलब्ध होता है। उसने कहा कि इन सुविधाओं को यथासंभव सुविधाजनक बनाने के लिए, एयरटेल ने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन 184 देशों की यात्रा करने वाले ग्राहकों को अब विभिन्न देशों के लिए अलग-अलग पैक लेने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल अपने यात्रा की अवधि चुननी होगी और एक ही पैक के माध्यम से वे दुनिया में कहीं भी बिना किसी रुकावट के कनेक्टिविटी का आनंद ले सकते हैं।

ओला मोबिलिटी ने अयोध्या हवाईअड्डे पर परिचालन शुरू किया

नई दिल्ली 22 अप्रैल । ऑनलाइन कैब बुक करने की सुविधा देने वाली कंपनी ओला मोबिलिटी ने अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर परिचालन शुरू कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसने हवाईअड्डे के आगमन और निकास बिंदु पर एक ह्यकैब पिक-अप जोन' स्थापित किया है। ओला मोबिलिटी ने प्रतिनिधियों की एक टीम भी तैनात की है जो हवाई अड्डे पर अपने परिचालन का प्रबंधन करने और वास्तविक समय में ग्राहकों के प्रश्नों का समाधान करने के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी। ओला मोबिलिटी के सीईओ हेमंत बख्शी ने कहा, अयोध्या भारत में सबसे तेजी से बढ़ते सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्रों में से एक के रूप में उभर रहा है। ओला अपनी सेवाओं का विस्तार करने और शहर में परिवहन समाधान प्रदान करने के लिए उत्साहित है। उन्होंने कहा, एक अब भारतीयों की सेवा करने के हमारे मिशन के अनुरूप, हम अयोध्या जैसे स्थानों में विकास के अवसरों को खोलने की योजना बना रहे हैं, जो आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखते हैं और सालाना लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

अप्रैल में अब तक 41 करोड़ से अधिक लोगों ने रेल यात्रा की

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । भारतीय रेलवे ने अपने परिचालन और यात्री सेवाओं पर दबाव को रेखांकित करते हुए कहा है कि 21 अप्रैल तक 41 करोड़ से अधिक लोगों ने ट्रेन से यात्रा की। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ह्यह्यरेलवे ने 1-21 अप्रैल के दौरान 41.16 करोड़ लोगों को यात्रा कराई। पिछले सप्ताहांत - 20 और 21 अप्रैल - में 3.38 करोड़ यात्रियों ने विभिन्न गंतव्यों के लिए ट्रेन यात्रा की। इससे पिछले सप्ताह में कुल 13.69 करोड़ यात्रियों ने रेल से सफर किया।" भारतीय रेलवे ने पहले कहा है कि उसने रिकॉर्ड संख्या में अतिरिक्त ट्रेन यात्राएं संचालित करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक होगा। अधिकारी ने कहा, ह्यह्यरेलवे ने ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के कारण ट्रेन यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि के मद्देनजर कई विशेष ट्रेन शुरू करके और स्टेशन पर सुविधाओं में सुधार करके विस्तृत उपाय किए हैं। जोनल रेलवे को रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू दो दिवसीय उत्तराखंड यात्रा पर

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार से उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर होंगी और इस दौरान वह ऋषिकेश में गंगा आरती और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति भवन ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन ने सोमवार को एक बयान में कहा कि मुर्मू एम्स-ऋषिकेश के चौथे दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। बयान में कहा गया है, "उसी शाम, वह ऋषिकेश में गंगा आरती में शामिल होंगी।" राष्ट्रपति बुधवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून में भारतीय वन सेवा (2022 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

गाजीपुर लैंडफिल में नहीं बुझी आग, धुएं से लोगों को दिक्कत

■ आग से निकलने वाले जहरीले धुएं की वजह से स्थानीय लोगों को सांस लेने में दिक्कत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । दिल्ली के गाजीपुर लैंडफिल (कचरा एकत्र करने की जगह) में लगी आग से निकलने वाले जहरीले धुएं की वजह से स्थानीय निवासियों ने सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत की और कूड़े के ढेर को लेकर नेताओं को कोसा। पूर्वी दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल साइट पर भीषण आग लगने के कुछ घंटों बाद सोमवार को भी वहां से धुएं का घना गुबार उठ रहा है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, कचरे के विशाल पहाड़ से उत्पन्न गैस के कारण रविवार शाम लैंडफिल में भीषण आग लग गई। दमकल सेवा के महानिदेशक अतुल गर्ग ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है। कूड़े के ढेर का एक हिस्सा टूट जाने से लैंडफिल से सटी टिन पैनल से बनी दीवार भी गिर गई। पोल्ट्री मार्केट की तरफ कई मीटर लंबी दीवार खड़ी की गई थी। हालैंडफिल' के पास स्थित घड़ोली गांव के राम कुमार ने कहा, आग लगे हुए 15 घंटे हो गए हैं। यह धुआं कोई आम धुआं नहीं है, यह बहुत जहरीला है। हम जलन के कारण अपनी आंखें खुली नहीं रख पा रहे हैं और सांस लेने में कठिनाई हो रही है। कई निवासियों ने बताया कि धुएं के कारण वे अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पा रहे हैं।

उन्होंने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली सरकार पर उन्हें बेहतर जीवन देने के लिए कोई कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया। इलयास खान ने कहा, 15 साल हो गए हैं। मंत्री केवल चुनाव के दौरान हमारे पास आते हैं लेकिन उसके बाद उनमें से एक भी हमारे दरवाजे पर यह जानने के लिए नहीं आता कि हमें कोई समस्या है या नहीं। यह हालैंडफिल' हमारे लिए एक अभिशाप है। हम हर दिन दुर्गंध झेलने को मजबूर हैं। और अब इस आग ने हमारे लिए कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर दी हैं। वे (मंत्री) क्यों चाहते हैं कि हम मर जाएं? हृदय रोगी राकेश कुमार ने कहा कि उन्हें अपने रिश्तेदार के यहां जाना पड़ा क्योंकि वह अब और घुटन बर्दाश्त नहीं कर सकते थे। उन्होंने कहा, और यह केवल मेरी स्थिति नहीं है, कई लोग इसी कारण से अपना घर छोड़ रहे हैं। एक अन्य निवासी बिल्किस ने कहा कि लैंडफिल अभी भी वहीं है जहां वह था क्योंकि नेताओं ने कभी भी अपने वादों को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा, अब वे फिर से यहां आएंगे और सिर्फ वोट देने के लिए अपनी चिंता दिखाएंगे। कुछ नहीं होगा।

महफूज ने कहा कि जब उन्होंने लगभग 20 साल पहले इस क्षेत्र में एक मकान खरीदा था, तो हालैंडफिल' इतना बड़ा नहीं था। उन्होंने कहा, इतने बड़े कूड़े के ढेर जैसा कुछ नहीं था। सरकार कोई उचित समाधान क्यों नहीं ढूंढ पा रही है? धुएं के कारण हम अपने बच्चों को स्कूल भी नहीं भेज पा रहे हैं। आग लगने की सूचना रविवार शाम पांच बजकर 22 मिनट पर मिली और दमकल विभाग ने आग बुझाने के लिए दमकल के 14 वाहन लगाये।

लैंडफिल पर आग लगने को लेकर आप-भाजपा में तकरार

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर ह्यलैंडफिल' स्थल (कचरा एकत्र करने की जगह) में लगी आग को लेकर सोमवार को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) शासित दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) पर हमला किया। आग लगने के बाद स्थानीय निवासी सांस लेने में परेशानी का सामना करने के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जाएगी। पूर्वी दिल्ली में लैंडफिल स्थल पर रविवार शाम भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसा अनुमान है कि गर्म और शुष्क मौसम के कारण गाजीपुर लैंडफिल साइट में आग लगी है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के बाबत गाजीपुर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और 278 (वातावरण को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गाजीपुर लैंडफिल स्थल का सोमवार को दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है। महापौर शैली ओबेरॉय भी घटनास्थल पर गईं और उन्होंने कहा कि यह राजनीति का समय नहीं है। उपमहापौर आले मोहम्मद इकबाल ने रविवार को घटनास्थल का दौरा किया था। गाजीपुर लैंडफिल स्थल में भीषण आग लगने के कई घंटों बाद भी सोमवार को वहां से धुएं का घना गुबार आसमान की ओर उठता दिख रहा था। कूड़े के ढेर का एक हिस्सा टूट जाने से लैंडफिल से सटी टिन पैनल से बनी दीवार भी गिर गई। पोल्ट्री मार्केट की तरफ कई मीटर लंबी दीवार खड़ी की गई थी। लैंडफिल स्थल के पास स्थित घड़ोली गांव के राम कुमार ने कहा, आग लगे हुए 15 घंटे हो गए हैं। यह धुआं कोई आम धुआं नहीं है, यह बहुत जहरीला है। हम जलन के कारण अपनी आंखें खुली नहीं रख पा रहे हैं और सांस लेने में कठिनाई हो रही है। कई निवासियों ने बताया कि धुएं के कारण वे अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पा रहे हैं। उन्होंने एमसीडी और दिल्ली सरकार पर उन्हें बेहतर जीवन देने के लिए कोई कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया। इलयास खान ने कहा, 15 साल हो गए हैं। मंत्री केवल चुनाव के दौरान हमारे पास आते हैं लेकिन उसके बाद उनमें से एक भी हमारे दरवाजे पर यह जानने के लिए नहीं आता कि हमें कोई समस्या है या नहीं। यह लैंडफिल हमारे लिए एक अभिशाप है।

पेटीएम ने यूपीआई, क्रेडिट कार्ड से यूपीआई भुगतान के लिए साउंडबॉक्स पेश किए

● साउंडबॉक्स क्यूआर कोड के जरिए भुगतान मिलने पर बेहतर ढंग से तत्काल सूचना देगा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । देश की प्रमुख वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पेटीएम ने सोमवार को यूपीआई और क्रेडिट कार्ड से यूपीआई भुगतान के लिए भारत में बने दो साउंडबॉक्स पेश किए। ये साउंडबॉक्स क्यूआर कोड के जरिए भुगतान मिलने पर बेहतर ढंग से तत्काल सूचना देने का वादा करते हैं। पेटीएम के संस्थापक और सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) विजय शेखर शर्मा ने कहा कि उन्नत साउंडबॉक्स बेहतर ध्वनि गुणवत्ता और बैटरी लाइफ से लैस हैं। ये साउंडबॉक्स भारतीय परिस्थितियों के लिए के लिहाज से तैयार किये गये हैं। शर्मा ने कहा कि देश में भारी शोर वाले वातावरण के मद्देनजर इन मिश्रित साउंडबॉक्स की जरूरत महसूस की गई। यह पेशकश ऐसे वक्त में हुई है, जब पेटीएम का संचालन करने वाले वन97 कम्युनिकेशंस लि. ने पेटीएम से अन्य एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल पर ग्राहक खातों का स्थानांतरण पूरा कर लिया। कंपनी ने 17 अप्रैल को साझेदार भुगतान सेवा प्रदाताओं (पीएसपी) बैंकों एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और यस बैंक में ग्राहकों का स्थानांतरण शुरू किया था। पेटीएम यूपीआई ग्राहक अब तक वन97 कम्युनिकेशंस लि. की सहयोगी कंपनी पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि. (पीपीबीएल) का इस्तेमाल पीएसपी बैंक के रूप में कर रहे थे। आरबीआई के पीपीबीएल पर प्रतिबंध लगाने के बाद इसका संचालन ठप हो गया। ताजा पेशकश में पेटीएम साउंडबॉक्स और पॉकेट साउंडबॉक्स के नए संस्करण शामिल हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वाटरप्रूफ साउंडबॉक्स 4जी संपर्क, तत्काल ऑडियो पुष्टि, शक्तिशाली स्पीकर, 10 दिनों तक चलने वाले बैटरी जीवन और 11 भाषाओं में समर्थन नोटिफिकेशन से लैस हैं। शर्मा ने कहा कि कोई भी नए साउंडबॉक्स के साथ क्रेडिट कार्ड से भुगतान स्वीकार करना शुरू कर सकता है और सहज लेनदेन करने के लिए क्रेडिट कार्ड को पेटीएम ऐप में स्टोर कर सकता है। पीपीबीएल मुद्दे पर पूछने पर शर्मा ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मेरा या वन97 कम्युनिकेशंस लि. का पीपीबीएल से कोई संबंध नहीं है। बैंक का अपना बोर्ड है और हमें उस पर पूरा भरोसा है। उन्होंने इस बारे में आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

इफको इस सप्ताह नैनो यूरिया प्लस का उत्पादन शुरू करेगी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । देश की प्रमुख सहकारी संस्था इफको ने सोमवार को कहा कि वह इस सप्ताह 'नैनो यूरिया प्लस' उर्वरक का उत्पादन शुरू करेगी और इसकी वाणिज्यिक बिक्री एक मई से शुरू होगी। नैनो यूरिया प्लस नैनो यूरिया का एक नया संस्करण है। यह महत्वपूर्ण विकास चरणों में फसल की नाइट्रोजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए है। फिलहाल, इफको वजन के अनुसार 1-5 प्रतिशत नाइट्रोजन सामग्री के साथ 'नैनो यूरिया' प्रदान करता है। हालांकि, नैनो यूरिया प्लस उर्वरक में वजन के हिसाब से 16 प्रतिशत नाइट्रोजन सामग्री होती है। इफको के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, "हम इस सप्ताह नैनो यूरिया प्लस का उत्पादन शुरू करेंगे और उत्पाद एक मई से बाजार में उपलब्ध होगा।" नैनो यूरिया प्लस का उत्पादन इफको के तीन संयंत्रों में शुरू होगा, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता हर दिन दो लाख बोतल उत्पादन करने की है। सरकार ने नैनो यूरिया प्लस उर्वरक की विशिष्टताओं को पहले ही अधिसूचित कर दिया है और इफको तीन साल तक इसका विनिर्माण करेगी। इफको के अधिकारी ने कहा कि नैनो यूरिया प्लस एक क्लोरोफिल चार्जर और उपज बढ़ाने वाला है और जलवायु अनुकूल स्मार्ट खेती में मदद करता है।

इफको के तीन नैनो यूरिया संयंत्र - गुजरात के कलोल में, उत्तर प्रदेश के आंवला और फूलपुर में हैं। इफको ने जून 2021 में दुनिया का पहला 'नैनो लिक्विड यूरिया' उर्वरक पेश किया। इसके बाद, यह अप्रैल 2023 में 'नैनो डीएपी' उर्वरक लेकर आया। अधिकारी ने कहा कि सहकारी समिति ने अगस्त 2021 से अब तक नैनो यूरिया की 7.5 करोड़ बोतलें जबकि नैनो डीएपी की 45 लाख बोतलें बेची हैं।

2जी स्पेक्ट्रमः केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

● केंद्र सरकार ने 2012 के फैसले में संशोधन का आग्रह किया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । केंद्र ने 12 साल से अधिक समय बाद 2जी स्पेक्ट्रम मामले से जुड़े फैसले में संशोधन का अनुरोध करते हुए सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों को स्थानांतरित करते समय सरकार नीलामी का मार्ग अपनाने के लिए बाध्य है। इसने दो फरवरी 2012 के अपने फैसले में जनवरी 2008 में दूरसंचार मंत्री के रूप में ए. राजा के कार्यकाल के दौरान विभिन्न कंपनियों को दिए गए 2जी स्पेक्ट्रम लाइसेंस रद्द कर दिए थे। केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ के समक्ष एक अंतरिम आवेदन का उल्लेख किया। आवेदन को तत्काल सूचीबद्ध करने का आग्रह करते हुए शीर्ष कानून अधिकारी ने पीठ से कहा कि याचिका 2012 के फैसले में संशोधन का अनुरोध करती है क्योंकि केंद्र कुछ मामलों में 2जी स्पेक्ट्रम लाइसेंस देना चाहता है। प्रधान न्यायाधीश ने वेंकटरमणी से कहा, हम देखेंगे, आप कृपया एक ई-मेल भेजें। गैर सरकारी संगठन ह्यसेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने आवेदन का विरोध किया और कहा कि शीर्ष अदालत ने नीलामी संबंधी अपने फैसले में इस मुद्दे को अच्छी तरह से सुलझा लिया था। संबंधित गैर सरकारी संगठन उन याचिकाकताओं में शामिल था जिनकी याचिकाओं पर न्यायालय ने फरवरी 2012 में अपना निर्णय दिया था। इस साल 22 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन मामले में राजा और 16 अन्य को बरी करने के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को स्वीकार कर लिया था, जिससे एजेंसी द्वारा याचिका दायर करने के छह साल बाद मामले की सुनवाई का मार्ग प्रशस्त हो गया। सीबीआई की अपील को स्वीकार करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि निचली अदालत के फैसले में कुछ विरोधाभास थे जिनकी गहन पड़ताल की आवश्यकता है। विशेष अदालत ने 21 दिसंबर, 2017 को 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन से संबंधित सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामलों में राजा, द्रमुक सांसद कनिमोई और अन्य को बरी कर दिया था। सीबीआई ने 20 मार्च, 2018 को विशेष अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष को आईना दिखाया है : भाजपा

● मोदी की टिप्पणियों पर हो रही आलोचना पर कहा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान की एक रैली में प्रधानमंत्री की टिप्पणियों को विपक्ष द्वारा साम्प्रदायिक रूप से विभाजनकारी बताने के बाद सोमवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष को आईना दिखाया है तथा लोगों की भावनाओं को प्रतिध्वनित किया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पत्रकारों से कहा कि विपक्ष को दर्द हो रहा है, क्योंकि मोदी ने उन्हें उनके अतीत के बारे में आईना दिखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी की टिप्पणियां लोगों को पसंद आयीं, क्योंकि विपक्षी गुट ह्यइंडिया' के लिए जो लोग अवैध रूप से देश में दाखिल हुए हैं, यदि वे मुस्लिम हैं, तो वे देश के नागरिकों से अधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यजब आप सच को सच कहते हैं तो ह्यइंडिया' गठबंधन को दर्द शुरू हो जाता है। उन्हें अपनी विरासत और अतीत पर इतनी शर्म आती है कि वे नहीं चाहते कि भाजपा या राजग का कोई नेता उन्हें आईना दिखाए और उनके अतीत के बारे में बात करे।" राजस्थान के बांसवाड़ा में रविवार को एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था कि कांग्रेस की योजना लोगों की गाढ़ी कमाई और संपत्ति घुसपैठियों तथा ज्यादा बच्चे वाले लोगों को देने की है। मोदी ने कहा था, पहले जब उनकी (कांग्रेस) सरकार थी, उन्होंने कहा था की देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है।

इसका मतलब ये संपत्ति इकट्ठी कर-के किसको बांटेंगे?.. जिनके ज्यादा बच्चे हैं उनको बांटेंगे। कांग्रेस ने सोमवार को मोदी पर निशाना साधते हुए उन पर चुनावी फायदे के लिए साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण पैदा करने की कोशिश का आरोप लगाया। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से शिकायत कर प्रधानमंत्री के बयान के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी और कुछ अन्य विषयों पर शिकायतें कीं। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और गुरदीप सप्पल शामिल थे। कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री कुछ ऐसी बात कर रहे हैं, जो कांग्रेस के घोषणापत्र में है ही नहीं और वह चुनावी लाभ के लिए देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। भाटिया ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए पूछा कि क्या 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नहीं कहा था कि अल्पसंख्यक खासतौर से मुसलमानों का देश के संसाधनों पर पहला हक है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार का शासन भारतीय लोकतंत्र में एक काला अध्याय है और यदि इंडिया गठबंधन या कांग्रेस को शर्म आती है, तो आनी भी चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2006 में राष्ट्रीय विकास परिषद की 52वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा था, हमें यह सुनिश्चित करने के लिए नवीन योजनाएं तैयार करनी होंगी कि अल्पसंख्यक, विशेष रूप से मुस्लिम अल्पसंख्यक, विकास के परिणाम समान रूप से साझा करने के लिए सशक्त हों। उन्होंने कहा था, संसाधनों पर पहला दावा उनका होना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह मुद्दा उठाया। गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यक (समुदाय) का है, लेकिन भाजपा कहती है कि गरीबों, आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों का देश के संसाधनों पर पहला अधिकार है। भाजपा के एक और प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि जनता के सामने कांग्रेस की इस सोच का पदार्फाश करना जरूरी है, ताकि लोगों को पता चले कि विपक्षी पार्टी वोट बैंक बनाने के लिए कितना नीचे जा सकती है।

स्पीड, कनेक्टिविटी से असंतुष्ट इंटरनेट उपयोगकर्ता चाहते हैं कंपनी बदलना

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । भारत में कम लागत और बढ़ती इंटरनेट पहुंच के बावजूद आधे से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता डेटा स्पीड से असंतुष्ट हैं और कनेक्शन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। हाल में हुए एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। इसमें पाया गया कि इनमें से 70 प्रतिशत उपयोगकताओं ने सेवा प्रदाता को बदलने की इच्छा व्यक्त की है। लोकल सर्किल्स के वार्षिक ब्रॉडबैंड सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 86 प्रतिशत उपयोगकर्ता मुख्य रूप से फाइबर, ब्रॉडबैंड, डीएसएल या फिक्स्ड-लाइन कनेक्शन के जरिए घर पर इंटरनेट से जुड़े हैं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि इनमें आधे से अधिक उपयोगकताओं (56 प्रतिशत) ने कनेक्शन में व्यवधान या वादे से कम स्पीड की शिकायत की। सर्वेक्षण में 286 भारतीय जिलों के 70,000 से अधिक ब्रॉडबैंड और फाइबर उपभोक्ताओं से रायशुमारी की गई। इसमें पता चला कि 39 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि जिस स्पीड के लिए वे भुगतान कर रहे हैं, उन्हें मिलने वाली स्पीड उससे बहुत कम है। करीब 47 प्रतिशत प्रतिभागियों ने दावा किया कि उनके सेवा प्रदाता को उनकी शिकायतों का समाधान करने में 24 घंटे से अधिक समय लगा।

गजानन एस काले टाटा पावर-डीडीएल के सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली 22 अप्रैल । उत्तरी दिल्ली में 70 लाख की आबादी को बिजली सप्लाई करने वाली पावर यूटिलिटी कंपनी टाटा पावर-डीडीएल ने आज श्री गजानन एस काले को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि उनकी नियुक्ति 19 अप्रैल, 2024 से प्रभावी हो गई है। श्री काले की नियुक्ति के बारे में टाटा पावर के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) डॉ प्रवीर सिन्हा ने कहा, ह्यह्यमैं श्री गजानन का टाटा पावर-डीडीएल के नए सीईओ के तौर पर स्वागत करता हूं। बिजली वितरण के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले श्री काले निश्चित ही टाटा पावर-डीडीएल को कामयाबी की नई बुलंदियों पर ले जाएंगे।" टाटा पावर-डीडीएल से पहले श्री काले 2021 से 2024 के दौरान, टीपी वेस्टर्न ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टीपीडब्ल्यूओडीएल) में सीईओ रह चुके हैं। उन्होंने 2018 से 2020 तक टाटा पावर अजमेर डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टीपीएडीएल) में सीईओ के पद पर काम किया। श्री काले 2003 से ही टाटा पावर ग्रुप के साथ हैं। टाटा पावर-डीडीएल में उनकी नई नियुक्ति कंपनी में उनकी दूसरी पारी की शुरूआत है।

इससे पहले, वह कंपनी में ऑपरेशंस एवं कमर्शियल वर्टिकल्स से जुड़े थे जहां उन्होंने ऑपरेशंस ट्रांसफॉर्मेशन, नेटवर्क रीवेम्पिंग, बिजनेस प्रोसेस रीइंजीनियरिंग ऑफ रेवेन्यू मैनेजमेंट, तथा रिसोर्स प्लानिंग एवं मैनेजमेंट में कई प्रमुख प्रोजेक्ट्स का नेतृत्व किया। श्री काले ने भोपाल स्थित बीएचईएल से अपने कॅरियर की शुरूआत की थी और इसके अलावा, वह सैंट्रल रेलवे नागपुर डिवीजन तथा दिल्ली विद्युत बोर्ड/टाटा पावर-डीडीएल में विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं।

धानुका ने नया कीटनाशक लानेवो, जैव-उर्वरक माइकोर सुपर पेश किया

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । कृषि रसायन कंपनी धानुका एग्रीटेक ने नया कीटनाशक 'लानेवो' और जैव-उर्वरक 'माइकोर सुपर' बाजार में पेश किया है। कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक राहुल धानुका ने सोमवार को कहा, लानेवो', विशेष रूप से सब्जी किसानों की मदद के लिए डिजाइन किया गया है। यह शक्तिशाली ब्रॉड-स्पेक्ट्रम कीटनाशक जैसिड, थ्रिप्स, व्हाइटफ्लाइज और लीफ माइनर्स सहित कीटों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करता है। उन्होंने एक बयान में कहा, चूसने और चबाने वाले दोनों कीटों को लक्षित करके, लानेवो किसानों को फसल क्षति पर बेहतर नियंत्रण प्रदान करता है। 'लानेवो' को निसान केमिकल कॉरपोरेशन, जापान के साथ रणनीतिक सहयोग के माध्यम से विकसित किया गया है। इसे भारत में पहली बार पेश किया जा रहा है और वैश्विक पेशकश के लिए तैयार है। उत्पाद को 'माइकोर सुपर' के साथ हाल ही में तिरूपति (आंध्र प्रदेश), बेंगलुरु (कर्नाटक) और नासिक (महाराष्ट्र) में पेश किया गया था। इसे धीरे-धीरे देश के अन्य हिस्सों में भी पेश किया जाएगा। निसान केमिकल जापान के महाप्रबंधक और अंतर्राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख वाई फुकागावा सैन ने कहा कि 'लानेवो' कीट-खर पतवार प्रतिरोधक है जो पत्ती की निचली सतह पर छिपे कीटों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करता है। इस कीटनाशक को लगाना आसान है। यह स्वस्थ फसलों और उच्च पैदावार को बढ़ावा देता है। जैव-उर्वरक 'माइकोर सुपर' उच्च मूल्य वाली फसलों में प्रभावी है क्योंकि यह उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करता है।

मुकेश दलाल बीते 12 साल में लोकसभा चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की

वर्ष 1951 से अब तक 35 उम्मीदवारों ने हासिल की निर्विरोध जीत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुकेश दलाल बीते 12 साल में लोकसभा चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल करने वाले पहले उम्मीदवार बन गए हैं। वह लोकसभा चुनाव जीतने वाले भाजपा के संभवतः पहले उम्मीदवार बन गये हैं। सूरत संसदीय क्षेत्र से उनकी जीत से पहले अरुणाचल प्रदेश में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के 10 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

एक चुनाव अधिकारी ने कहा कि सभी अन्य उम्मीदवारों के नामांकन वापस लेने के बाद दलाल सोमवार को निर्विरोध निर्वाचित हो गए। इससे एक दिन पहले जिला निर्वाचन अधिकारी ने कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभणी के प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में प्रथम दृष्टया विसंगतियां पाईं, जिसके बाद उनकी उम्मीदवारी खारिज कर दी गई। सात चरण में हो रहे लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की यह पहली जीत है।

अठारहवीं लोकसभा के लिए दलाल के निर्विरोध चुनाव के पहले 1951 से अब तक हुए संसदीय चुनाव में कम से कम 34 अन्य उम्मीदवारों को बिना मुकाबला किए जीत हासिल हुई थी। समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव को 2012 में कन्नौज लोकसभा सीट के उपचुनाव में निर्विरोध जीत मिली। उनके पति अखिलेश यादव के उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सीट खाली हुई थी। आम चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल करने वाले अन्य नेताओं में वाई.बी. चव्हाण, फारूक अब्दुल्ला, हरेकृष्ण महताब, टीटी कृष्णामाचारी, पी एम सईद और एस सी जमीर का नाम शामिल है। अब तक कांग्रेस पार्टी के सबसे अधिक उम्मीदवारों ने लोकसभा चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है। सिक्किम और श्रीनगर लोकसभा सीट पर अब तक दो बार निर्विरोध निर्वाचन देखने को मिला है ।

अधिकतर उम्मीदवार सामान्य या नियमित चुनावों में निर्विरोध चुनाव जीते हैं जबकि डिंपल यादव समेत कम से कम नौ नेताओं ने उपचुनावों में निर्विरोध जीत हासिल की है। 1957 के आम चुनाव में अधिकतम सात उम्मीदवार निर्विरोध जीते, उसके बाद 1951 और 1967 के चुनावों में पांच-पांच उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत दर्ज की। 1962 में तीन और 1977 में दो जबकि 1971, 1980 और 1989 में एक-एक उम्मीदवार ने बिना किसी विरोध के जीत हासिल की।

एक नजर

भाजपा के चुनाव अभियान की जानकारी के लिए राजनयिकों का दल जोधपुर का दौरा कर रहा

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को कहा कि भारत में विभिन्न मिशन के राजनयिकों का सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल लोकसभा चुनाव में पार्टी के अभियान की प्रत्यक्ष जानकारी लेने के लिए राजस्थान में जोधपुर के दौरे पर है। भाजपा ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, रूस और सूरीनाम के राजनयिक शामिल हैं। पार्टी में विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने एक बयान में कहा, भारत में विभिन्न मिशन के राजनयिकों का सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 22 से 24 अप्रैल तक राजस्थान में जोधपुर के दौरे पर है ताकि भाजपा के चुनाव अभियान का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि इसी तरह के प्रतिनिधिमंडलों ने पहले 2022 के अंत में हिमाचल प्रदेश और गुजरात के साथ-साथ नवंबर 2023 में मध्य प्रदेश और राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा के अभियानों का सफलतापूर्वक अनुभव हासिल किया था। चौथाईवाले ने कहा, यह भारतीय जनता पार्टी के 43वें स्थापना दिवस पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा द्वारा शुरू की गई 'भाजपा को जानो' पहल का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की योजना आम चुनाव के आगामी चरणों के दौरान भी इन प्रतिनिधिमंडलों को ले जाने की है।

दिल्ली में गोगी गिरोह के सदस्य की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। बाहरी उत्तरी दिल्ली के अलीपुर इलाके में चार अज्ञात हमलावरों ने सोमवार को गोगी गिरोह के एक सदस्य की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि नरेन्द्र मलिक को छह से सात गोलियां लगीं और एसआरएचसी अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) रवि कुमार सिंह ने कहा,ह्लप्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह गैंग वार का मामला है क्योंकि नरेन्द्र गोगी गिरोह से जुड़ा था। हालांकि हम सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रहे हैं ह्व पुलिस ने कहा कि दोपहर करीब दो बजे मलिक तरुण और अमित के साथ दयाल मार्केट में टाटा एस वाहन में बैठा हुआ था, तभी चार लोग वहां पहुंचे और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार चार व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आए और वाहन के पीछे रुक गए, इसके बाद उन्होंने मलिक पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि अमित घटनास्थल से भाग गया जबकि तरुण के पैर में चोट लगी है और उसकी हालत गंभीर बताई गई है। डीसीपी ने कहा, ह्लमलिक 2017 में हुई लूट और 2019 में शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज मामले में शामिल था। हमने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं और शस्त्र अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की है ह्व उन्होंने कहा कि हमने मामले की जांच के लिए छह अलग-अलग टीम गठित की हैं। डीसीपी ने कहा, "तरुण के पुलिस रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। मलिक का नाम अलीपुर थाने में 'बुरे चरित्र' वालों सूची में था। हमें आरोपियों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।" डीसीपी ने कहा, "हम पूरी घटना की सीसीटीवी फुटेज हासिल कर रहे हैं और आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।" पुलिस ने कहा कि मलिक टेम्पो भी चलाता था।

एम्स के चिकित्सकों ने कभी नहीं कहा कि चिंता की बात नहीं, तिहाड़ प्रशासन को लिखा पत्र

केजरीवाल बोले–रोजाना इंसुलिन की मांग कर रहा हूं

■ केजरीवाल ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव में तिहाड़ जेल प्रशासन झूठ बोल रहा

(अदिति सिंह)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को तिहाड़ जेल के अधीक्षक को पत्र लिखकर दावा किया कि वह रोजाना इंसुलिन की मांग कर रहे हैं और एम्स के चिकित्सकों ने कभी नहीं कहा कि उनकी सेहत को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। केजरीवाल के इस पत्र से एक दिन पहले तिहाड़ प्रशासन ने एक बयान जारी कर कहा कि उन्होंने 20 अप्रैल को केजरीवाल की एम्स के वरिष्ठ विशेषज्ञों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की व्यवस्था की थी जिस दौरान ना तो केजरीवाल ने इंसुलिन का मुद्दा उठाया और ना ही डॉक्टरों ने ऐसी कोई सलाह दी। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव में तिहाड़ जेल प्रशासन झूठ बोल रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री के आरोपों पर तिहाड़ जेल के अधिकारियों से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने केजरीवाल के इस पत्र को सोशल मीडिया मंच एक्स के अपने हैंडल पर साझा किया है। मुख्यमंत्री ने जेल अधिकारियों के इस दावे को खारिज कर दिया कि उन्होंने डॉक्टरों के साथ परामर्श में कभी इंसुलिन का मुद्दा नहीं उठाया। उन्होंने पत्र में लिखा, यह झूठ है। मैंने 10 दिन तक हर दिन, कई बार इंसुलिन के मुद्दे को उठाया है। मेरे सामने जो भी चिकित्सक आए, उन्हें मैंने अपना उच्च शर्करा स्तर दिखाया। मैंने उन्हें दिखाया कि हर दिन तीन बार शर्करा स्तर बढ़ता है और 250 से 320 के बीच रहता है।

उन्होंने कहा, मैंने उन्हें यह भी दिखाया कि खाली पेट मेरा शर्करा स्तर हर दिन 160 से 200 की रेंज में था। लगभग रोजाना मैंने इंसुलिन की मांग की। तो फिर आप यह बयान कैसे दे सकते हैं कि मैंने कभी इंसुलिन का मुद्दा नहीं उठाया? दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में तिहाड़ प्रशासन के इस बयान का भी विरोध किया कि एम्स के चिकित्सकों ने आश्वासन दिया कि उनके शर्करा स्तर को लेकर कोई गंभीर चिंता की बात नहीं है। केजरीवाल ने दावा किया, एम्स के डॉक्टरों ने कभी ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि वे सभी चीजों को देखेंगे और फिर अपनी सलाह देंगे। केजरीवाल ने कहा कि वह अखबारों में जेल अधिकारियों के बयान पढ़कर आहत हुए। आम आदमी पार्टी ने तिहाड़ प्रशासन पर मधुमेह से ग्रस्त केजरीवाल को इंसुलिन नहीं देने का आरोप लगाया। पार्टी ने यह आरोप भी लगाया कि उनकी हत्या की साजिश रची जा रही है। तिहाड़ प्रशासन ने रविवार को एक बयान में कहा कि एम्स के वरिष्ठ विशेषज्ञों ने 20 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से केजरीवाल को परामर्श प्रदान किया। एक जेल अधिकारी ने कहा, लगभग 40 मिनट के विस्तृत परामर्श के बाद, केजरीवाल को आश्वासन दिया गया कि कोई गंभीर चिंता नहीं है और उन्हें निर्धारित दवाएं जारी रखने की सलाह दी गई, जिसका मूल्यांकन और समीक्षा नियमित रूप से की जाएगी।

केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के अनुरोध पर तिहाड़ जेल प्रशासन द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस की यह व्यवस्था की गई थी। एम्स विशेषज्ञ को सीजीएम (ग्लूकोज मॉनिटरिंग सेंसर) का पूरा रिकॉर्ड और केजरीवाल द्वारा लिये जा रहे आहार और दवाओं का विवरण प्रदान किया गया।

केजरीवाल को झटका, जमानत देने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज

● दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 75 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए असाधारण अंतरिम जमानत का अनुरोध करने वाली एक विधि छात्र की जनहित याचिका सोमवार को खारिज कर दी और याचिकाकर्ता पर 75,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। केजरीवाल कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। विवादों में घिरे आप नेता के वकील ने भी जनहित याचिका का विरोध करते हुए कहा कि केजरीवाल खुद कानूनी उपाय करने में सक्षम हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने टिप्पणी की कि यह याचिका उचित विचार करके दायर नहीं की गई और अदालत उच्च पद पर आसीन किसी व्यक्ति को असाधारण अंतरिम जमानत नहीं दे सकती। पीठ ने कहा, क्या याचिकाकर्ता कॉलेज में कक्षा में जाता है? क्या याचिकाकर्ता की उपस्थिती अच्छी है? ऐसा लगता है कि वह कानून के सिद्धांतों का पालन नहीं कर रहा। अदालत ने टिप्पणी की कि आप नेता के पास अपने कानूनी विकल्पों का लाभ लेने के लिए कदम उठाने के साधन हैं और याचिकाकर्ता के पास उनकी ओर से दलीलें पेश करने के लिए कोई वकालतनामा नहीं है। उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा, आप कौन हैं? आप अपने आप के बारे में ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर सोच रहे हैं। आप कहते हैं कि आपके पास वीटो शक्ति है कि आप (यह सुनिश्चित करने के लिए) वचन देंगे (कि केजरीवाल गवाह को प्रभावित न करें)। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि समानता एवं कानून के शासन की अवधारणा संविधान में निहित है और केजरीवाल न्यायिक आदेश के तहत न्यायिक हिरासत में हैं और इस आदेश को चुनौती नहीं दी गई है। अदालत ने आदेश दिया, रिट याचिका 75,000 रुपये के जुमार्ने के साथ खारिज की जाती है। केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा ने कहा कि जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है और याचिकाकर्ता का इस मामले में पक्षकार होने का कोई अधिकार नहीं है। याचिकाकर्ता के वकील ने इस आधार पर दिल्ली के मुख्यमंत्री के लिए असाधारण अंतरिम जमानत का अनुरोध किया कि केजरीवाल की सुरक्षा खतरे में है क्योंकि वह कट्टर अपराधियों के साथ जेल में बंद हैं। जनहित याचिका में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की जिम्मेदारियों को पूरा करने, सभी मुद्दों पर त्वरित निर्णय लेने और बड़े पैमाने पर जनता के कल्याण में आदेश पारित करने के लिए केजरीवाल का उनके कार्यालय और घर में मौजूद होना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता का यह दावा कि उसके पास रियायत देने के लिए वीटो शक्ति है, अजीब है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह अपनी रिहाई पर सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे, एक राजनेता के पक्ष में निजी बांड देने की उसकी पेशकश और भी ह्यअधिक अजीब' है। अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा, वह आपकी कोई मदद नहीं चाहते। आप कौन हैं? आप संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं? आपके पास वीटो शक्ति है? यदि आपने (अंतरिम जमानत देने का) फैसला किया है, तो आप (अदालत में) क्यों आए हैं?

मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डीपीएस स्कूलों के साथ साझेदारी

● 203 दिल्ली पब्लिक स्कूल कनेक्ट होंगे, टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ के लगभग 15,225 सदस्यों को फायदा

(विशेष संवाददाता)

फरीदाबाद, 22 अप्रैल। लर्नएक्स ने 203 दिल्ली पब्लिक स्कूलों (डीपीएस) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है जिसके तहत लर्नएक्स डीपीएस स्कूलों में टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ के लगभग 15,225 सदस्यों को मानसिक सेहत व स्वास्थ्य पर विस्तृत और संरचनाबद्ध प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे एक शैक्षणिक वर्ष में लगभग पांच लाख विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। इस साझेदारी की घोषणा डीपीएस फरीदाबाद और डीपीएस बैंगलोर नॉर्थ में लर्नएक्स प्रोग्राम पूरा कर चुके एजुकेटरों के एक सम्मान समारोह में की गई। इस अवसर पर डीपीएस सोसायटी के इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हैल्थ के सीईओ डॉ. डेनियल फंग, अनिल कुमार, प्रिंसिपल, डीपीएस फरीदाबाद के प्रिंसिपल अनिल कुमार, चंद्रकांत सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर लर्नएक्स के प्रबंध निदेशक चंद्रकांत सिंह भी मौजूद थे।

इस मौके पर डॉ. फंग ने कहा, मानसिक स्वास्थ्य लोगों, खासकर युवाओं की सेहत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है, और हमारा यह दायित्व है कि हम उन्हें विकास करने के लिए पूरा सहयोग दें। लर्नएक्स और डीपीएस स्कूलों के बीच यह साझेदारी एजुकेटरों को विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सही टूल्स उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, ताकि उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त हो सके।" लर्नएक्स के पिछले अभियानों में मानसिक सेहत एवं स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट प्रदर्शित होती रही है। 2022 में लर्नएक्स ने अटल इनोवेशन मिशन (एम) नीति आयोग के सहयोग से भारत में समावेशी विकास के लिए एजुकेटर्स को अपनी तरह का पहला अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेट प्रोग्राम पेश किया। इस पायलट प्रोग्राम का उद्देश्य शिक्षकों को समावेशी विकास के लिए परिवर्तनकारी शिक्षण का कौशल प्रदान करना था। पिछले दो सालों में इस कार्यक्रम द्वारा 10,000 स्कूलों के लगभग 15,000 शिक्षकों को प्रशिक्षित कर 500,000 बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा चुका है। डीपीएस स्कूलों के साथ साझेदारी लर्नएक्स का अगला चरण है, जिससे भारत में युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने के इसके प्रयास मजबूत हो सकेंगे और टीचर्स, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग मिल सकेगा।

सीबीआई तिहाड़ जेल में न्यूजक्लिक के एचआर प्रमुख से पूछताछ करेगी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के कथित उल्लंघन को लेकर न्यूजक्लिक के खिलाफ अपनी जांच के सिलसिले में तिहाड़ जेल में बंद समाचार पोर्टल के तत्कालीन एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती से पूछताछ करेगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, चक्रवर्ती से कंपनी 'पीपीके न्यूजक्लिक स्टूडियो प्राइवेट' में अमेरिका स्थित वर्ल्डवाइड मीडिया होल्डिंग्स (डब्ल्यूएमएच) के कथित निवेश के बारे में बुधवार दोपहर में "गवाह" के रूप में पूछताछ की जाएगी।

उन्होंने बताया कि कंपनी के शेयरधारकों में शुमार और डब्लूएमएच से प्राप्त धन के समन्वयक, चक्रवर्ती अभी न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद है। उसे दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने आतंकवाद रोधी कानून गैर कानून गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत पिछल साल तीन अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि सीबीआई को तिहाड़ में बुधवार को चक्रवर्ती से पूछताछ करने के लिए विशेष अदालत से अनुमति मिल गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने गृह मंत्रालय के अवर सचिव राजेश कुमार सिंह की शिकायत के आधार पर एफसीआरए के कथित उल्लंघन के लिए सात अक्टूबर 2023 को न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ, कंपनी पीपीके न्यूजक्लिक स्टूडियो प्राइवेट और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। प्राथमिकी में चक्रवर्ती को आरोपी के रूप में नामजद नहीं किया है। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि ह्यन्यूजक्लिक' को एफसीआरए प्रावधानों का उल्लंघन करके चार विदेशी संस्थाओं से लगभग 28.46 करोड़ रुपये मिले हैं। ह्यन्यूजक्लिक' अमेरिकी अखबार ह्यन्यूयॉर्क टाइम्स' की उस खबर के बाद सुर्खियों में आया था कि जिसमें कहा गया था कि उसे कथित तौर पर चीन समर्थक प्रचार के लिए धन मिला था। हालांकि, उसने सभी आरोपों से इनकार किया है।

7 अक्तूबर 2023 को न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ, कंपनी पीपीके न्यूजक्लिक स्टूडियो प्राइवेट और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था

कांग्रेस ने होर्डिंग को लेकर की चुनाव आयोग से शिकायत

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। कांग्रेस ने होर्डिंग्स में विभिन्न दलों के नेताओं को बदनाम करने वाले चित्र बनाने पर आपत्ति जताते हुए चुनाव आयोग से मुलाकात कर इस बारे में सोमवार को शिकायत दर्ज की। चुनाव आयोग से मिलने के बाद कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी तथा गुरदीपसिंह सप्पल ने यहां आयोग के कार्यालय के बहार पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा,ह्यह्यदिल्ली में अलग-अलग दलों के नेताओं के कैरिकेचर बने होर्डिंग्स लगाए गए है जो कानूनन गलत है। हमने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की थी और 16 अप्रैल को आयोग ने होर्डिंग्स हटाने का फैसला दिया था लेकिन अब तक आयोग के आदेश पर कार्रवाई नहीं हुई और होर्डिंग्स नहीं हटाए गए।" उन्होंने कहा,ह्यह्यहैरानी वाली बात ये है कि आयोग की टीम कांग्रेस के दफ्तर आई और चुनावी गाइडलाइन का हवाला देकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की तस्वीर को काले कपड़े से ढकवा दिया लेकिन भाजपा द्वारा लगाए गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के होर्डिंग्स अभी तक नहीं हटाए गए हैं।" सिंघवी ने कहा हमने चुनाव आयोग से 17 शिकायतें दर्ज की हैं, जिसमें देश के प्रधानमंत्री ने राजस्थान में जिस तरह एक समुदाय के लिए भद्दा वक्तव्य दिया वह आयोग के आदेश का उल्लंघन है। चुनाव आयोग को इस पर सख्त करवाई करनी चाहिए। इस बयान से देश के संविधान, प्रधानमंत्री पद, चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो गया है।" उन्होंने कहा भाजपा सरकार ने गुजरात समेत कई जगहों पर सत्तारूढ़ पार्टी की तस्वीरें लगाई हैं, जो सिर्फ धर्म की बात करती है। सूरत में चुनाव के एक दिन पहले कांग्रेस के एक साथ चार प्रस्तावक बोलते हैं कि वह हस्ताक्षर मेरे नहीं हैं, उसके बाद वह लापता हो जाते हैं। सबसे बड़ी बात- जितने भी भाजपा के विपक्ष के नेता हैं, सब नामांकन वापस ले लेते हैं। ऐसे में सूरत के चुनाव को स्थगित करना चाहिए।" कांग्रेस नेता ने कहा,ह्यह्यन्यूज 18 चैनल के अमिश देवगन का एक प्रोग्राम भद्दा होने के साथ ही आपसी वैमनस्य, गैरकानूनी और धर्म-पंथ निरपेक्षता के विरुद्ध है, जिसपर प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। माननीय राहुल गांधी जी कर्नाटक के उस क्षेत्र में कैंपेन करेंगे, जिसमें चुनाव नहीं हुआ है। ऐसे में हमने आयोग से अनुमति मांगी है।

राजनीतिक, मनोरंजन, सिनेमाजगत की हर खबर
www.womenexpress.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संः झाँसी-इन्जी.-मुख्यालय-2024-69 दिनांकः 19.04.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई- टेन्डरिगं) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

कार्य का नामः पार्ट (ए)- नन्दखास- कंस्ट्रक्शन ऑफ़ 13 यूनिट्स टाइप II क्वार्टर ऑन रिप्लेसमेंट अकाउंट एट नन्दखास स्टेशन अंडर एडीईएन/ एचक्यू-I/ झाँसी। पार्ट (बी)- प्रोविजन ऑफ़ पोर्टल हट्स एट स्टेशन अंडर एडीईएन/ एचक्यू-I/ झाँसी। पार्ट (सी)- वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-रिप्लेसमेंट ऑफ़ ओल्ड/ डिलैपिडेटिड क्वार्टर एट ईस्ट कॉलोनी झाँसी।

अनुमानित लागत (₹): 30209946.63 | अमानत राशि (₹): 301100.00

निविदा बंद होने की तिथिः 13.05.2024 at 15:00 hrs., स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 12 माह, ● निविदा दिनांक 13.05.2024 को 15.00 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेगें। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के बेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें। 715/24 (ADM)

@CPRONCR North central railways @cproncrly @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं.: पीसीएमएम/ सीएलडब्ल्यू/ हावड़ा/ई-प्रोक्योरमेंट/24/23 दिनांकः 16/04/2024। भारत के राष्ट्रपति की ओर से पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/हावड़ा के द्वारा निम्नलिखित की आपूर्ति हेतु प्रतिष्ठित विश्वसनीय निर्माता से इलेक्ट्रॉनिक बोली आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित ई-निविदाएँ इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के निर्माण के लिए सामग्री की आपूर्ति हेतु हैं। प्रत्याशित/संभावित आपूर्तिकर्ताओं से अनुरोध किया जाता है कि विस्तृत निर्देशों के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। ये ई-निविदाएँ हैं, केवल इलेक्ट्रॉनिक प्रस्ताव वाली बोली स्वीकार की जाएगी। क्रम सं.; निविदा सं.; सामग्री का विवरण; मात्रा; नियत तिथि; निविदा मूल्य निम्नानुसार हैं: [100]; 14242741; सीएलडब्ल्यू स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ ईएस/3/0040/बी या नवीनतम के तहत एसबी1 और एसबी2 में वीसीबी/ पैंटोग्राफ के लिए ऑक्जिलरी कॉन्टैक्टर; निविदा/ कागजात के अनुसार; 06/05/2024; ₹0.00। [101]; 14242734; 1. सीएलडब्ल्यू स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0034/सी या नवीनतम के तहत कॉन्टैक्टर टाइप-6। 2. सीएलडब्ल्यू स्पेसि. नं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0034/सी या नवीनतम के तहत कंट्रोल इलेक्ट्रॉनिक्स और कंट्रोल सीकेटी. 'ऑन' (कॉन्टैक्टर टाइप-4) के लिए कॉन्टैक्टर; निविदा/कागजात के अनुसार; 24/05/2024; ₹0.00। [102]; 23235174; टॉर्क रिंच, 3/4 इंच, स्क्वायर ड्राइव, रेंज: 150-750 एनएम या अधिक, कार्य की सटीकता: कार्य की सटीकता: स्केल सेट टॉर्क की +/- 3% सहनशीलता, 3/4, स्क्वायर ड्राइव पिन-लॉकिंग कार्यप्रणाली के माध्यम से पुश के साथ, लंबाई: 1000 मिमी से 1300 मिमी, वजन: 5.0 केजी (अधिकतम), मजबूत, वार्निशयुक्त ट्यूबुलर स्टील निर्माण, जिंक प्लेटेड रैचेट हेड और टॉप-ग्रेड प्लास्टिक पार्ट्स के साथ, नियंत्रित बाई-डायरेक्शनल टाइटनिंग, रिलीज सिस्टम एक टैक्टाइल एवं सुनने योग्य सिग्नल को प्रेरित करता है, एचएसएन कोड: 82041110, 'निर्मिति और ब्रांड: पावर मास्टर, सुपर-एक्स, एमटीसी, फोर्टे (मेक इन इंडिया नीति के अनुसार, केवल भारतीय निर्माता के निर्मिति/ब्रांड को स्वीकार किया जाएगा); निविदा/कागजात के अनुसार; 16/05/2024; ₹0.00। [103]; 23235116बी; परिवर्तनीय डाई सेट के साथ विभिन्न आकारों में कॉपर स्लीव को मोड़ने के लिए हैंड क्रिंपिंग टूल। कॉपर स्लीव के इन साइज के लिए उपयुक्त (अंदरूनी व्यास X बाहरी व्यास X ऊंचाई): (i) 10.80 X12 X 6.4 मिमी (दो क्रिम्पिंग स्थिति के साथ एक हेक्सागोनल डाई सेट), (ii) 7.92 X 9.20 X 8 मिमी (तीन क्रिम्पिंग स्थिति के साथ एक हेक्सागोनल डाई सेट), (iii) 5.71 X 650 X 8 मिमी और (iv) 5.2 X 6.2 X 8 मिमी (तीन क्रिम्पिंग स्थिति के साथ एक हेक्सागोनल डाई सेट)। कुल 03 डाई सेट। टूल में समानांतर क्रिम्पिंग जॉ को बंद करने की सुविधा है। पसंदीदा निर्मिति/ब्रांड: जैनसन, तापरिया, हिनफोर्स, ड्यूरोफिक्स, एयरो बूम या समकक्ष। (निर्मिति मेक इन इंडिया नीति के अनुरूप होनी चाहिए; निविदा/कागजात के अनुसार; 24/05/2024; ₹ 0.00। [104]; 25245070; 1. बफर डिस्क सेंटर मार्किंग डिवाइस। बफर डिस्क के केंद्र बिंदु को चिह्नित करने में सक्षम। अच्छी गुणवत्ता के स्टील से बना हुआ है और सुपर सिंथेटिक एनामेल से पेंट किया हुआ है। निर्मिति- संलग्न अनेक्सर-2 के स्पेसिफिकेशन के अनुसार पीआईई, बीपीआई इंडिया या द्वारकेश एजेंसियाँ। 2. साइड बफर हाइट गेज एक सेटिंग में दोनों साइड बफर की ऊँचाई को मापने और उनकी ऊँचाई के अंतर की जाँच करने में सक्षम होना चाहिए। गेज एक फोल्डेबल ट्रैक बेस और दो डिटैचेबल वर्टिकल कॉलम का होना चाहिए जिसमें पॉइंटर के साथ मेजरिंग स्केल हो। न्यूनतम गणना-1 मिमी, सटीकता-1 मिमी, मेजरिंग रेंज-900 मिमी से 1140 मिमी, निर्मिति: संलग्न अनेक्सर-1 के स्पेसिफिकेशन के अनुसार पीआईई, बीपीआई इंडिया या द्वारकेश एजेंसियाँ। 3. बफर प्रोजेक्शन गेज। स्वचालित रूप से बफ़र्स का प्रोजेक्शन देने में सक्षम, सटीकता 1 मिमी, रेंज 570 मिमी से 665 मिमी, निर्मिति- संलग्न अनेक्सर-3 के स्पेसिफिकेशन के अनुसार पीआईई, बीपीआई इंडिया या द्वारकेश एजेंसियाँ। निविदा/कागजात के अनुसार; 08/05/2024; ₹ 0.00। [105]; 29245030; 1. सैंडिंग डिस्क 6 इंच या 150मिमी, ग्रिट 320, पेपर बैक्ड वेल्क्रो टाइप एल्यूमिनियम ऑक्साइड, स्पेसिफिकेशन संख्या: आईएस: 715-2002, छिद्र की संख्या: 06, निर्मिति/ब्रांड-बॉश/3एम/नॉर्टन; 2. सैंडिंग डिस्क 6 इंच या 150मिमी, ग्रिट 150, पेपर बैक्ड वेल्क्रो टाइप एल्यूमिनियम ऑक्साइड, स्पेसिफिकेशन संख्या: आईएस: 715-2002, छिद्र की संख्या: 06 निर्मिति/ब्रांड- बॉश/3एम/नॉर्टन; निविदा/ कागजात के अनुसार; 16/05/2024; ₹ 0.00। PR3/387 पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/हावड़ा

हमें: www.facebook.com/clwrailways पर लाइक करें

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एफ/डीवाई. सीएमई (प्रोड)/ डब्ल्यूएमपी/ओएफएफ/सीएएमसी/एसडब्ल्यूएल-10679 दिनांक 20.04.2024, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पादन), पूर्व रेलवे वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, जमालपुर, जिलाः मुंगेर, बिहार, पिन:811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली के आधार पर ख्यातिप्राप्त फर्म से भारतीय रेल के पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का नामः वारंटी के तहत बिना किसी परेशानी के एक वर्ष तक सुगमता से काम करने के लिए सीएनसी सरफेस व्हील लेद एसडब्ल्यूएल-47, प्रस्तुतकारक-मेसर्स एचवाईटी/ पुणे, प्लांट नं. 10679 की संपूर्ण मरम्मत। कार्य स्थलः पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, मुंगेर (बिहार), पिन-811214, निविदा मूल्यः रु. 23,72,980/-(जीएसटी @18% सहित)। बोली प्रतिभूति/बयाना राशिः 47,500/-, निविदा कागजात का मूल्यः रु.0.00, समापन अवधिः मशीन भौतिक रूप से शुरू होने की तिथि से 60 (साठ) दिन। निविदा की अंतिम तिथि और समयः दिनांक 13.05.2024 को 15.00 बजे। प्रस्ताव की वैधताः निविदा के खुलने की तिथि से 60 दिन। निविदा का माध्यमः खुली ई-निविदा (कार्य)। वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट का स्थान जहाँ से निविदा का संपूर्ण विवरण आदि देखा जा सकता हैः www.er.indianrailways.gov.in के साथ हाइपरलिंक्ड www.ireps.gov.in एवं उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पादन), पूर्व रेलवे, लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर के कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस को। टिप्पणीः सभी अन्य नियम और शर्तें निविदा कागजात में उपलब्ध हैं।

MISC-25/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइटः www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2024 की संख्या में वृद्धि

पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन स्पेशल रेल सेवाओं के साथ-साथ निम्नलिखित अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन रेल सेवाएं भी निम्नानुसार संचालित की जायेंगी :-

04017/04018 आनन्द विहार टर्मिनल - शहीद कप्तान तुषार महाजन - आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 20 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04017		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04018	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:55	आनन्द विहार टर्मिनल	05:00	--
12:40	--	शहीद कप्तान तुषार महाजन	--	15:55

चलने की तिथि : 04017 आनन्द विहार टर्मिनल से दिनांक 26.04.2024 से 28.06.2024 (शुक्रवार) तक एवं 04018 शहीद कप्तान तुषार महाजन से दिनांक 27.04.2024 से 29.06.2024 (शनिवार) तक।
स्थानः 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहरावः गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुज्जफरनगर, सहारानपुर, यमुनानगर जगादरी, अंबाला कैंट, ढंडारी कलां, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट एवं जम्मू तवी स्टेशन।

04094/04093 आनन्द विहार टर्मिनल - पटना जं. - आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04094		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04093	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:55	आनन्द विहार टर्मिनल	14:00	--
16:45	--	पटना जं.	--	20:00

चलने की तिथि : 04094 आनन्द विहार टर्मिनल से दिनांक 29.04.2024 से 24.06.2024 (सोमवार) तक एवं 04093 पटना जं. से दिनांक 30.04.2024 से 25.06.2024 (मंगलवार) तक।
स्थानः प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.
ठहरावः कानपुर सेन्ट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. एवं दानापुर स्टेशन।

04096/04095 आनन्द विहार ट. - अयोध्या कैंट - आनन्द विहार ट. आरक्षित ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सप्ताह में 2 दिन) — 38 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04096		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04095	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	09:00	आनन्द विहार टर्मिनल	22:30	--
22:00	--	अयोध्या कैंट	--	09:00

चलने की तिथि : 04096 आनन्द विहार टर्मिनल से दिनांक 27.04.2024 से 29.06.2024 (शनिवार एवं सोमवार) तक एवं 04095 अयोध्या कैंट से दिनांक 28.04.2024 से 30.06.2024 (रविवार एवं मंगलवार) तक।
स्थानः 3 टियर वाता., शयनयान
ठहरावः गाजियाबाद, मुरादाबाद, बेरली एवं लखनऊ स्टेशन।

01083/01084 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - गोरखपुर - लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01083		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01084	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:50	लोकमान्य तिलक ट.	00:25	--
04:20	04:30	लखनऊ	19:45	19:55
09:30	--	गोरखपुर	--	15:30

चलने की तिथि : 01083 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से दिनांक 25.04.2024 एवं 30.04.2024 को एवं 01084 गोरखपुर से दिनांक 27.04.2024 एवं 02.05.2024 को।
स्थानः शयनयान एवं सामान्य
ठहरावः ठाणे, कल्याण जं., ईगतपुरी, नाशिक रोड, मनमाड़ जं., जलगांव जं, भुसावल जं., खंडवा जं., इटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा एवं बस्ती स्टेशन।

01085/01086 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - गोरखपुर - लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01085		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01086	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:50	लोकमान्य तिलक ट.	00:25	--
04:20	04:30	लखनऊ	19:45	19:55
09:30	--	गोरखपुर	--	15:30

चलने की तिथि : 01085 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से दिनांक 26.04.2024 एवं 01.05.2024 को एवं 01086 गोरखपुर से दिनांक 28.04.2024 एवं 03.05.2024 को।
स्थानः 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहरावः ठाणे, कल्याण जं., ईगतपुरी, नाशिक रोड, मनमाड़ जं., जलगांव जं, भुसावल जं., खंडवा जं., इटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा एवं बस्ती स्टेशन।

08479/08480 पुरी - नई दिल्ली - पुरी ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 08479		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 08480	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:45	पुरी	07:45	--
18:30	--	नई दिल्ली	--	21:30

चलने की तिथि : 08479 पुरी से दिनांक 30.04, 07.05, 14.05, 21.05, 28.05, 04.06, 11.06, 18.06 एवं 25.06.2024 को एवं 08480 नई दिल्ली से दिनांक 01.05, 08.05, 15.05, 22.05, 29.05, 05.06, 12.06, 19.06 एवं 26.06.2024 को।
स्थानः प्रथम वाता, 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहरावः साक्षीगोपाल, खोरधा रोड़, भुवनेश्वर, कटक, जखपुरा, हरिचन्दनपुर, केन्दुझरगढ़, बांशपानी, डांगोवापोसी, चाईबासा, चाण्डिल जं., मूरी जं., बोकारो स्टील सिटी, राजाबेड़ा, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो, कोडरमा जं., गया, सासाराम जं, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल एवं टुंडला स्टेशन।

04656/04655 जम्मू तवी - उदयपुर सिटी - जम्मू तवी गरीब रथ एक्सप्रेस स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 20 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04656		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04655	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	05:20	जम्मू तवी	15:10	--
07:30	--	उदयपुर सिटी	--	14:05

चलने की तिथि : 04656 जम्मू तवी से दिनांक 25.04.2024 से 27.06.2024 (गुरूवार) तक एवं 04655 उदयपुर सिटी से दिनांक 26.04.2024 से 28.06.2024 (शुक्रवार) तक
स्थानः 3 टियर वाता., वाता. कुर्सीयान
ठहरावः पठानकोट कैंट, जलंधर कैंट, लुधियाना, धूरी, जाखल, हिसार, भिवानी, रिवाड़ी, अलवर, बाँदीकुई, जयपुर, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, बिजयनगर, मांडल, भीलवाड़ा, चन्देरिया, बेड़च, मावली एवं राणा प्रताप नगर स्टेशन।

09424 सुल्तानपुर जं. - साबरमती स्पेशल रेलगाड़ी (अनारक्षित) — 01 फेरा

↓ स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01084	
	आगमन	प्रस्थान
साबरमती	07:00	--
सुल्तानपुर जं.	--	05:00

चलने की तिथि : 09424 सुल्तानपुर से दिनांक 23.04.2024 (मंगलवार) को
स्थानः 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहरावः लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, टुंडला जं., आगरा फोर्ट, अछनेरा जं., भरतपुर जं., बाँदीकुई, जयपुर, अजमेर जं., ब्यावर, मारवाड़ जं., फालना, पिण्डवाड़ा, आबूरोड, पालनपुर, जं., एवं महेसाना जं. स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

1204/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

प्रधानमंत्री का मास्टर स्ट्रोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि यह पार्टी देश पर 'माओवादी सोच' थोपकर और जनता की कमाई पर कब्जा कर उसे लोगों में बांटना चाहती है। हालांकि मोदी ने इस बार यह वितरण मुसलमानों के बीच किये जाने की बात नहीं कही। प्रधानमंत्री ने अलीगढ़ में भाजपा प्रत्याशी सतीश गौतम और हाथरस से पार्टी उम्मीदवार अनूप वाल्मीकि के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर 'तुष्टीकरण' करने का आरोप लगाया और कहा कि इन दलों ने पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिये कुछ नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस और ह्यइंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, मैं देशवासियों को आगाह करना चाहता हूं कि कांग्रेस और उसके गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई और संपत्ति पर है। प्रधानमंत्री ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी संपत्ति है, उसकी जांच करेंगे। इतना ही नहीं, वह कहते हैं कि यह जो संपत्ति है उसको सरकार अपने कब्जे में लेकर सबको बांट देगी। यह उनका चुनाव घोषणा पत्र कह रहा है। मोदी ने कहा, आप सोचिए हमारी माताओं और बहनों के पास सोना होता है। वह स्त्री धन होता है। उसे पवित्र माना जाता है। कानून भी उसकी रक्षा करता है लेकिन अब इनकी (कांग्रेस) नजर कानून बदलकर हमारी माताओं–बहनों की संपत्ति छीनने पर है। उनके मंगलसूत्र पर इन लोगों की नजर है। प्रधानमंत्री ने कहा, वह सर्वे करना चाहते हैं कि जो नौकरी पेशा कर्मचारी हैं उनकी कितनी संपत्ति है। यह सर्वे कराकर कांग्रेस सरकार के नाम पर आपकी संपत्ति को छीन कर बांटने की बात कर रही है। कांग्रेस यहां तक जाएगी कि अगर आपके पास दो घर हैं तो एक घर छीन लेगी। यह माओवादी सोच है, यह कम्युनिस्टों की सोच है, ऐसा ही करके कितने ही देशों को वह बर्बाद कर चुके हैं। अब यही नीति कांग्रेस पार्टी और इंडी अलायंस भारत में लागू करना चाहते हैं। हालांकि मोदी ने आज अपने इस आरोप में मुसलमानों को संपत्ति बांटने की तैयारी किये जाने की बात नहीं कही, बल्कि उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को राहत दिलाने के लिये तीन तलाक रोधी कानून बनाया और सऊदी अरब सरकार से कहकर देश के मुसलमानों के लिये हज का कोटा बढ़वाया। प्रधानमंत्री ने रविवार को राजस्थान के बांसवाड़ा में एक चुनावी रैली में कहा था कि कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में कहा गया है कि उसकी सरकार बनने पर वह देश में सम्पत्तियों का सर्वे कराकर उसे मुसलमानों में बांट देगी। उनके इस बयान से विवाद खड़ा हो गया था। विपक्ष ने मोदी की इस टिप्पणी को नफरत भरा बयान करार दिया है। मोदी ने 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा की गयी एक टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा था, पहले जब उनकी सरकार थी तब उन्होंने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब यह संपत्ति इकट्ठा करके किसको बांटेंगे जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बांटेंगे। घुसपैठियों को बांटेंगे। क्या आपकी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा? वे उनको बांटेंगे जिनको मनमोहन सिंह जी की सरकार ने कहा था कि संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। यह ह्यअर्बन नक्सल' की सोच आपका मंगलसूत्र भी बचने नहीं देगी। अलीगढ़ में भी मोदी ने इसी बात को उठाया जरूर, लेकिन सम्पत्ति को मुसलमानों में बांटे जाने की साजिश का आरोप नहीं लगाया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की टिप्पणी का जिक्र भी नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, आपकी मेहनत की कमाई, आपकी संपत्ति पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है। माताओं और बहनों का मंगलसूत्र अब सलामत नहीं रहेगा। इन परिवारवादी लोगों ने देश के लोगों को लूटकर अपना साम्राज्य बना लिया है। अब उनकी नजर देश के लोगों की संपत्ति पर पड़ गई है। देश की संपत्ति को लूटना कांग्रेस अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझती है। मोदी ने विपक्ष पर राम मंदिर के निर्माण को 70 साल तक रोकने का भी आरोप लगाते हुए कहा, यह हम सबके लिए कितनी गर्व की बात है कि 500 साल के बाद भव्य राम मंदिर हम देख रहे हैं और जब राम मंदिर की बात आती है तो उनकी नींद उड़ जाती है। उनको लगता है कि यह 70 साल तक हम रोक कर बैठे थे। यह मोदी क्या आ गया कि इतने साल में ही अदालत से फैसला भी आ गया। मंदिर बन भी गया। प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। रोज लाखों लोग आने भी लगे। अब उनकी नींद उड़ गई है और इसीलिए वह इतने गुस्से में हैं कि उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठुकरा दिया। मोदी ने कहा, "पिछली बार जब मैं अलीगढ़ आया था तब मैंने आप सबसे अनुरोध किया था कि सपा और कांग्रेस के परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की फैक्टरी में ताला लगा दीजिए और आपने ऐसा मजबूत ताला लगाया कि दोनों शहजादों (सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी) को आज तक इसकी चाबी नहीं मिल रही है। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में वोट की अपील करते हुए कहा, मेरी आपसे प्रार्थना यह है कि अच्छे भविष्य के विकसित भारत की चाबी भी आप ही के पास है। देश को गरीबी से पूरी तरह मुक्त करने का समय आ गया है, अब देश को भ्रष्टाचार से पूरी तरह मुक्त करने का समय आ गया है, अब देश को परिवारवादी राजनीति से मुक्त करने का समय आ गया है।

महिला हेल्पलाइन

डीएमआरसी	- 155370
सीआईएसएफ	- 22185555
दिल्ली पुलिस	- 1091
दिल्ली सरकार	- 181
कहीं भी - कभी भी	- 1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेंबर नंबर-302ए वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10, नियर लक्ष्मी नगर
मेट्रो स्टेशन गेट नंबर-1, विकास मार्ग, नई दिल्ली- 110092
मोबाइल : 07042999974/090013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन संपादक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख्मी चंद
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102, राजानी भवन, हाई कोर्ट के सामने, एम.जी. रोड, इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरा चीफ)
मोबाइल नं. 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग (माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 0532-2560285
094152-15390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

पराक्रमी हनुमान की प्रभु श्रीराम के प्रति भक्ति

चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी पर प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ और पूर्णिमा पर उनके परम भक्त महाबली हनुमान का। हनुमान जैसा पराक्रमी इस दुनिया में कोई नहीं, जिन्होंने अपने प्रभु श्रीराम के प्रति भक्ति भाव और सेवासाधना में सभी दुष्ट राक्षसों से? शौर्यपूर्ण संघर्ष किया। बल और बुद्धि के दम पर हर परिस्थिति में अपने को योग्य साबित किया। प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट विश्वास और आस्था के साथ उनकी सेवा, सुश्रुषा करने का कार्य पूरी निष्ठा, सामर्थता और समर्पण के प्रतीक के रूप में करना हनुमान जैसे मा बलशाली के ही बस का काम है। उनका जीवन संबंधी नियमों के बारे में अच्छी शिक्षाएं देना, कर्मठ जीवन के कटिबध्द मूल्यों को बताना और भावनाओं पर नियंत्रण में रखते हुए आत्म साक्षात्कार करवाना, अविस्मरणीय है।

हनुमानजी का उनके प्रभु श्रीराम में अटूट विश्वास और श्रद्धा प्रकट करना, प्रभु की असीम शक्ति को जानते हुए एक भक्त के रूप में उन्हें अपना सहयोग और समर्थन प्रदान करना दुर्लभ उदाहरण है। हनुमान जी की भक्ति, शक्ति और अपरिमित सामर्थ्य के बल पर जीवन प्रबंधन की कई महत्वपूर्ण शिक्षाएं मिलती है।

उनका धैर्य और संयम अपने आप में अभूतपूर्व है। उन्होंने अनेकों कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी। वह बल-बुद्धि से संकटमोचक के रूप में कुशल पुंज की भांति भगवान श्रीराम के काम आते रहे। प्रभु श्रीराम को लंका तक पहुंचाया और माता सीता को रावण जैसे दुराचारी राक्षस से मुक्ति दिलवाई। हनुमान जी का नेतृत्व और कार्य कुशलता आपात समय में हमें सिखाती है कि सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए। कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

महाबली का चरित्र हमें निर्भय होकर रहने की कला बताता है। इंसान के जीवन में तीन भाव होते हैं पहला हर्ष, दूसरा शोक और तीसरा भय। डर ही सफलता की राह में सबसे बड़ी रुकावट है। डर असफलता का भी होता है, सफलता को बरकरार रखने का भी। डर हमें जिंदगी में आगे बढ़ने से रोकना है। भगवान हनुमान से सीखें डर को अपने ऊपर हावी होने से कैसे रोका जाए। निडर बनने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ बहुपयोगी बताया गया है, जिसमें हनुमान के गुणों का बखान कर स्तुति की गई है ताकि उनके चरित्र को आत्मसात किया जा सकें।

जब रावण ने माता सीता का हरण किया तो उनकी खोज में श्रीराम और लक्ष्मण जंगल जंगल भटक रहे थे। उसी समय उन्होंने सुग्रीव से भी सहायता ली और तभी से उनका साक्षात्कार हनुमान से हुआ। सुग्रीव ने हनुमान से उनकी रक्षा करने के लिए वचन लिया। हनुमान ने बिना कुछ जाने, सोचे-समझे यह कहकर हामी भर दी कि वे जिन प्रभु का रात दिन जाप करते है, उन्ही प्रभु की मदद करने के काम में वह अपना सर्वस्व न्यौछावर करने को सदैव तत्पर रहेंगे। "तुम उपकार सुग्रीव वही कीन्हां, राम मिले राज पद दीन्हा।"

जब समुद्र लांघकर हनुमान जी छोटा रूप धरकर लंका में प्रवेश कर रहे थे, तब राक्षसी लंकिनी ने उन्हें रोक लिया। समय कम होने से हनुमानजी ने लंकिनी से विवाद नहीं किया बल्कि सीधे प्रहार करके रास्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया। अपनी चतुराई का परिचय देते हुए हनुमान जी ने बल के साथ बुद्धि के संतुलन पर भी जोर दिया। आज के कॉरपोरेट कल्चर में हनुमानजी से सीखना जरूरी है कि दुश्मनों के बीच भले लोगों की पहचान कैसे की जाए। उन्होंने लंका में भी राम भक्त विभीषण का घर ढूंढ ही लिया और उनसे दोस्ती की बातें करके प्रभु श्रीराम के गुणों से अवगत करवाया। विभीषण के मन में जब राम से मिलने की आतुरता हुई तब हनुमानजी ने उनकी सुरक्षा का विश्वास दिलाते हुए भगवान श्रीराम की शरण में जाने का संकेत दिया। जब भी आप स्वयं को दुश्मनों के बीच पाते है, तो अच्छे लोगों की पहचान कर उनसे संबंध बनाकर मदद लेना और सहायता देने का व्यवहार करने से जीवन में जीत हासिल होती है।

हनुमानजी करोड़ों श्रद्धालुओं के आराध्य, उन्हें हिंदू धर्म में भगवान राम के परम भक्त के रूप में मानकर जीवन प्रबंधन से संबंधित कई महत्वपूर्ण सीख देने वाला प्रणेता भी मानते हैं। हनुमानजी का जीवन एक आदर्श है जो हमें साहस, संघर्ष, विश्वास और सेवा का महत्व समझाता है। हनुमान जी ने अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए अद्वितीय आत्मविश्वास और संकल्प के साथ मुश्किलों पर विजय प्राप्त करना सिखाया। शत्रुओं को पराजित करने के लिए अपने अपरिमित साहस और जोशे-जस्बा का परिचय भी दिया। हनुमानजी का उत्साह उनके कार्यों में प्रकट होता है। उन्होंने पवनपुत्र के रूप में सीमाओं को लांघकर अद्भुत साहस और अदम्य उत्साह का लक्षण प्रदर्शित किया है उससे उनकी अद्वितीय क्षमताओं को नमन करने का मन करता है। जय महावीर हनुमान।

डॉ. मनीष दवे, महालक्ष्मी नगर
www.womenexpress.in

माता-पिता बच्चों को दें अच्छी परवरिश

बीते कुछ वर्षों में बच्चों के द्वारा घटित कुछ ऐसी हृदय विधायक घटनाएं देखने को मिली है जिन्हें देखकर लगता है कि क्या बचपन का भी अपराध की दुनिया में प्रवेश हो गया है? दिल दहला देने वाली यह घटनाएं बार-बार दुनिया के लोगों से प्रश्न करती हैं कि इन घटनाओं के पीछे क्या वास्तव में बच्चे जिम्मेदार हैं उदाहरण के लिए 20 जनवरी 2018 के दिन हरियाणा के यमुनानगर स्थित एक स्कूल में कम उपस्थिति के कारण मिली सजा से नाराज होकर 12वीं की कक्षा के छात्र ने अध्यापक अभिभावक एसोसिएशन की बैठक के दौरान प्रिंसिपल को गोलियों से छलनी कर दिया। 26नवम्बर 2023 को इन्दौर के एक स्कूल में एक बच्चों के आपसी झगड़े में एक बच्चे पर 106बार राउंडर से हमला कर घायल किया। इस तरह की और न जाने कितनी घटनाएं हमारे देश में घट रही हैं सवाल यह उठता है कि छोटी सी उम्र में इतनी भयानक हिंसात्मक कार्रवाई करने के पीछे उन्हें प्रेरणा कहां से मिलती है क्या उन्हें उचित नैतिक शिक्षा नहीं दी जा रही है क्या उन पर माता-पिता परिवार या अध्यापकों द्वारा उचित व्यवहार नहीं किया जा रहा है क्या हमारे शिक्षक प्रणाली जिम्मेदार है या सिनेमा, इंटरनेट,मोबाइल ,टीवी इसके लिए जिम्मेदारी हैं उसमें ऐसे दृश्य दिखाए जाते हैं जिससे वह उकसाये तथा उन्हें यह कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चों में बढ़ती हुई हिंसा के लिए चाहे जो भी कारण जिम्मेदारी हों, लेकिन सबसे बड़ा कारण माता-पिता का अपने बच्चों को ऊपर ध्यान न देना है। माता-पिता व परिवार के सदस्यों की जिम्मेदारी है कि जितना ध्यान अपने बच्चों का शिशु अवस्था में रखते थे उससे भी ज्यादा ध्यान किशोरावस्था में रखा जाए। बच्चे क्या देखते हैं ,क्या सुनना पसंद करते हैं ,क्या करते हैं, किस संगति में है ?उनके मित्र कौन हैं? उनके शारीरिक, मानसिक , बौद्धिक विकास में क्या परिवर्तन हो रहा है, यह भी जानना आवश्यक है कि उनके व्यवहार में निरन्तर क्या परिवर्तन हो रहा है। कितना झूठ बोलते हैं और क्या बात छुपाते है । बच्चे कितना दूसरों का सहयोग करते हैं यह सब जानना आवश्यक है। इसके लिए अभिभावक

बच्चों के साथ समय बिताएं उनसे बातें करें, उनके कार्यों में सहयोग करें ,उनके व्यवहार पर लगातार दृष्टि बनाए रखें। बच्चों को मारना , डांटना, अभद्र व्यवहार करना जबरन उनसे कोई कार्य करवाना आदि सभी व्यवहार बच्चों के ऊपर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। बालक वही व्यवहार करते हैं ,जो अभिभावकों को् करते देखते हैं तो उसे बहुत जल्दी अपने जीवन में सीख लेते हैं, क्योंकि बच्चों की ग्रहण शकित बहुत-अधिक होती है। जैसा देखते हैं वैसे ही उसकी नकल करके सीखते हैं उन्हें यह आभास नहीं होता कि सही है या नहीं । लेकिन लगातार आक्रामक दृश्य देखने से वे अपने ऊपर से नियंत्रण खो बैठते हैं। आजकल माता-पिता का ध्यान बच्चों को सिर्फ अच्छी शिक्षा तथा उन्हें पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराना ही रहता है वह भूल जाते हैं कि बच्चों को उनके लिए मुख्य रूप से समय की आवश्यकता है। ताकि वह उनसे अपनी बात साझा कर सके। माता-पिता द्वारा अपने बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाने का परिणाम यह होता है की माता-पिता और बच्चों के बीच लगातार फासला बढ़ता जा रहा है वात्सल्य और स्नेह के अभाव में बच्चे असंतुष्ट रहने लगे है । जिससे उनमें नकारात्मक विचार पनपने लगते है। इससे उपजी असहनशीलता बच्चों को हिसंक बनने को मजबूर कर देती है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार माता-पिता के अत्यधिक व्यस्त रहने से बच्चों की मनोभावना को समझने वाला कोई नहीं होता है ऐसे में बच्चे मोबाइल और कंप्यूटर में व्यस्त होने लगते हैं । इसके अतिरिक्त मीडिया द्वारा दिखाए जा रहे नकारात्मक दृश्य बच्चों के कोमल मस्तिष्क पर अपना प्रभाव डालते है क्योंकि आजकल बच्चों का अधिकांश समय टीवी, फिल्म, इंटरनेट, मोबाइल गेम्स ,वीडियो गेम्स आदि में व्यतीत होता है। ऐसे में अपराधी कार्यक्रम व एडल्ट कंटेंट तक उनकी पहुंच बहुत आसान हो गई है ।उसका यह परिणाम हुआ , कि बच्चे युवा होने से पहले ही जानने लगे हैं, जो उन्हें अभी नहीं जानना चाहिए था ।अपनी दिनचर्या में व्यस्त अभिभावकों के पास इतना भी समय नहीं होता है , कि बच्चों की आवश्यकता को जान सकें। वे तो बस बच्चों के परीक्षा परिणाम जानने के इच्छुक होते हैं और उसी से ही अंदाजा लगाते हैं कि उनका बच्चा कितने प्रगति कर रहा है । बच्चों पर ध्यान न देने से उन्हें अपनी मनमर्जी करने की पूरी छूट होती है। अतः विभिन्न गतिविधियों के अनुसार वे व्यवहार करने का प्रयत्न करते हैं । बच्चों द्वारा दी जाने वाली जो भी हिंसात्मक घटनाएं प्रकाश में आई हैं वह ज्यादातर स्कूलों में घटित होते हुए देखी गई है। शिक्षा के मंदिर में इस तरह की घटनाओं के बढ़ने के पीछे हमारी शिक्षा प्रणाली भी जिम्मेदार है। प्रतिस्पर्धा के इस युग में बच्चों के ऊपर सफलता हासिल करने का दबाव लगातार बनाया जाता है। ऐसे में असफल होने पर भी अपना धैर्य,व संयम खो देते हैं। सफलता में थोड़ा सा भी असफल होने व प्रतियोगिता की दौड़ में पीछे रह जाने वाले बच्चों को ऐसे लोगों की आवश्यकता होती है जो उनकी काउंसलिंग कर सके उन्हें समझा सकें। उन्हें सही ढंग से मेहनत करने, प्रयास करने व आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सके। एक तरह देखा जाए तो प्रतियोगिता की अंधी दौड ने बच्चों का बचपन ही छीन लिया है। ऐसी स्थिति में बच्चे जो परिश्रम करते हैं उनका लक्ष्य केवल सबसे प्रथम आना होता है, ना कि ज्ञान अनुभव अर्जित करना । उसका यह परिणाम होता है कि प्रतियोगिता के कारण बच्चे प्रतिभाशील, व सृजनशील नहीं बन पाते। बल्कि अपनी पठन सामग्री को मात्र रटने वाले होकर रह जाते हैं ।ऐसे बच्चों में विषय सामग्री को समझने की अधिक क्षमता नहीं होती है।प्राय बच्चों के कोमल मन पर अनेक प्रकार के डर उत्पन्न हो होते हैं जो उन्हें गलत कार्य करने, झूठ बोलने, हिसंक कार्रवाई करने तथा आत्मघाती कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं ।

– डॉ पूर्णिमा अग्रवाल
www.womenexpress.in

जन गण मन के अधिष्ठाता वीर हनुमान

राष्ट्रीय एकता के प्रतीक रामभक्त हनुमान जी को सभी धर्मों और वर्गों के लोग समान रूप से पूजते है। हनुमान जन्मोत्सव इस वर्ष 23 अप्रैल, मंगलवार को देशभर में श्रद्धा के साथ मनाया जायेगा। भारत मंदिरों का देश है। यहाँ हर गली और नुक्कड़ में आस्था के प्रतीक मंदिर देखने को मिल जायेंगे। गांव हो या शहर इनमें हनुमानजी या बालाजी के मंदिर बहुतायत से मिलेंगे। मान्यता है की बालाजी बच्चे से बुजुर्ग तक हर व्यक्ति के कष्टों को दूर करते है। बजरंग बली के भक्तों के लिए हनुमान जन्मोत्सव या हनुमान जयंती का दिन बेहद खास होता है। संकट मोचन, अंजनी सुत, पवन पुत्र हनुमान का जन्मोत्सव चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। पवनपुत्र के नाम से प्रसिद्ध हनुमान जी की माता अंजनी और पिता वानरराज केसरी थे। हनुमान जी को बजरंगबली, केसरीनंदन और आंजनाय के नाम से भी पुकारा जाता है। जिन्होंने त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम की भक्ति और सेवा के लिए जन्म लिया। संकटों का नाश करने वाले हनुमान जी को संकटमोचन भी कहते हैं। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार हनुमानजी को भगवान शिव का ग्यारहवां रूद्र अवतार माना जाता है। मान्यता है अयोध्या के राजा दशरथ ने जब पुत्रेष्टि हवन कराया था तब उन्होंने अपनी तीनों रानियों को प्रसाद स्वरूप खीर खिलाई थी। इसी दौरान खीर का थोड़ा सा अंश एक कौआ लेकर उड़ गया और वो कौआ वहां जा पहुंचा जहां माता अंजना शिव तपस्या में लीन थीं। तपस्या में लीन मां

अंजना ने उस खीर को शिव जी के प्रसाद के रूप में ग्रहण कर लिया। इस खीर के प्रसाद को ग्रहण करने के बाद हनुमान जी का जन्म हुआ। हनुमान भगवान राम के परम भक्त थे। इस दिन भगवान राम सीता और लक्ष्मण के साथ हनुमान जी की पूजा विशेष फलदायी है। कहा जाता है कि इस दिन हनुमान जी मनवांछित फल देते हैं। केसरी नंदन मारुती का नाम हनुमान कैसे पड़ा? इससे जुड़ा एक किस्सा है। यह घटना हनुमानजी की बाल्यावस्था में घटी। एक दिन मारुती अपनी निद्रा से जागे और उन्हें तीव्र भूख लगी। उन्होंने पास के एक वृक्ष पर लाल पका फल देखा जिसे खाने के लिए वे निकल पड़े। दरअसल मारुती जिसे लाल पका फल समझ रहे थे वे सूर्यदेव थे। वह अमावस्या का दिन था और राहू सूर्य को ग्रहण लगाने वाले थे। लेकिन वे सूर्य को ग्रहण लगा पाते उससे पहले ही हनुमान जी ने सूर्य को निगल लिया। राहु कुछ समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है? उन्होनें इंद्र से सहायता मांगी। इंद्रदेव के बार-बार आग्रह करने पर जब हनुमान जी ने सूर्यदेव को मुक्त नहीं किया तो इंद्र ने बज्र से उनके मुख पर प्रहार किया जिससे सूर्यदेव मुक्त हुए। वहीं इस प्रहर से मारुती मूर्छित होकर आकाश से धरती की ओर गिरते हैं। पवनदेव इस घटना से क्रोधित होकर मारुती को अपने साथ ले एक गुफा में अंतर्ध्यान हो जाते हैं। जिसके परिणामस्वरूप पृथ्वी पर जीवों में त्राहि- त्राहि मच उठती है। इस विनाश को रोकने के लिए सारे देवगण पवनदेव से आग्रह करते हैं कि वे अपने क्रोध को त्याग पृथ्वी पर प्राणवायु का प्रवाह करें। सभी देव मारुती को वरदान स्वरूप कई दिव्य शक्तियाँ प्रदान करते हैं और उन्हें हनुमान नाम से पूजनीय होने का वरदान देते हैं। उस दिन से मारुती का नाम हनुमान पड़ा । इस घटना की व्याख्या तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा में की गई है। मगर हनुमानजी को श्रीराम के परम भक्त के रूप में अधिक जाना जाता ,है उन्होंने राम रावण युद्ध में राम का साथ देकर रावण को हराया था। लंका जलाने का श्रेय हनुमानजी को जाता है। इस बार हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष संयोग है। हनुमान जी की पूजा करना आपके लिए कल्याणकारी होगा। इन योगों के कारण इस बार हनुमान जन्मोत्सव का महत्व और भी बढ़ गया है। भगवान हनुमान का जन्म सूर्योदय के समय हुआ था, इसलिए इनका जन्मोत्सव सूर्योदय पूर्व से प्रारम्भ हो कर दिवस पर्यंत सूर्यास्त पश्चात तक चलता है। इस दिन सबुह स्नान करके भगवान के सामने चौमुखी दिया जलाएं। कहा जाता है कि इससे हनुमान जी अति प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा सुंदरकांड का पाठ और हनुमान चालीसा का जाप विशेष फलदायी है। हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्त्रोत का पाठ करने से मन को शांति मिलती है। हनुमान जयंती पर हनुमान जी को सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

–बाल मुकुन्द ओझा
www.womenexpress.in

रूद्रावतार हनुमान: जिनके बिना रामकाज भी अधूरा

रूद्र के ग्यारहवें अवतार पवन पुत्र हनुमान का जन्म पंचागानुसार चैत्र पूर्णिमा के दिन मंगलवार चित्र नक्षत्र व मेष लग्न के योग में हुआ था। ज्योतिषाचार्यों के गणना अनुसार हनुमान जी का जन्म अंठ्ठावन हजार एक सौ तेरह वर्ष पूर्व त्रेता युग में हुआ था। हनुमान जी ने वानर राज केसरी के यहां एवं माता अंजनी के गर्भ से जन्म लिया था। मित्रों अधिकांशतः लोगों को यह जानकारी नहीं होगी कि हनुमान जी के अलावा उनके पांच सगे भाई और भी थे। अर्थात माता अंजनी और वानरराज केसरी के छह पुत्र थे। सभी छह पुत्रों में हनुमान जी सबसे बड़े हैं। इन सभी भाईयों के नाम इस प्रकार हैं—मतिमान, श्रुतिमान, केतुमान, गतिमान और धृतिमान। वैसे महाभारत काल में हस्तिनापुर नरेश महाराज पाण्डु पुत्र भीम को भी हनुमान जी का ही भ्राता माना जाता है। इस पृथ्वी पर हिंदू मतानुसार केवल आठ व्यक्तियों को ही अमर माना गया है। इनमें से एक हनुमान जी भी है। इनके अलावा अस्वस्थामा, परशुराम , महाराजविभीषण, राजा महाबलि, वेद व्यास ऋषि, कृपाचार्य , एवं मार्कंडेय ऋषि -,ये सभी इस धरा में कहीं ना कहीं विराजमान हैं। ऐसा माना जाता है कि जहां-जहां भी राम का नाम लिया जाता है रामायण, भागवत कथा कीर्तन कहे जाते हैं, वहां वहां हनुमानजी अन्यान्य रूपों में साक्षात विराजमान रहते हैं। हनुमान जी का आज भी गंधमादन पर्वत में निवास माना जाता है। इसी संदर्भ में एक बात कहनी थी पाठकों, प्रायः लोग हनुमान जन्मोत्सव को हनुमान जयंती भी कहते हैं जो कि अनुचित एवं गलत है। जयंती उनके लिए कहा जा सकता है जो इस लोक से इहलीला समाप्त कर परलोक में विराजते हैं । हनुमान जी के जन्मदिवस को जयंती कह दिया जाता है। चूंकि हनुमान जी तो अमर हैं, वे यही इस पृथ्वी पर विराजमान हैं, इसलिए उनके जन्मदिवस को जन्मोत्सव ही कहा जाएगा और यही उचित है। "रामचरितमानस" के रचयिता तुलसीदास जी के काल की घटना का वर्णन है कि, एक बार प्रसिद्ध तीर्थ स्थल चित्रकूट से उत्तर दिशा की ओर लगभग पैंतीस किलोमीटर की दूरी पर नांदी गांव के पास गोस्वामी तुलसीदास जी अपनी जन्मभूमि से रोजाना हनुमान जी की पूजा करने जाते थे। जबकि वह स्थान उनके निवास से करीब आठ किलोमीटर की दूरी पर पड़ता है। किंतु फिर भी तुलसीदास जी रोजाना वहां

पैदल आकर अपनी आराधना संपूर्ण करते थे। एक रात्रि को हनुमान जी ने तुलसीदास को स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि अपने निवास के पास मेरी स्थापना करके मेरी आराधना करो मैं तो मैं वहीं पर दर्शन दूंगा। वहां जाने की आवश्यकता नहीं है। तब तुलसीदास जी ने ठीक वैसा ही किया। उन्होंने स्वप्न के अनुसार गांव के बाहर एक स्थान को पवित्र करके मालवा गिरि चंदन को घिस करके उससे हनुमान जी की मूर्ति उत्कीर्ण की और उनकी आराधना करने लगे। तब हनुमान जी ने वहीं पर उन्हें दर्शन देकर तुलसीदास जी के मनोरथ को सफल किया था। इस स्थान में एक और अद्भुत चमत्कार सुना जाता है। यहीं पर हनुमान जी की मूर्ति दक्षिणा मुख विराजमान है, वैसा कम ही देखने को मिलता है और इस मूर्ति का एक चरण पृथ्वी के अंदर तक प्रविष्ट है। एक बार मुगल बादशाह औरंगजेब ने हनुमान जी के चरण की थाह लेने की इच्छा से वहां खुदाई करवाई। किंतु काफी गहरा खोदने के बाद भी जब चरण का अंत नहीं मिला तो आखिरकार वह थक हार कर खुदाई बंद करवा के वापस चला गया। तभी से इस स्थान की मान्यता और महत्वता और अधिक बढ़ गई। श्री राम जो साक्षात ईश्वरावतार हैं। उनका रावण के विरुद्ध महायुद्ध और लंका विजय में ऐसा माना जाता है की हनुमान के बिना असंभव और नामुमकिन होता। निश्चित ही भगवान श्री राम की लंका विजय में बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन हनुमान ने किया। वे इस युद्ध में श्री राम के साथ ना होते तो रावण के विरुद्ध युद्ध जीतना अत्यंत कठिन हो जाता। राम और रावण के बीच जब महायुद्ध चल रहा था तब हनुमान रावण की नगरी लंका गए थे, वहां के भेद जानने। भगवान राम ने उन्हें वहां अपना गुप्तचर और दूत बना कर भेजा था। तब हनुमान ने जब वहां के सारे भेद जान लिए। इसके पश्चात वह वहां से वापस लौटने का उपक्रम कर रहे थे तभी रावण के सैनिकों ने उन्हें पकड़ लिया ,और उन्हें रावण के सामने राज दरबार में प्रस्तुत किया। रावण ने हनुमान को सजा के तौर पर उनके पूंछ पर आग लगा देने का आदेश दे दिया। तब हनुमान ने अपनी जलती पूंछ से पूरी लंका को ही जला डाला था। लंका दहन के पश्चात अग्नि की ज्वाला से ज्वलित हनुमान जी ने श्रीराम से अग्नि की ज्वाला को शांत करने के लिए उनसे स्मरण करते हुए निवेदन किया---हे राघव मेरे पूरे शरीर में जलन व्याप्त है । हे राघव मेरी इस जलन और पीड़ा को शांत करिए। तब श्री राम ने उनकी पूछ के आग बुझाने और जलन की पीड़ा को शांत करने के लिए उपाय बताया और उन्हें पीड़ा से मुक्ति दिलाई। अब जबकि हनुमान जी की पूंछ की बात चल निकली है तो यह जान लें कि हनुमान जी के पूंछ पर माता पार्वती का वास माना जाता हैं। वह इसलिए कि, जो लंका में सोने का महल था जिसमें रावण निवास करता था, वह दरअसल माता पार्वती के द्वारा शिव शंकर सहित अपने निवास के लिए कुबेर से कहकर बनवाया गया था। इस भव्य महल को जब रावण ने देखा तो उसकी नियत डोल गई। रावण ने सोचा ऐसा भव्य महल तो तीनों लोकों में कहीं भी नहीं है। और उसने छल से भगवान शंकर के पास दरिद्र ब्राह्मण का रूप लेकर दान में इस महल को मांग लिया। इस बात की जब माता पार्वती को जानकारी हुई तो वह रावण पर बहुत कुपित हुई । उन्हें शांत करने के लिए भगवान शंकर ने उन्हें कहा कि-- हे पार्वती त्रेता युग में जब रावण के अत्याचारों से त्राहि-त्राहि कर रही मानव जाति की रक्षा के लिए श्री हरि विष्णु के अवतार श्री राम के कार्य को सफल करने अर्थात श्रीलंका विजय और रावण के नाश के लिए मैं उनके सहयोगी रूप में वानर अवतार लूंगा। तब तुम उस समय मेरी पूंछ में रहना और रावण को सजा के रूप में उसके इस महल को भस्म कर देना। साथियों प्रायः (हनुमानजी) बजरंगबली की आपने जहां-जहां भी मूर्ति देखी होगी हर जगह सिंदूरी और भगवा रंग में ही देखी होगी। लेकिन सारे विश्व में उनकी लंका दहन के समय की आग से अत्यंत काली पड़ गई मूर्ति जो पूर्ण रूप से काली है, वह दो ही जगह आज देखी जाती है। पहला धनुष्कोटी यानी रामेश्वरम के क्षेत्र में हनुमान जी की काली मूर्ति विराजमान है। दूसरी छत्तीसगढ़ प्रदेश के शिवरीनारायण धाम में हनुमान की काली मूर्ति का दर्शन किया जा सकता है। साथ ही शिवरीनारायण धाम में अगर आप जाते हैं तो वहां भगवान राम और अनुचरों द्वारा निर्मित रामसेतु के रामनामी एक पत्थर का भी दर्शन कर सकते हैं। यह पत्थर पानी के ऊपर तैरता हुआ आज भी शिवरीनारायण में देखा जा सकता है।

–सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"
www.womenexpress.in

पत्रकारिता– एक रोमांचक कैरियर

पत्रकारिता एक रोमांचक व्यवसाय है जो व्यक्ति को विभिन्न प्रकार के लोगों, समुदायों से मिलने की अनुमति देता है और नए और रोमांचक स्थानों की यात्रा करने का मौका भी देता है। पत्रकारिता को पत्रकारों या अन्य पेशेवरों की गतिविधि या उत्पाद के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो समाचार पत्र, पत्रिका, समाचार चैनल या ऑनलाइन समाचार इत्यादि जैसे सार्वजनिक मीडिया के माध्यम से आम जनता द्वारा देखे जाने के लिए लिखित, दृश्य या श्रव्य सामग्री की तैयारी में लगे हुए हैं। सार्वजनिक सरोकार की तथ्यात्मक, चल रही घटनाओं के संदर्भ में। ये घटनाएँ राजनीतिक सरोकार की कुछ घटनाएँ या कुछ खेल टूर्नामेंट आदि हो सकती हैं। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज को अपने बारे में सूचित करना और उन चीजों को सार्वजनिक करना है जो अन्यथा निजी होंगी या ऐसी चीजें जो लोगों की जानकारी में नहीं आएंगी। पत्रकारिता या मीडिया उन घटनाओं को समझाने में मदद करता है जो आम आदमी के जीवन को प्रभावित करती हैं और कई रूपों और शैलियों में विकसित होती हैं। प्रत्येक पत्रकारिता रूप और शैली जांच और प्रकाशन की विभिन्न तकनीकों का उपयोग करती है और प्रासंगिकता और उपयोग की जाने वाली भाषा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न उद्देश्यों और दर्शकों के लिए लिखती है। एक पत्रकार को अपने काम के साथ न्याय करने के लिए उसमें जानकारी खोजने, जानकारी एकत्र करने, संयोजन करने, विश्लेषण करने और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने जैसे कुछ बुनियादी गुण होने चाहिए। इसे प्रभावी ढंग से करने के लिए, पत्रकारों को भाषा में अत्यधिक विकसित कौशल, मीडिया और स्थानीय भाषाओं की अच्छी समझ, समसामयिक मामलों में रुचि और व्यापक सामान्य ज्ञान की आवश्यकता होती है। एक पत्रकार केवल तभी अच्छा प्रदर्शन कर सकता है जब वह स्पष्ट, संक्षिप्त, सटीक और शीघ्रता से संवाद करने में सक्षम हो और उसके पास जिज्ञासु स्वभाव और अच्छी तरह से विकसित लोगों का कौशल हो। बहुत सारे मीडिया घराने हर दिन बाजार में प्रवेश कर रहे हैं और इसलिए प्रतिस्पर्धा दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। भीड़ से अलग दिखने के लिए, सफल पत्रकारों को व्यक्तिगत उद्यम, नवाचार, कल्पना और रचनात्मकता के साथ अपनी सर्वांगीण क्षमता कौशल को बढ़ाने की जरूरत है। केवल वे ही लोग इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं जिनके पास काम के प्रति कौशल और जुनून है और गणनात्मक मात्रा में जोखिम लेने के इच्छुक हैं। आधुनिक समाज और पत्रकारिता एक पत्रकार एक पेशेवर होता है जो समाचार और अन्य सूचनाओं को एकत्र करता है, लिखता है और वितरित करता है, जिन्हें संसाधित किया जाता है और अंततः एक या दूसरे माध्यम से प्रसारित किया जाता है। जानकारी एकत्र करने और कुछ प्रासंगिक विचारों और तथ्यों को जोड़ने की दिशा में एक पत्रकार के कार्य को पत्रकारिता कहा जाता है। पत्रकारिता मीडिया उत्पादों के उपभोक्ताओं पर केंद्रित है, जिनमें गैर-विशिष्ट सामान्य दर्शक वर्ग या संकीर्ण बाजार खंड शामिल हो सकते हैं। आधुनिक समाज में, समाचार मीडिया खेल, राजनीति, मनोरंजन और दुनिया के क्षेत्रों से सार्वजनिक मामलों और महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जानकारी और राय का मुख्य वाहक बन गया है, लेकिन जनसंचार माध्यमों के अन्य रूपों के साथ-साथ पत्रकारिता की भूमिका और स्थिति भी महत्वपूर्ण है। इंटरनेट के परिणामस्वरूप कुछ तीव्र परिवर्तन हो रहे हैं। इंटरनेट इन दिनों मीडिया और सूचना क्षेत्र को कड़ी टक्कर देने में अहम भूमिका निभा रहा है। प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बीच पहले से ही कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही थी, लेकिन इन दिनों इंटरनेट के इतना लोकप्रिय हो जाने से प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ गई है। तेजी से तकनीकी विकास के परिणामस्वरूप, इन दिनों प्रौद्योगिकी वास्तव में सस्ती हो गई है और इसके परिणामस्वरूप प्रिंट मीडिया के बजाय आई-पैड, ई-जर्नल, ई-रीडर, स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पढ़ने की ओर रुझान बढ़ा है। समाचार संगठनों का सामना कियाडिजिटल समाचारों के मुद्रीकरण की चल रही समस्या। इन दिनों मीडिया के लिए बहुत सारे इंटरनेट-आधारित एप्लिकेशन उपलब्ध हैं जो रिपोर्टिंग और प्रकाशन को एक नया आयाम दे रहे हैं। कुछ प्रमुख घटनाओं के कुछ ही सेकंड में हमें घटना की पूरी जानकारी मिल सकती है। इसने पत्रकारिता की प्रक्रिया को और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है। एक पत्रकार की भूमिका सूचना के इस आधुनिक और परिष्कृत युग में, प्रत्येक व्यक्ति यह जानना चाहता है कि दुनिया में उसके आसपास क्या हो रहा है। मानव जीवन की हर विधा से जुड़ी जानकारी हर कोई चाहता है। यह मीडिया ही है जो उस सारी जानकारी का स्रोत है। इन दिनों मीडिया के आयाम दिन-ब-दिन फैलते जा रहे हैं, चाहे वह प्रिंट मीडिया हो जैसे समाचार पत्र और पत्रिकाएँ; इंटरनेट जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या टीवी, रेडियो जैसे ऑडियो/विजुअल मीडिया, हर कोई हमारे आसपास की महत्वपूर्ण घटनाओं से हमें अपडेट रखने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहा है। और यह 'पत्रकार' ही हैं जो वास्तव में उस सारी जानकारी के लिए जिम्मेदार हैं। पत्रकार अपने पास मौजूद प्रत्यक्ष जानकारी से भीड़ को प्रभावित करने की शक्ति रखते हैं। हालाँकि, कुछ लोग अपने कार्यालय में बैठकर इंटरनेट के लिए कुछ यादृच्छिक सामग्री एकत्र कर सकते हैं और अपने कॉलम में प्रकाशित कर सकते हैं, जो कुछ ऐसा है जो एक वास्तविक पत्रकार कभी नहीं करेगा।

विजय गर्ग

www.womenexpress.in

मतदाता लोकलुभावन घोषणा पत्र के झांसे में न आए

कांग्रेस और दूसरे मोदी सरकार के विरोधी राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्र पेश किए, उन्हें जनहित और देशहित कम मोदी सरकार की नीतियों का विरोधी ज्यादा बताया जा रहा है। यह बिल्कुल माना जा सकता है कि मोदी के विरोधी राजनीतिक दलों ने अपने अपने घोषणा पत्र में मोदी सरकार की नीतियों का खुलकर विरोध किया है और अगर यह सत्ता में आते हैं तो मोदी सरकार की लगभग सभी योजनाओं और नीतियों में बदलाव करेंगे, लेकिन यह कोई नयी बात नहीं है कि ऐसा न होता हो, जब भी सत्ता पक्ष की विरोधी राजनीतिक दल की सरकार बनती है तो वो बिना सोचे समझे पिछली सरकार की योजनाओं और नीतियों को बंद करती है या फिर उनमें थोड़ा बहुत बदलाव कर उन पर अपना लेवल चिपकाने की कोशिश करती है। लेकिन यहाँ यह कहना उचित होगा कि बेसक कांग्रेस और भाजपा के विरोधी राजनीतिक दलों ने मोदी को हराने के इरादे से मोदी सरकार की नीतियों का विरोध अपने अपने घोषणा पत्र में जताया हो, लेकिन इससे भाजपा का वोट बैंक कम होगा यह नहीं कहा जा सकता, क्योंकि मतदाता समझदार है और ये अच्छी तरह जानता है कि घोषणा पत्र मात्र मतदाताओं को रिझाने के लिए ही होते हैं, इससे ज्यादा कुछ नहीं। चुनाव आयोग ने धारा-3 के तीसरे प्रावधान और आठ-एम में बदलाव करते हुए यह सराहनीय पहल की अब सभी राजनीतिक दलों को अपने घोषणा पत्र में लोकलुभावनी घोषणाओं के साथ यह भी बताना होगा कि इन योजनाओं को सफल बनाने के लिए राजस्व कहाँ से आएगा। चुनाव आयोग के इस फैसले से आमजन का विश्वास इस आयोग पर ओर पक्का होगा। लेकिन आयोग के इस फैसले के बाद राजनीतिक दल यह बता भी देते हैं कि लोकलुभावनी योजनाओं को सफल बनाने के लिए राजस्व कहाँ से आएगा तो क्या आयोग इससे संतुष्ट हो जाएगा? आयोग को चाहिए कि अगर राजनीतिक दलों से यह भी पुछे कि अगर राजस्व का ज्यादा हिस्सा लोकलुभावनी योजनाओं को पूरा करने के लिए ही लगा दिया जाएगा तो देश के विकास के अन्य काम कैसे होंगे? चुनाव के समय लगभग सभी राजनीतिक दल बिना सोचे समझे ही ऐसे वादे कर देते हैं कि चुनाव जीत जाने के बाद जैसे इनके हाथ अलाउद्दीन का चिराग हाथ लग जाना है जिससे पलक झपकते ही सभी वादे पूरे कर देने हैं। बिना सोचे समझे राजनीतिक दल वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब वादे पूरे करने में देरी होती है तो यह खुद ही अपने विरोधियों को अपने ऊपर उंगली उठाने का मौका दे देते हैं। चुनाव के दिन लोगों को उसी तरह समझदारी बरतनी होगी, जितनी वो अपने लिए किसी कीमती सामान को खरीदने के लिए बरतते है, विज्ञापन की चकाचौंध में आकर जो सोच समझकर सामान नही चुनता उसको बाद में पछताना भी पड़ जाता है। देश के लगभग राजनेताओं ने अपने वोट बैंक की खातिर मुफ्तखोरी की संस्कृति चलाकर देश को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया है। लेकिन इसके लिए राजनेता ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि वो लालची लोग भी जिम्मेदार हैं जो राजनेताओं के लोकलुभावने मुंगेरीलाल के हसीन सपनों पर विश्वास कर अपने कीमती मत का भी दुरुपयोग कर देते हैं।

–राजेश कुमार चौहान जालंधर।'

www.womenexpress.in

हनुमान जी पर दोहे

कपि को भज ले ध्यान में, देंगे दरश दिखाय।
तू अटका संसार में, माया के भरमाय।।
तू भजता हनुमान को, वो भजते श्री राम।
दोनों सुख के धाम हैं , वंदन कर निष्काम।।
गिरते को संभालता, राम दूत हनुमान।
लज्जा रखता दीन की, हरे मोह अभिमान।।
जो है तुझ को मांगना, कपि से ले तू मांग।
वे रघुवर के दूत हैं, सागर लेत फलांग।।
ले नाम महावीर का, कर वैतरणी पार।
कपि के अर्चक के लिए, खुले साकेत द्वार।।

लक्ष्मी दीक्षित

www.womenexpress.in

हनुमान जयंती विशेष प्रार्थना

महें तो करूं थारो गुणगान, लेकर सीयाराम जी रो नाम
बाबो महारा अटक्या कारज बेगा पार लगा सी
चैत सुदी पूनम ने प्रगट्यो, अंजनी माता रो ओ लाल,
केसरी नंदन, पवन पुत्र, बजरंगबली थोरा प्यारा नाम,
भोले शंकर रो हो अवतार, थे तो महाबली हनुमान
जय हो कपि श्रेष्ठ मारुति राभ भक्त बलवान,
महें तो करूं थारो गुणगान
थे करो श्री राम सीया री भक्ति, थामें है बड़ी विलक्षण शक्ति,
हाथ में थौरे व्रज और गदा साजे,
लाल ध्वजा आ सोहणी विराजे,
नव ग्रह भी थर-थर कांपे,भूत प्रेत थौरे नाम सुं दूर भागे,
जागृत है कलिकाल में देव एक महान,
महें तो करूं थारो गुणगान
अशोक वाटिका में सीता माता हर्षाई,
जब थे तो राम नाम री धुन गाई,
लक्ष्मण जी रा प्राण संकट सुं बचाया , थे संजीवनी पर्वत उठा ले आया,
पृथ्वी पर राक्षसों को पटक-पटक धना धन थे मारया,
फेर लंका में भीषण युद्ध हुयो बड़ों घमासान,
महें तो करूं थारो गुणगान
मैं तेल सिंदूर घणों चढ़ाऊं, बूंदी, बेसन रा लाड्डू भोग लगाऊं,
झांझ, मंजीरा झूम-झूम बजाऊं,
तुलसी दल, बीड़ों सागे चढ़ाऊं,
जगत में बड़ो है नाम, जय हो हं हं हं हनुमान,
थोरा गुरु है परम तेजस्वी सूर्य देव भगवान,
महें तो करूं थारो गुणगानड्ड
म्हारा दुखड़ा बाबा सुनाऊं, थारी मनोरथ मैं प्रेम सुं गाऊं,
शरण थौरी मैं आयो, चरणों में श्रद्धा सुं शीश नवायो,
क्षमा करो म्हारा अपराध, जय हो कृपा निधान,
दीजो सुख - संपत्ति, बल, बुद्धि और आत्म ज्ञान,
महें तो करूं थारो गुणगान

- मोनिका डागा "आनंद" ,

www.womenexpress.in

राम खेलैं

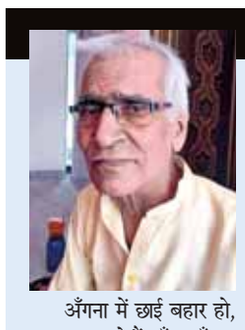

अँगना में छाई बहार हो,
राम खेलैं अँगनवाँ ।
सुन्दर तन शिशु बसन बिभूषन,
चारु तिलक अति चंचल चितवन,
अँखियन कजरिया कि धार हो ।
राम खेलैं अँगनवाँ ।
अँगना में छाई बहार हो
कुंचित कच जनु मधुप बिराजत
कोटिस कामदेव छवि राजत,
पायल की मधुरी झंकार हो ।
राम खेलैं अँगनवाँ ।
अँगना में छाई बहार हो
कानों में मकराकृत कुंडल,
कटि करधनि लागै अति सुन्दर,
गले बैजन्ती माल हो ।
राम खेलैं अँगनवाँ ।
अँगना में छाई बहार हो.....
मधु मुस्कान तोतली बोली,
बाल विनोद करत अठखेली,
मैया सब होवैं निहाल हो ।
राम खेलैं अँगनवाँ ।
अँगना में छाई बहार हो

–ब्रह्मेश्वर नाथ मिश्र
आरा, भोजपुर, बिहार

www.womenexpress.in

धूम्रपान हर उम्र के लिए मौत !

धूम्रपान या मौत की आहट जो लोग बीड़ी सिगरेट पीते हैं यदि उनसे इस बारे में पूछा जाए कि क्यों पीते हैं ? इसके क्या फायदे हैं ? तो मेरा दावा है कि वे इसका संतोषजनक उत्तर दे ही नहीं पाएंगे,क्योंकि उनके पास क्या , किसी के पास भी इसका सही जवाब नहीं है,वैसे तो इस सृष्टि पर मृत्यु का कारण निश्चित नहीं है,फिर भी इसके अधिकांश कारणों में निश्चित एक धूम्रपान अवश्य है जो इंसान को धीरे - धीरे मौत के पास ले जा रहा है । हम जानबूझकर इस तम्बाकु के धीमे जहर को आत्मसात कर रहे हैं । सिगरेट पीने वाले तो इसके शिकार हैं ही , जो लोग इन पीने वालों के इर्द - गिर्द होते हैं , वो भी असमय मौत के नजदीक आते जा रहे हैं । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि सिगरेट न पीने वाले लोग जो इसके शौकीनों के नजदीक होते हैं इसका शिकार होते हैं । ऐसे मामलों में मृत्यु संख्या दुनिया भर में हर साल 6 लाख का आंकड़ा पार कर जाती है । सबसे बड़ा नुकसान तो धूम्रपान से मासूम बच्चों को होता है और इससे मरने वाले मासूमों की संख्या का आंकड़ा दुनिया भर में 1 लाख 65 हजार को छूता रहा है ।

इस धुंए का प्रभाव बच्चों की सेहत को बुरी तरह प्रभावित करता है । हमें ये शऊर पैदा करना चाहिए कि घरों में तम्बाकू सेवन या धूम्रपान का असर बच्चों पर न पड़ने दें , वैसे ये सभी को जान लेना चाहिए कि धूम्रपान हर उम्र के लिए मौत बनकर नुकसान पहुंचा रहा है फिर भी हम नहीं जाग पा रहे हैं । हमें इससे परहेज बरतना चाहिए । कई देशों में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान को प्रतिबंधित किया गया है । धूम्रपान करने वालों के इर्द - गिर्द रहने वाले बच्चे जिनकी संख्या 40 प्रतिशत , 33 प्रतिशत पुरुष एवं 35 प्रतिशत महिलाएं हैं , जो धूम्रपान न करते हुए भी कहीं न कहीं इससे प्रभावित है । आशय यह कि धूम्रपान का धुंआ इन्हें बेवजह ही दिल की बीमारी का शिकार बना रहा है और इसकी संख्या का आंकड़ा दिनों दिन बढ़ता जा रहा है । तम्बाकू का यह धुंआ संपूर्ण वातावरण में जहर घोल रहा है , हमें इससे बचना ही होगा । सोचें विचार करें,सजग रहें, सावधान रहें, जीवन अमुल्य है।

डॉ . मुश्ताक अहमद शाह

www.womenexpress.in

उनका कहना है

बातें उनकी, वो कविता कहना है,
हर शब्द में छुपा, एक अनमोल मन्त्र है।
सुनो उनकी कहानी, जो दिलों को छू जाए,
जीवन की राहों में, उनका साथ बना रहे।
उनकी कविता में है एक अनजानी सी बात,
संदेश है गहरा, भावनाओं का है साथ।
हर शब्द में छुपा है उनका कहना,
जैसे हर सूरत में छुपा है समंदर का लहराना।
उनकी कविता में छुपा है एक संदेश,
जो बयां करती है उनकी भावनाओं का सफर।
हर शब्द में छुपी है उनकी राहत की तलाश,
जो बताती है कि जीवन में है खोज का सफर।
हाँ, उनका कहना है, वो सुनना है हमें,
वो अपनी भावनाओं को साझा करना है।
उनकी कविता में हैं उनकी दास्ताँ,
हमें मिलती हैं वहाँ उनकी अनगिनत बातें।

अनुराग उपाध्याय

www.womenexpress.in

धरती मां का संरक्षण

हे जननी माँ मेदनी,
शत-शत तुझे नमन।
तेरे चरणों में जन्मभूमि,
अर्पण तन मन धन।
नदियां पर्वत झरने,
वायु जल थल पठार।
पशु पक्षी पेड़ पौधे,
सब तेरे उपहार।
हे माँ तूने दिए मुझे,
अनगिनत अमूल्य रतन।
हे जननी माँ मेदनी,
शत-शत तुझे नमन।।
नदियां रोकी पर्वत काटे,
लकीर खींच जल थल बांटे।
धातु खनिज के लालच में,
मैं करता रहा खनन।
हे जननी माँ मेदनी,
शत-शत तुझे नमन।।
समझकर अपना अधिकार,
करता रहा मैं अत्याचार।
सिसक सिसक शोषण सहती,
किया नहीं कभी प्रतिकार।
काट काटकर पेड़ सभी,
फैलाया मैंने प्रदूषण।
हे जननी माँ मेदनी,
शत-शत तुझे नमन।।
हे माँ मैंने जान लिया,
मेरे पापों को मान लिया,
हर आंगन पेड़ लगाऊंगा,
अब मैंने यह ठान लिया।
कहे भारती अब करना है,
धरती माँ का संरक्षण।
हे जननी माँ मेदनी,
शत-शत तुझे नमन।।

– भूपसिंह 'भारती'

www.womenexpress.in

मिल जुलकर मतदान करे

मिल जुलकर मतदान करे
अपने मुद्दे पर बात करे
ना हिंदू ना मुसलमान करे
मिल जुलकर मतदान करे
सुझाव हो हेल्पलाइन नंबर से बात करें
अपने बूथ और वोट का पहचान करे
दादी दादा सबको साथ लें चले
अपने उम्मीदवारों का सम्मान करे
अपने वोट का सौदा ना करे
अपने क्षेत्र के मुद्दे पर बात करे
बहन बेटियों को लेकर साथ चले
मिल जुलकर मतदान करे
प्रशासन का साथ दीजिये
किसी अफवाह पर ध्यान मत दीजिये
अपने सिंबल का ख्याल रखे
मिल जुलकर मतदान करे
लोकतंत्र के इस पर्व पर
सबको लेकर साथ चले
प्रशासन का धन्यवाद करें
मिल जुलकर मतदान करे

महेश कुमार प्रजापति

www.womenexpress.in

भक्त और भगवान

किष्किंधा मे हनुमान, अवध मे जन्मे राम!
इक दास दूजा स्वामी,बनाते बिगड़े ये काम!!
छोटे बड़े सब लेते,इन दोनों का नाम!
एक है अवघट दानी,दूसरा राघव राम!!
एक पवनसुत केशरी, दूजा दशरथ लाल!
करो तुम इनका वंदना,बजाओं तुम ताल!!
छोटे बड़े सब जानते, इन दोनों का काम!
एक कैलाश पति, दूजा त्रिभुवन पति राम!!
एक थामे कर मे गदा, दूजे तीर कमान!
असुर का करते विनाश, रखते संत का मान!!

लक्ष्मी नारायण सेन

www.womenexpress.in

बाल साहित्य को बढ़ावा

बदलते परिदृश्य में सब कुछ बदलता चला गया । बच्चे तो है मगर बचपन गुम हो गया।दादी - नानी ,माँ लोरिया और कहानियाँ सुनाती तो ज्ञानार्जन में वृद्धि होती थी ` वही कोलाहल से दूर एकाग्रता का समावेश होता थो` मीठी नींद जो की अच्छे स्वास्थ्य का सूचक होती वो इनसे प्राप्त होती थी` किन्तु वर्तमान में इलेट्रॉनिक दुनिया की ,भागदौड़ भरी व्यस्तम जिंदगी में बच्चों के लिए साथ बिताने का समय लोग नहीं निकाल पाते इसके अलावा रिश्तेदारी का व्यवहारिक ज्ञान भी पीछे छूट सा गया है । कहानी से कल्पना की उत्पत्ति होती एवं मातृत्व दुलार भी सही तरीके से प्राप्त होता।अब ये चिंता सताने लगी की कही कहानियां सुनाने की प्रथा विलुप्त न हो जाए`नहीं तो बच्चे लाड - प्यार और कहानियों से वंचित हो जाएंगे ।हाईटेक होते युग में मोबाइल और इंटरनेट ही सहारा बन गए है ।

दादी -नानी की कहानियां सुनने की प्रथा जैसे अब विलुप्ति की कगार पर जा पहुंची हो ।कहानियां कहने की कला बच्चों के स्मृति पटल पर अंकित हो कर और भावी पीढ़ी को कहने की कला देती है `बच्चों में भाषा के ज्ञान को मजबूती देने के लिए एवं पाठ्यक्रमों में कहानियों से बाल साहित्य को एक नई दिशा प्राप्त होगी ।अभिभावकों को भी चाहिए की बच्चों के लिए अपनी भाग दौड़ भरी व्यस्तम जिंदगी से कुछ समय बच्चों को घर पर कहानियां सुनाने के लिए भी निकाले । बच्चों को तो जैसे मोबाइल की लत पड़ गई।जिसे अभी बैठना सीखा वो भी मोबाइल का दीवाना यदि उसके हाथ से मोबाइल लिया तो रोने लगेगा।उससे बड़े बच्चे जो दूसरी या तीसरी कक्षा में पढ़ते हो वो यू ट्यूब पर कार्टून देखना सीख गए। अब ऐसा लगने बच्चे खिलौने की दुनिया ही भूल गए।खिलौनों का व्यापार भी इससे प्रभावित हुआ। कुल मिला कर शारीरिक बौद्धिक गतिविधि कमजोर हो गई।मोबाइल के आभासी दुनिया ने बच्चों को चश्में चढ़वा दिए। बच्चों के मोबाइ पर मग्न होने से वर्तमान में फेसबुक, वाट्सअप ने टॉकीज, टीवी, वीडियो गेम्स, रेडियो आदि को काफी पीछे छोड़ दिया।कहने का मतलब है कि दिन औ? रात मोबाइल मे ही लगे रहते है।यदि घर पर मेहमान आते वो आपसे कुछ कह रहे।मगर लोगों का ध्यान बस फेसबुक, व्हाट्सएप पर जवाब देने में और उनकी समझाइश में ही बीत जाता।मेहमान भी रूखेपन से व्यवहार में जल्द उठने की सोचते है।घर के काम तो पिछड़ ही रहे। फेसबुक,वाट्सअप का चस्का ऐसा की यदि रोजाना सुबह शाम आपने राम राम या गुड़ मोर्निंग नही की तो नाराजगी।इसका भ्रम हर एक को ऐसा महसूस होता कि मैं ही ज्यादा होशियार हूँ। अत्याधिक ज्ञान हो जाने का भ्रम चाहे वो फेक खबर हो ।उसका प्रचार भले ही खाना समय पर ना खाएं किन्तु खबर एक दूसरे को पहुंचाना परम कर्तव्य है।पड़ोसी और रिश्तेदार अनजाने हो जाते है। बच्चों को ज्ञानार्जन में उपयोगी हेतु कहानियां, गीत संगीत, व्यायाम, खेल आदि पर ध्यान देना होगा। बजाए मोबाइल पर ही लगे रहने के।

संजय वर्मा"दृष्टि"

www.womenexpress.in

पकड़े चुनाव साल

लागू जितनी योजना, करती है सरकार
अफसर नेता ही करें, उन सबका व्यापार
नेता का करते सदा, चमचे तो गुणगान
फिर पाते माखन मिश्री, उनसे ही श्रीमान
पांच साल में तू कमा, पांच गौदाम माल
आने वाली पीढ़ियां, रहे सदा खुशहाल
राजनीति सेवा नहीं, हुआ आज व्यापार
जो लगाया चुनाव में, पाया लाख हजार
वोट बैंक तो बन गया, नेता का आधार
आजादी से आज तक, बना यही व्यापार
नेता वोटों वास्ते, सदा बिछाता जाल
जनता तो मछली बनी, पकड़े चुनाव साल
फैलेगी आरक्षण की, इक दिन देखो आग
तब बुझ जायेंगे कई, घर के देख चिराग
नेता बादशाह बना, जनता बनी फकीर
लूट लूट उससे हुआ, नेता यहां अमीर
नेता को राहत नहीं, भाषा का जब ज्ञान
फिर भी खुद को समझता, रमेश बड़ा विद्वान
नेता मांगे हैं सदा, विदेश से ही भीख
मांगने की सभी कला, नेताजी से सीख

रमेश मनोहरा

www.womenexpress.in

जीवन भर ...।

प्रेम में प्रेम रह जाता हैं ।
बिछोह के बाद भी,
सुखद -दुखद स्मृतियों के संग.....
साथ चलता है, जीवन भर.....।
दबी रहती हैं,
मन के किसी कोने में
सिक्त वस्त्रों में
छुपे नीर सी...
पीड़ा हरदम
जो साथ चलती हैं,
जीवन भर.....।
पीड़ा बन हृदय के
भीतर समाया रहता हैं,
देह में आत्मा की तरह
जो साथ चलती हैं,
जीवन भर.....।
प्रेम साथ नही छोड़ता
वैसे ही रहता हैं
साथ उम्रभर, जैसे बचपन की स्मृतियाँ
संग रहती हैं, जीवन भर.....।
क्योंकि
प्रेम कभी मरता नही,
प्रेम बसा रहता हैं
तन -मन में
रक्त की तरह, जीवन भर.....।

गरिमा राकेश गर्विता

www.womenexpress.in

तकती हूं राह

नहीं जानती कि कैसे "मिलेंगे",
ये धरती और आसमां ,
तुम मिलना कुछ ऐसे..कि अब
तक कोई मिला न हो !!
हां,रह ही जाता है हर बार, कुछ
न कुछ "छूटा हुआ सा",
अबकी लिखना कुछ ऐसे, मन में
कुछ भी छिपा न हो !!
बहुधा कर लेती हूं महसूस
हवाओं में घुले तुम्हारे वो शब्द,
अबकी कहना कुछ ऐसा जो
तुमने अब तक कहा न हो !!
अक्सर खत लिखकर बयां कर
देते हैं लोग सब जज्बात,
सुनो लिखना खत ऐसा, कि कभी
किसी ने लिखा न हो !!
हां, दिया होगा जरूर किसी ने,
किसी को अपना सर्वस्व,
तुम "देना" कुछ ऐसा..कि अब
तक किसी ने दिया न हो !!
रूठ ही जाती हूं अक्सर, मैं
किसी एक अपने से बार-बार,
हां, मना लेना तुम ऐसे..कि बचे
मन में कोई गिला न हो !!
क्यों करती हूं मन की बातें
अक्सर सूरजमुखियों से ही मैं,
कुछ तकती हूं राह ऐसे कि
इंतजार किसी ने किया न हो !!

नमिता गुप्ता "मनसी"

www.womenexpress.in

न किसी से कोई ईर्ष्या

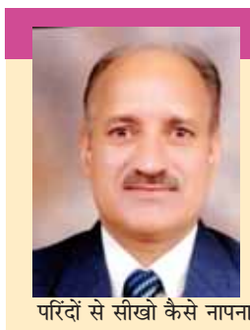

परिंदों से सीखो कैसे नापना गगन
रहते हैं हर परिस्थिति में मगन
अपने में ही हमेशा रहते हैं मस्त
न किसी से कोई ईर्ष्या न कोई जलन
न ज्यादा खाते हैं न कम हैं खाते
न ही भविष्य के लिए कुछ हैं बचाते
खुली किताब है इनकी जिन्दगी
किसी से कुछ नहीं हैं छुपाते
अच्छा लगता है उनको अपना घोंसला
चाहत नहीं कोई बड़ा घर बनाने की
तिनका तिनका जोड़ कर बनाते हैं ठिकाना
नहीं समझते कोई जरूरत उसे सजाने की
थोड़ा बड़ा जब होता है चल देता है घर छोड़कर
चला जाता है दूर कहीं अपना नया घर बसाने
जिंदगी में ऐसे ही आना जाना लगा रहेगा
लग जाएंगे ऐसे ही सब इंतजार करते करते ठिकाने

रवींद्र कुमार शर्मा

www.womenexpress.in

गिर रहा था जहां

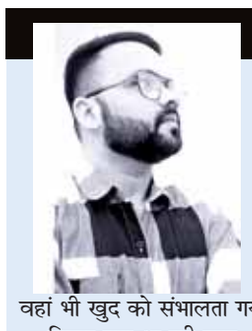

वहां भी खुद को संभालता गया,
बिखर गया था पूरी तरह,
तब शब्दों से खुद को संवारता गया,
बहुत बेरंग सी हो गई थी ज़िंदगी मेरी,
मैं शब्दों से उनमें रंग भरता गया,
कभी हार,कभी जीत लगी रही,
मैं फिर भी निरंतर चलता गया,
कांटे भरे थे रास्तों में,
मैं उनमें भी फूल चुनता गया,
जिंदगी तन्हा सी थी मेरी,
मैं उसे भी खुलकर जीता गया।।

योगेश किराडू

www.womenexpress.in

तितली बनाम रिश्ते

तितली रिश्तों में फर्क ,
दिखता नहीं सुजान ,
गर जोरों से पकड़ लो ,
निकले फौरन जान ,
निकले फौरन जान ,
जिंदगी हलकी होती ,
अगर पकड़ में आय ,
हाथ में रंग संजोती ,
छूट जाए तो मीत ,
डोलती है कली कली,
चपल सयानी लगे ,
रिश्तों मानिंद तितली।

महेंद्र कुमार वर्मा

www.womenexpress.in

राजनीतिक, मनोरंजन, सिनेमाजगत की हर खबर
www.womenexpress.in

हनुमान जन्मोत्सव आज

इन उपायों से बजरंगबली करेंगे आपके सारे कष्ट दूर

हनुमान जयंती के बारे में वाल्मीकि रामायण में बताया गया है कि हनुमानजी का जन्म कार्तिक मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन स्वाति नक्षत्र में हुआ था और यह तिथि दीपावली से एक दिन पहले पड़ती है। इसे नरक चतुर्दशी, रूप चौदस और काली चौदस कहा जाता है। इस दिन बजरंगबली को प्रसन्न करने के आसान से उपाय करके आप उनकी कृपा प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं क्या हैं ये उपाय।

बजरंगबली को चढ़ाएं तुलसी माला

पौराणिक मान्यताओं में यह बताया गया है कि हनुमानजी को तुलसी सबसे प्रिय है और तुलसी का पत्ता खाने के बाद ही उनकी भूख शांत होती थी। एक बार मां सीता ने उन्हें खाने के बाद तुलसी का एक पत्ता खाने को दिया तब जाकर उनकी भूख मिटी। तब से ऐसा माना जाता है कि बजरंगबली की पूजा और भोग में तुलसी का होना अनिवार्य है। हनुमान जयंती की पूजा में उन्हें तुलसी की माला जरूर अर्पित करें।

केले का उपाय

माना जाता है कि हनुमानजी को केला बहुत ही प्रिय है और उनके भोग में केला सदैव रखा जाता है। हनुमान जयंती के दिन 11 लेकर हर केले में एक लौंग लगा दें। बजरंगबली को अर्पित करने के बाद इस केले को छोटे बालकों में प्रसाद के रूप में बांट दें। ऐसा करने से आपको पुण्य की प्राप्ति होगी और आपके धन में वृद्धि होगी।

पान का बीड़ा चढ़ाएं

हनुमान जयंती के दिन भगवान को चोला और सिंदूर के साथ मीठे पान की बीड़ा भी अर्पित करें। भगवान को पान भी बेहद प्रिय है। भगवान को सिंदूर चढ़ाने के बाद थोड़ा सा सिंदूर लेकर अपने माथे पर तिलक करें। ऐसा करने से आपके जीवन से सभी कष्ट दूर होते हैं और आपके लिए सुख समृद्धि के द्वार खुल जाते हैं।

मंगल दोष दूर करने का उपाय

हनुमान जयंती पर कुंडली से मंगल का दोष दूर करने के लिए किया जाने वाला उपाय भी बहुत असरदार होता है। हनुमान जयंती के दिन रक्तदान करें या फिर मंदिर में जाकर लाल फलों का दान करें। किसी जरूरतमंद को मसूर की दाल दान दें या फिर गुड़ का दान करें। ऐसा करने से आपके सभी कष्?ट दूर होते हैं और मंगल की दशा में राहत मिलती है।

मीठी पूड़ी का भोग

बजरंगबली का भोग लगाने के लिए अपने हाथों स्वच्छता के साथ गुड़ से बनी मीठी पूड़ी बनाएं और मंदिर में जाकर हनुमान चालीसा पढ़ें और चमेली के तेल का दीपक जलाकर हनुमानजी को इसी मीठी पूड़ी का भोग लगा दें। ऐसा करने से आपको उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है और आपके घर में कभी अन्न और धन की कमी नहीं होती।

हनुमान जी के पास हैं ये 8 सिद्धियां

आपने हनुमान चालीसा में एक दोहा जरूर पढ़ा होगा, जिसमें हनुमान जी की सिद्धियों के बारे में बताया गया है। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा में एक दोहा है 'अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता, अस बर दीन जानकी माता।' इस दोहे में भगवान हनुमान की सिद्धियों के बारे में बताया गया है। हनुमान जी के पास 8 सिद्धियां थीं। इन 8 सिद्धियों के बल पर हनुमान जी को आज भी बहुत ही बलवान माना जाता है। यही कारण है कि हनुमान जी को संकटमोचक माना जाता है। आइए, जानते हैं क्या है बजरंगबली 8 सिद्धियां कौन-सी थीं और इसका क्या महत्व है।

पहली सिद्धि का नाम है अणिमा

हनुमान जी को मिली इस अणिमा सिद्धि का अर्थ था कि सिद्धि जानने वाला व्यक्ति किसी भी चीज में बड़ी ही सरलता के साथ प्रवेश कर जाता है। अपने रूप को अपने अनुसार छोटा करके व्यक्ति किसी भी चीज में प्रवेश कर जाता है, वो भी किसी को दिखाई दिए बिना। अणिमा सिद्धि के द्वारा ही हनुमान जी लंका का पूरा निरीक्षण किया था। इस सिद्धि का प्रयोग करके हनुमान जी ने इतना लघु रूप बनाया था कि कोई भी उनकी उपस्थिति को नहीं देख पाया था।

दूसरी सिद्धि का नाम है महिमा?

हनुमान जी को मिली दूसरी सिद्धि का नाम महिमा है। इसका अर्थ है कि इसे प्राप्त करने वाला सिद्ध मनुष्य अपनी विद्या और तपोबल से अपना आकार बहुत ही बड़ा कर सकता है। इस सिद्धि का प्रयोग करके हनुमान जी ने सुरसा को परास्त करने के लिए स्वंय को सौ योजन तक बड़ा कर लिया था।

तीसरी सिद्धि का नाम है गरिमा?

गरिमा सिद्धि का अर्थ है कि इस सिद्धि को पाने वाला व्यक्ति अपने आपको कितना भी वजनी यानी भारी बना सकता है। हनुमान जी ने इस सिद्धि का उपयोग महाभारत काल में भीम के सामने किया था जब भीम को अपनी शक्तियों का अंहकार हो गया था, तो उनके अंहकार को तोड़ने के लिए हनुमान जी ने एक वृद्ध वानर का रूप ले लिया और रास्ते में पूंछ फैलाकर बैठ गए। जब भीम ने वहां से निकलने के लिए रास्ता मांगा, तो हनुमान जी ने अपनी पूंछ हटाने को कहा लेकिन भीम पूंछ को हिला भी नहीं सका। इस तरह हनुमान जी ने गरिमा सिद्धि का प्रयोग करके भीम का अंहकार तोड़ दिया।

चौथी सिद्धि का नाम है लघिमा?

हनुमान को मिली लघिमा सिद्धि का प्रयोग करके अपने शरीर का वजन हल्का किया जा सकता है। हनुमान जी ने इस सिद्धि का उपयोग करके अशोक वाटिका में पहुंचकर पत्ते पर बैठकर माता सीता को अपना परिचय दिया था, जब सीता जी ने उनसे असली रूप में आने को कहा, तो हनुमान अपने असली रूप में आ गए।

पांचवी सिद्धि का नाम है प्राप्ति?

इस सिद्धि को प्राप्त करने से हर उस चीज को सरलता से प्राप्त किया जा सकता है, जिसे भी हम चाहते हैं। यही नहीं, इस सिद्धि को प्राप्त करके ही हनुमान जी पशु-पक्षियों के साथ बातचीत करने में सक्षम थे। इस सिद्धि का उपयोग करके हनुमान जी ने माता सीता की खोज करने के लिए कई पशु-पक्षियों से बात की थी।

छठी सिद्धि का नाम है प्राकाम्य?

हनुमान जी को मिली यह शक्ति उनकी ऊर्जा से जुड़ी हुई है। इस सिद्धि का उपयोग करके कोई भी मनुष्य अपनी इच्छा से पृथ्वी में समा सकता है या फिर आसमान में उड़ सकता है। इस सिद्धि का उपयोग करके ही हनुमान जी पाताल में जा सकते थे और धरा के किसी भी कोने में जा सकते थे। इस सिद्धि से हनुमान जी पानी में भी जीवित रह सकते हैं, इस कारण से हनुमान जी को अमर माना जाता है।

सातवीं सिद्धि का नाम है ईशित्व?

हनुमान जी को मिली इस सिद्धि का अर्थ दैवीय शक्तियों से हैं। इसका अर्थ श्रेष्ठ नेतृत्व क्षमता से भी है। इस सिद्धि के कारण ही हनुमान जी में वानर सेना का नेतृत्व करने की अद्भुत क्षमता थी। यही नहीं, इसी सिद्धि से किसी मृत प्राणी को फिर से जीवित भी किया जा सकता था।

आठवीं सिद्धि का नाम है वशित्व?

हनुमान जी को मिली इस सिद्धि का अर्थ किसी को अपने वश या नियंत्रण में करने से है। इस सिद्धि का उपयोग करके ही हनुमान जी अपने मन को नियंत्रण में रखते थे। इसी सिद्धि का प्रयोग करके हनुमान जी अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किसी को भी सही दिशा में लाकर काम करा सकते थे।

हनुमान जयंती की व्रत कथा, ऐसे हुआ शिवजी के अवतार बजरंगबली का जन्म

दीपावली से एक दिन पहले नरक चतुर्दशी के दिन हनुमानजी का जन्म हुआ था। कार्तिक मास के कृष्ण चतुर्दशी के दिन रूद्र अवतार हनुमानजी का जन्म हुआ था। जबकि चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को भी हनुमानजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। वहीं वाल्मीकि रामायण के अनुसार में कार्तिक मास की चतुर्दशी तिथि को हनुमानजी का जन्म हुआ था। आइए जानते हैं हनुमानजी के जन्म से जुड़ी कथाएं। हनुमान जयंती की व्रत कथा एक बार अग्निदेव से मिली खीर को राजा दशरथ ने अपनी तीनों रानियों को बांट दिया। कैकयी को जब खीर मिली तो चील ने झपट्टा मारकर उसे छीन लिया और उसे अपने मुंह में लेकर उड़ गई। उड़ते-उड़ते रास्ते में जब चील अंजना माता के आश्रम के ऊपर से गुजर रही थी तो माता अंजना ऊपर की ओर देख रही थी और उनका मुंह खुला होने की वजह से खीर उनके मुंह में गिर गई और उन्होंने उस खीर को गटक लिया। इससे उनके गर्भ में शिवजी के अवतार हनुमानजी आ गए और फिर उनका जन्म हुआ। हनुमानजी के जन्म के विषय में दूसरी कथा यह है कि समुद्रमंथन के बाद जब भगवान शिव ने भगवान विष्णु का मोहिनी रूप देखने को कहा था जो उन्होंने समुद्र मंथन के दौरान देवताओं और असुरों को दिखाया था। उनकी बात का मान रखते हुए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर लिया। भगवान विष्णु का आकर्षक रूप देखकर शिवजी आकर्षित होकर कामातुर हो गए और उन्होंने अपना वीर्य गिरा दिया। जिसे पवनदेव ने शिवजी के वानर राजा केसरी की पत्नी अंजना के गर्भ में प्रविष्ट कर दिया। इस तरह माता अंजना के गर्भ से वानर रूप में हनुमानजी का जन्म हुआ। उन्हें शिव का 11वां रूद्र अवतार माना जाता है।

भारत का वो मंदिर जिसे एक रात में भूतों ने कर दिया था खड़ा

विभिन्न धर्मों का संगम कही जाने वाले धरती पर एक से बढ़कर एक कलात?मक मंदिर हैं। इनकी सुंदरता का कोई तोड़ नहीं हैं। हजारों साल पुराने मंदिरों की खूबसूरती को देखकर भात के विशाल इतिहास का अंदाजा लगाया जा सकता है। पौराणिक कथाओं में हमने मंदिरों के रहस?यों के बारे में सुना है। कई रहस्यों को तो विज्ञान सुलझा देता है, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं, जिनके बारे में कोई कुछ नहीं जानता, बस यकीन किया जा सकता है।

आज हम आपको भारत के एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रहस्यों से भरा है। हम बात कर रहे हैं ककनमठ मंदिर की। यह मंदिर भले ही दुनिया के 7 अजूबों में शुमार न हो, लेकिन ये एक ऐसा मंदिर है, जिसके बारे में जानने के बाद हर कोई इसे देखना चाहता है। इसे भूतों का मंदिर भी कहते हैं। तो आइए जानते हैं इस मंदिरों से जुड़े दिलचस्प बातों के बारे में।

ककनमठ मंदिर का इतिहास

इस रहस्यमयी मंदिर का इतिहास बहुत दिलचस्प है। कई लोगों का मानना है कि ककनमठ मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में हुआ था। बताया जाता है कि उस समय इसे कछवाहा वंश के राजा कीर्ति ने अपनी पत्नी के लिए बनवाया था। कई लोग तो यह भी मानते हैं कि राजा कीर्ति की पत्नी ककनावती भगवान शिव की बड़ी भक्त थी। आसपास कोई शिव मंदिर न होने के कारण उन्हें यहां शिव मंदिर बनवाना पड़ा।

जर्जर हालत में मूर्तियां

हालांकि, आज मंदिर थोड़ी खंडहर अवस?था में है। इस मंदिर में आपको मूर्तियां नजर आएंगी, लेकिन टूटी हालत में। जर्जर हो चुकी इन मूर्तियों के अवशेष ग?वालियर के एक संग्रहालय में संग्रहित किए गए हैं। अच्छी बात तो यह है कि इस अवस्था में होने के बाद भी यहां लोग दर्शन के लिए आते हैं।

कभी भी गिर सकता है मंदिर

इस मंदिर को देखने पर ऐसा लगता है कि बस ये गिरने वाला है। लेकिन हजारों वर्षों से मंदिर वैसा ही खड़ा है। कई वैज्ञानिक इस मंदिर का निरीक्षण कर चुके हैं, लेकिन पता नहीं चल पाया है कि आखिर इस मंदिर का निर्माण हुआ कैसे। आपको बता दें कि मंदिर मध्य प्रदेश का अजूबा कहलाता है।

एक नजर

तरनतारन में ड्रोन बरामद

जालंधर 22 अप्रैल । पंजाब के तरनतारन जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस ने संयुक्त रूप से एक ड्रोन बरामद किया है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि तरनतारन जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में एक ड्रोन की मौजूदगी के बारे में बीएसएफ खुफिया तंत्र की सूचना के आधार पर, पंजाब पुलिस के साथ बीएसएफ सैनिकों द्वारा संदिग्ध क्षेत्र में एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया था। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान, सैनिकों ने वान गांव से सटे एक खेत में एक ड्रोन को सफलतापूर्वक बरामद किया। बरामद ड्रोन की पहचान चीन निर्मित डीजेआई माविक 3 क्लासिक के रूप में की गयी है।

विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर की जीवन लीला समाप्त

महेंद्रगढ़। क्षेत्र के गांव उष्मापुर में एक महिला ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। महेंद्रगढ़ सदर थाना पुलिस ने मृतका के पिता के बयान पर कार्रवाई करते हुए शव का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। राजस्थान के गांव किशनपुरा जिला नीमकाथाना निवासी मदनलाल ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह मेहनत मजदूरी का काम करता है। उसके दो लड़के व एक लड़की है। सभी विवाहित हैं। उसकी लड़की नीरू की शादी 11 मई 2017 को रविंद्र कुमार निवासी उष्मापुर जिला महेंद्रगढ़ के साथ की थी। उसकी लड़की नीरू के दो लड़के हैं बड़ा 6 वर्ष का व छोटा लड़का 5 वर्ष का है। 21 अप्रैल को उसके लड़के अजय के पास रविंद्र कुमार का फोन आया कि नीरू की तबीयत ज्यादा खराब है। आप जल्दी आ जाओ। इस सूचना पर वह, उसका लड़का अजय कुमार, कृष्ण, जगदीश, गिरवर सिंह, निरंजन सिंह के साथ गांव उष्मापुर अपनी लड़की के घर पहुंचे। जहां पर उसकी लड़की नीरू को मृत अवस्था में चारपाई पर लिटाया हुआ था। उसने अपनी पूरी तसल्ली कर ली है कि उसकी लड़की नीरू ने अज्ञात कारणों से अपने कमरे में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

सरकार उठाएगी पीड़ित बिटिया के इलाज का पूरा खर्च : मुख्यमंत्री

पालमपुर, 22 अप्रैल। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पालमपुर में बीते दिनों हुई हृदय विदारक घटना की पीड़िता के परिवार के लोगों से सोमवार को मुलाकात की। धर्मशाला से सुजानपुर आते समय मुख्यमंत्री सुलह में नाल्टी दा पुल के पास एकत्रित लोगों से मिले और उनकी बात सुनी। पीड़िता के माता-पिता पीजीआई चंडीगढ़ में बेटी के साथ हैं, इसलिए परिवार के अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री को पूरी घटना के बारे में बताया। उन्होंने हमलावर के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री ने उनकी बात सुनने के बाद कहा कि पालमपुर की दर्दनाक घटना से दुखी हूँ। पीड़ित बिटिया के इलाज का पूरा खर्च हिमाचल सरकार उठाएगी। सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। एसपी कांगड़ा को जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। घटनाक्रम के बाद से रोजाना पुलिस अधिकारियों से अपडेट लिया जा रहा है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। केवल गिरफ्तारी हमारा उद्देश्य नहीं है। ऐसी घटनाओं को क्यों अंजाम दिया जा रहा है, उस दिशा की तरफ बढ़ने की जरूरत है। हम जानना चाह रहे हैं कि इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त है, किसी को कानून तोड़ने नहीं दिया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ खेल मंत्री यादविंदर गोमा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार, कैबिनेट रैंक सुनील शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान आईटी सलाहकार कैबिनेट रैंक गोकुल बुटेल, ओएसडी रितेश कपरेट, चेयरमैन संजय चौहान, विशाल चंबियाल इत्यादि मौजूद रहे।

कांग्रेस, सपा-बसपा की किस्मत पर अलीगढ़ का ताला लगा दीजिए: मुख्यमंत्री योगी

पीएम ने अलीगढ़ व हाथरस को वह सब कुछ दिया, जिसकी दशकों से मांग थी: सीएम

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में सीएम ने कहा- पहले चरण में आठों सीट जीत रही भाजपा

(विशेष संवाददाता)

अलीगढ़, 22 अप्रैल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा-बसपा व कांग्रेस के लोगों ने आपको विकास से वंचित रखा, आस्था से खिलवाड़ किया। सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया। अब अवसर आ गया है, चुनाव के माध्यम से उनकी किस्मत पर अलीगढ़ का ताला लगाइए और तीसरी बार पीएम मोदी के हाथों में देश की सत्ता सौंपिए। इससे भारत दुनिया की बड़ी ताकत बनेगा। आत्मनिर्भर व विकसित भारत बनाने के लिए पीएम के साथ पूरे देश का स्वर जुड़ रहा है। हर तरफ से आवाज आ रही है, फिर एक बार-मोदी सरकार, अबकी पार-400 पार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में अलीगढ़ के सांसद/भाजपा प्रत्याशी सतीश गौतम व हाथरस से अनूप वाल्मीकि 'प्रधान' के लिए वोट मांगा। सीएम ने अपील की कि केवल कमल निशान देखना है और मोदी जी के दस वर्षों के कार्यों के प्रति वोट के रूप में कृतज्ञता ज्ञापित करना है। सीएम योगी ने कहा कि पहले चरण का चुनाव संपन्न हुआ। देश के अंदर 102 लोकसभा सीटों पर जनता-जनार्दन के मन में उत्साह व उमंग रहा। पीएम मोदी के दस वर्ष के कार्यों को ध्यान में रखते हुए जनता-जनार्दन का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। यूपी की सभी आठ सीटों पर विपक्षी दलों का खाता नहीं खुलने जा रहा है। दूसरे व तीसरे चरण के लिए भी मतदाताओं से यही आह्वान है। सीएम योगी ने कहा कि विकास, विरासत व गरीब कल्याण की जिन योजनाओं को पिछले दस वर्ष के अंदर देश ने मूर्त रूप लेते हुए देखा है, वह अभूतपूर्व, अभिनंदनीय है। भारत को विकसित भारत के रूप में स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में हम सभी को यह अवसर प्राप्त हुआ है। जनसभा में योगी सरकार के मंत्री असीम अरुण, संदीप सिंह, हाथरस से प्रत्याशी अनूप वाल्मीकि प्रधान, अलीगढ़ से सांसद सतीश गौतम आदि मौजूद रहे।

पीएम ने अलीगढ़ व हाथरस को वह सब कुछ दिया, जिसकी दशकों से मांग थी

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने अलीगढ़ व हाथरस की जनता को वह सब कुछ दिया है, जिसकी दशकों से मांग थी। आमजन की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए पीएम मोदी स्वयं यहां आए थे। अब विश्वविद्यालय बनकर तैयार हो गया और सत्र भी प्रारंभ हो गया है। अलीगढ़ को डिफेंस कॉरिडोर भी प्राप्त हुआ है। रामनवमी पर अयोध्या में भगवान राम का सूर्य तिलक हुआ। पीएम मोदी ने आनंद व गौरव प्रदान करने वाला यह अलौकिक अवसर हमें उपलब्ध करवाया।

नवेली बहू की बिदाई करा घर लौटते ससुर की हादसे में मौत

● बेटे की शादी का सामान लाद कर बोलेरो से घर लौट रहा था पिता

(विशेष संवाददाता)

भदोही, 22 अप्रैल । जनपद के कोइरौना थाना इलाके में सोमवार को बोलेरो गाड़ी सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में अपने ही बेटे की शादी से घर लौट रहे बोलेरो चालक की मौत हो गई, जबकि एक और सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया है।

भदोही के गोपीगंज थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव निवासी शिवचरन बिन्द (48) उर्फ दरोगा के पुत्र बालमुकुंद बिन्द की रविवार शाम को प्रयागराज के हंडिया थाना इलाके के भीटी क्षेत्र में बारात गई थी। सोमवार की सुबह शिवचरन बिन्द बारात विदाई के उपरांत एक और व्यक्ति को बिठाकर सामान के साथ बोलेरो गाड़ी से घर लौट रहे थे। सुबह करीब 11 अपने घर से कुछ दूर कोईरौना थाना क्षेत्र के रैयापुर में पहुंचे थे, इसी दौरान तेज रफ्तार गाड़ी असंतुलित होकर जंगीगंज-धनतुलसी मार्ग किनारे मौजूद चिलबिल के भारी भरकर पेड़ में जा टकराई। दुर्घटना में जहां बोलेरो के परखच्चे उड़ गए, वहीं मौके पर ही बोलेरो चालक शिवचरन उर्फ दरोगा ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना में एक और सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। आशंका व्यक्त की गई है, रात्रि शादी में जगने के कारण सम्भवतः चालक को नींद आई होगी, जिससे हादसा हो गया। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाते ही पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया। साथ ही विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार में आयोजित मांगलिक कार्यक्रम की खुशियां मातम में बदल गई है।

विपक्षियों को पांच साल की छुट्टी दीजिए और बोलिए- जाओ, खूब फातिहा पढ़ो: योगी

● अयोध्या और काशी ने लक्ष्य पा लिया है, अब ब्रज की बारी है: योगी

(विशेष संवाददाता)

फतेहपुर सीकरी/अलीगढ़, 22 अप्रैल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के लिए दो रैली की। पहली रैली फतेहपुर सीकरी के किरावली में सांसद व उम्मीदवार राजकुमार चाहर के लिए की। दूसरी रैली में उन्होंने अलीगढ़ से उम्मीदवार सतीश गौतम व हाथ स से प्रत्याशी अनूप वाल्मीकि 'प्रधान' को कमल के फूल पर वोट देकर सदन भेजने की अपील की। अलीगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में सीएम योगी ने विश्वास दिलाया कि यूपी में पहले चरण की सभी आठों सीटों पर कमल खिलेगा।

मुख्यमंत्री फतेहपुर सीकरी में सपा-बसपा व कांग्रेस पर काफी बरसे। उन्होंने मतदाताओं से घ?-घर जाने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फतेहपुर सीकरी में कहा कि अयोध्या और काशी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है। अब ब्रज भूमि का भी नंबर आने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा-बसपा के लोग माफिया की कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ रहे हैं। चुनाव में इन्हें बोल दीजिए, वोट तो कमल पर जाएगा, तुम लोगों को पांच साल की छुट्टी दे रहे हैं, जाओ-खूब फातिहा पढ़ो। हम अयोध्या में रामलला का दर्शन करा रहे हैं तो माफिया का राम-नाम सत्य भी करा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि रामनवमी के दिन भगवान राम का सूर्य तिलक हुआ था। एक तरफ कांग्रेस, सपा-बसपा के लोग कहते थे कि क्या प्रमाण है कि राम का जन्म अयोध्या में हुआ। वह कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं, जैसे लगता था कि इस सृष्टि के पहले कांग्रेस, सपा-बसपा ही पैदा हो गई थी। आपका दायित्व बनता है कि राम-कृष्ण पर प्रश्न खड़े करने वालों, गंगाजल के लिए तरसाने वालों को वोट के लिए तरसा दीजिए। पीएम मोदी ने ही अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास किया और प्राण-प्रतिष्ठा भी की। सूर्य तिलक के समय पीएम भले ही अयोध्या में नहीं थे, लेकिन उनका मन अयोध्या में ही था। सीएम ने कहा कि आपके सांसद राजकुमार चाहर पूरे देश के किसानों के लिए कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में अलीगढ़ के सांसद/भाजपा प्रत्याशी सतीश गौतम व हाथरस से अनूप वाल्मीकि 'प्रधान' के लिए वोट मांगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा-बसपा व कांग्रेस के लोगों ने आपको विकास से वंचित रखा, आस्था से खिलवाड़ किया। सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया। अब अवसर आ गया है, चुनाव के माध्यम से उनकी किस्मत पर अलीगढ़ का ताला लगाइए और तीसरी बार पीएम मोदी के हाथों में देश की सत्ता सौंपिए। सीएम योगी ने कहा कि पहले चरण का चुनाव संपन्न हुआ। देश के अंदर 102 लोकसभा सीटों पर जनता-जनार्दन के मन में उत्साह व उमंग रहा। पीएम मोदी के दस वर्ष के कार्यों को ध्यान में रखते हुए जनता-जनार्दन का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। यूपी की सभी आठ सीटों पर विपक्षी दलों का खाता नहीं खुलने जा रहा है। दूसरे व तीसरे चरण के लिए भी मतदाताओं से यही आह्वान है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने अलीगढ़ व हाथरस की जनता को वह सब कुछ दिया है, जिसकी दशकों से मांग थी।

● यूपीएससी टापर आदित्य श्रीवास्तव के सोमवार को लखनऊ गृह नगर पहुंचने पर हवाई अड्डे पर स्वागत करते हुए स्कूली बच्चे।

योगी जी जैसा साथी मेरे लिए गर्व की बात : नरेन्द्र मोदी

अलीगढ़, 22 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि योगी जी जैसा साथी होना उन्हें गर्व की अनुभूति देता है। पीएम मोदी ने यहां आयोजित विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय था जब हमारी बहन बेटियां घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं। योगी जी की सरकार में अपराधियों में हिम्मत नहीं है कि वो नागरिकों का अमन चैन बिगाड़ें। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग योगी जी की पहचान केवल बुलडोजर से करते हैं उन्हें अपनी आंख खोल लेना चाहिए। कहा कि यूपी में आजादी के बाद जितना औद्योगिक विकास हुआ, उतना अकेले योगी जी के कालखंड में हुआ है। ओडीओपी का उनका मिशन आज पूरे देश में नई इज्जत प्राप्त कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी में अगर विकास को नई ऊंचाइयों पर कोई ले गया है तो योगी जी की सरकार लेकर गई है। काशी का सांसद होने के नाते ये मेरे भी माननीय मुख्यमंत्री हैं। मैं गर्व की अनुभूति करता हूं कि मेरे पास ऐसे साथी हैं।

भाजपा को जीतने से रोकने के लिए राजपूत उम्मीदवार चुना : मायावती

(विशेष संवाददाता)

बुलंदशहर 22 अप्रैल । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जीतने से रोकने के लिए गौतमबुद्ध नगर में गुर्जर समाज की जगह क्षत्रिय समाज का उम्मीदवार चुना क्योंकि यहां क्षत्रिय समाज की काफी तादाद है। बुलंदशहर जिले के सिकंदराबाद में गौतमबुद्ध नगर संसदीय क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मायावती ने गुर्जर समाज की जगह क्षत्रिय समाज से राजेन्द्र सिंह सोलंकी को उम्मीदवार बनाने पर सफाई दी। भाजपा ने गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर डॉ. महेश शर्मा (ब्राह्मण) और सपा ने डॉ. महेंद्र सिंह नागर (गुर्जर) को अपना उम्मीदवार बनाया है। बसपा ने 2019 लोकसभा चुनाव में गौतमबुद्ध नगर से गुर्जर समाज के सतवीर नागर को टिकट दिया था। बसपा प्रमुख ने कहा, हमने पिछले कई लोकसभा चुनाव में यहां से गुर्जर समाज को टिकट दिया और दूसरी पार्टी ने भी गुर्जर उम्मीदवारों को मैदान में उतारा, जिस कारण वोट बंटता रहा और भाजपा ने फायदा उठाया। मायावती ने कहा, भाजपा यहां से लगातार कई बार चुनाव जीतती रही है इसलिए फैसला किया गया कि चुनाव में भाजपा को जीतने से रोकने के लिए गुर्जर समाज से उम्मीदवार न खड़ा कर क्षत्रिय समाज से उम्मीदवार चुना जाए। उन्होंने कहा, इस सीट पर दूसरे दल से क्षत्रिय समाज का उम्मीदवार मैदान में नहीं है। बसपा ने गाजियाबाद में भी क्षत्रिय समाज के नंदकिशोर पुंडीर को उम्मीदवार बनाया है, जहां भाजपा ने क्षत्रिय समाज से आने वाले केंद्रीय मंत्री (सेवानिवृत्त) जनरल वी के सिंह का टिकट काटकर अतुल गर्ग को उम्मीदवार बनाया है। मायावती ने इलेक?ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर संदेह जाहिर करते हुए दावा किया कि अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो इस बार भाजपा केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली है। उत्तर प्रदेश में बसपा सरकार में नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के विकास का श्रेय लेते हुए पार्टी प्रमुख मायावती ने कहा कि, जब मेरी सरकार राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई थी तो इस क्षेत्र की स्थिति बहुत खराब थी और कोई विकास नहीं हुआ था।

विकास और विरासत का अद्भुत समन्वय पीएम मोदी की पहचान : योगी

● मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियां

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 22 अप्रैल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार में जनता की आकांक्षा के अनुरूप विकास के कार्य हुए हैं। ये पहली बार देश में देखने को मिला है। विकास और विरासत का अद्भुत समन्वय पीएम मोदी की पहचान है। इस दिशा में अद्भुत कार्य हुए हैं। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों पर चर्चा करने पर पब्लिक का रिस्पॉन्स मिलता है। जिन मुद्दों पर पब्लिक का सबसे ज्यादा समर्थन मिला है वो है इन्फ्रास्ट्रक्चर। आज देश में हाईवे दोगुने हुए हैं। 2014 से पहले 74 एयरपोर्ट थे आज इनकी संख्या डेढ़ सौ से ज्यादा हैं। कांग्रेस के समय केवल 1 एम्स बना था। अटल जी की सरकार के समय 6 नये एम्स की स्थापना हुई। मोदी जी के कार्यकाल में इनकी संख्या 22 हो गई है। इसी प्रकार आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी का विस्तार और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज विकास की नई गाथा कह रहे हैं। सीएम योगी सोमवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार देश में विरासत का सम्मान भी देखने को मिला है। काशी में विश्वनाथ धाम, महाकाल में महालोक, केदारपुरी, बद्रीनाथ और सोमनाथ मंदिर का पुनरोद्धार और अयोध्या में 500 इंतजार का समाप्त होना व प्रभु श्रीराम का पुनः विराजमान होना। इसके साथ ही इन सभी नगरियों का कायाकल्प भी हुआ है। काशी में पहले 50 लोग एक साथ दर्शन नहीं कर पाते थे। आज 50 हजार भी आ जाएं तो कोई दिक्कत नहीं। अयोध्या में 500 लोग आ जाते थे तो संकट खड़ा हो जाता था, आज 5 लाख भी आ जाएं तो परेशानी नहीं। सीएम योगी ने कहा कि आस्था से जुड़े केंद्रों के बारे में हमें नया स्वरूप हमें देखने को मिला है। विरासत और विकास का ये अद्भुत समन्वय अगर किसी एक महापुरुष के विजन और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण आज देश में देखने को मिला है तो वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संभव हो पाया है। जनता इन मुद्दों को पूरा समर्थन दे रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह समर्थन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में फिर से प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने के लिए आशीर्वाद में बदलेगा। पूरे देश में फिर एक बार मोदी सरकार का स्वर गूंज रहा है। आम जनता फिर से मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनने जा रही है।

देश को नीतिगत निष्क्रियता की नहीं, अर्थव्यवस्था पर ठोस कदम उठाने की जरूरत: सीतारमण

(विशेष संवाददाता)

बेंगलुरू, 22 अप्रैल (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछली संप्रग सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि देश को राजनीतिक स्थिरता, स्पष्ट दृष्टिकोण और अर्थव्यवस्था पर गहन कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसा न होने पर देश के सामने पांच साल तक लालफीताशाही, भ्रष्टाचार और नीतिगत निष्क्रियता का जोखिम है। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि विकास अपने आप या बिना प्रयास के नहीं होता है। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान - बेंगलुरू इकाई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा, 2013-14 में हमें जो विरासत में मिला था और 2024 में हम आज जहां पहुंच हैं, उसके बीच एक बड़ा बदलाव हुआ है। विकास अपने आप नहीं होता विकास के लिए प्रयास करना होता है। उन्होंने कहा कि जब 2004 में वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता से बाहर हुई थी, तब अर्थव्यवस्था ने 2003-2004 में आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की थी। उस समय औसत मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से कम थी। सकल एनपीए (गैर निष्पादित परिसंपत्तियां) पांच साल पहले की तुलना में आधे हो गए थे। सीतारमण ने कहा कि वाजपेयी सरकार में पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे के व्यय पर ध्यान दिया गया। देश में सभी ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कें बनाई गईं, और विदेशी मुद्रा भंडार अच्छी स्थिति में था। उन्होंने दावा किया, प्रधानमंत्री मोदी को 2014 में जो विरासत में मिला था, उस पर गौर करें तो लगातार दो साल 2012-13 और 2013-14 में जीडीपी वृद्धि पांच प्रतिशत से कम रही थी।

श्रद्धा प्रवासी भारतीयों की 400 श्रद्धालुओं की टोली ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किये

रामलला का दर्शन कर निहाल हुए 30 देशों के रामभक्त

● राम दरबार में 90 विदेशी रामभक्तों ने हनुमान चालीसा पढ़ने के साथ किया रामलला का दर्शन

(विशेष संवाददाता)

अयोध्या, 22 अप्रैल। श्रीरामलला का दर्शन करने सोमवार को 30 देशों से 90 विदेशी श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं का नेतृत्व वैश्विक भारत के ब्रांड अंबेस्डर व दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली ने किया। सभी श्रद्धालुओं का स्वागत रामनामी अंगवस्त्र देकर व माथे पर चंदन का तिलक लगाकर किया गया। इससे पहले बीती शाम सभी श्रद्धालु सरयू घाट पर आरती में भी शामिल हुए। इस टोली ने हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचकर राम भक्त बजरंगबली का आशीर्वाद भी लिया। वहीं सोमवार को सभी ने श्रीराम मंदिर में बैठकर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। इस दौरान प्रवासी भारतीयों की 400 श्रद्धालुओं की टोली ने भी रामलला के दर्शन किये।अयोध्या पहुंचने वालों में प्रमुख रूप से भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेत्सोप नामग्याल, काउंसलर दोरजिक किंजांग, चीन गणराज्य (ताइवान) प्रतिनिधि कुमारी त्साई जेन चुन, भारत में रोमानिया महावाणिज्य दूत विजय मेहता व टुवालू महावाणिज्य दूत डॉ. दीपक जैन और निर्वासित तिब्बत संसद के स्पीकर खेंपो सोनम तेनफेल उपस्थित रहे। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे।

दर्शन करने वाले प्रवासी भारतीयों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, भूटान, कनाडा, कोलंबिया, कंबोडिया, जॉर्जिया, गुयाना, केन्या, कजाकिस्तान, मलेशिया, मोजाम्बिक, मकाऊ, नाइजीरिया, नेपाल, नॉर्वे, रोमानिया, रवांडा, स्पेन, सिंगापुर, सिंट मार्टेन, चीन गणराज्य (ताइवान), ताजिकिस्तान, त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो, तुवालु, तिब्बत, युगांडा, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका इत्यादि देशों के प्रतिनिधि शामिल रहे। सभी के भोजन की व्यवस्था दिल्ली के समाजसेवी गोपाल गर्ग ने की। बता दें कि बीते वर्ष 23 अप्रैल 2023 को डॉ. जौली की पहल पर 156 देशों व 7 महाद्वीपों के नदियों व समुद्रों के जल से राम मंदिर में अभिषेक किया गया था। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख राम लाल,विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेश,उज्बेकिस्तान के व्यवसायी अशोक के. तिवारी (प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित), भूपेंद्र कंसल (महामंत्री हिमालय परिवार) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राजनीतिक, मनोरंजन, सिनेमाजगत की हर खबर
www.women-express.in

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-1 से मुद्रित व ई-4/168, गली नंबर-6, सागर मार्केट, साढ़े 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली-94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN/2013/48606
मो. - 07042999974
टेली.- 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

कांग्रेस, सपा-बसपा की किस्मत पर अलीगढ़ का ताला लगा दीजिए: मुख्यमंत्री योगी

एक नजर

हरियाणा के लिए पार्टी उम्मीदवारों की फर्जी सूची सोशल मीडिया पर प्रसारित

चंडीगढ़, 22 अप्रैल । कांग्रेस की हरियाणा इकाई ने सोमवार को कहा कि राज्य की नौ लोकसभा सीट के लिए पार्टी उम्मीदवारों की एक फर्जी सूची सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही है। कांग्रेस ने इसे पार्टी की छवि खराब करने का एक शरारती प्रयास करार दिया। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि नामांकन प्रक्रिया शुरू होने में अभी एक सप्ताह बाकी है और उससे पहले उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर (कांग्रेस उम्मीदवारों की) एक सूची प्रसारित की जा रही है। यह सूची फर्जी है। उदयभान ने कहा कि कांग्रेस इसकी जांच कराएगी कि कौन पार्टी की छवि खराब करना चाहता है। कांग्रेस हरियाणा में लोकसभा की नौ सीट पर चुनाव लड़ेगी, जबकि उसकी सहयोगी आम आदमी पार्टी ने पहले ही अपनी राज्य इकाई के प्रमुख सुशील गुप्ता की कुरुक्षेत्र से उम्मीदवारी की घोषणा कर दी है। भाजपा ने पिछले महीने राज्य की सभी 10 सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

प्रह्लाद जोशी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे संत ने नाम वापस लिया

हुबली (कर्नाटक), 22 अप्रैल (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में धारवाड़ से भाजपा उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के खिलाफ निर्दलीय के रूप में मैदान में उतरे एक वीरशैव-लिंगायत संत ने अपने गुरु के आदेशों का हवाला देते हुए सोमवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। शिराहट्टी फक्किरेश्वर मठ के फकीरा दिंगलेश्वर स्वामी ने जोशी के खिलाफ वीरशैव-लिंगायत और अन्य समुदायों को दबाने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया था। हालांकि, दिंगलेश्वर स्वामी ने कहा कि वह अपना धर्म युद्ध जारी रखेंगे। इससे पहले दिन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने संत से अपना नामांकन वापस लेने और कांग्रेस को समर्थन देने का अनुरोध किया था। कर्नाटक में सात मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए सोमवार को उम्मीदवारी वापस लेने का आखिरी दिन था। दिंगलेश्वर स्वामी ने कहा, मैंने 20 दिन पहले एक लड़ाई शुरू की थी और मैंने इसे ह्यधर्म युद्ध' नाम दिया था। मैंने कहा था कि ये स्वाभिमान का चुनाव होना चाहिए। इस बीच, मैंने जो नामांकन दाखिल किया था उसे वापस ले लिया है।

अखिलेश का दावा, भाजपा बहुत कमजोर स्थिति में है, पीडीए से घबराई

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव में भाजपा बहुत कमजोर स्थिति में है जबकि समाजवादी पार्टी एवं ह्यइंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' बहुत मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा, भाजपा ह्यपीडीए' से घबराई हुई है। भाजपा ने पीडीए-पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यको सहित महिलाओं एवं आदिवासियों को भी धोखा दिया है। किसान त्रस्त है, नौजवान पस्त है। जनता ने इस बार भाजपा को राम-राम करके विदाई देने का मन बना लिया है। सपा द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक यादव ने यहां कहा कि पीडीए में सबका सम्मान और अधिकार सुरक्षित है जबकि भाजपा के ह्यसबके साथ' के नारे से समाज की गैरबराबरी समाप्त नहीं होने वाली है। उन्होंने कहा, भाजपा में सबकी समानुपातिक भागीदारी कहां है? नौकरी में आरक्षण देने और जातीय जनगणना से भाजपा को परहेज है। जातीय जनगणना से सामाजिक न्याय का रास्ता खुलता है। यादव ने कहा कि महंगाई कम नहीं हो रही है, चुनावी बॉण्ड वसूली का माध्यम है। उन्होंने कहा कि चुनावी बॉण्ड में बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है तथा ईडी, सीबीआई, आईटी के जरिए डरा धमकाकर वसूली की गई। उन्होंने भाजपा अपराधियों का गोदाम करार देते हुए कहा कि उसका एजेण्डा अमानवीय है तथा संसदीय व्यवस्था पर वह आघात कर रही है।

रक्षामंत्री ने बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश की रक्षा करने वाले सेना कर्मियों के साथ की बातचीत

राजनाथ सिंह पहुंचे सियाचिन, सैन्य तैयारियों की समीक्षा की

● कैप्टन शिवा चौहान को सियाचिन में एक अग्रिम चौकी पर तैनात किया गया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन का सोमवार को दौरा किया और क्षेत्र में भारत की समग्र सैन्य तैयारियों की समीक्षा की। सिंह ने सियाचिन का दौरा ऐसे समय में किया जब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में भारतीय सेना की मौजूदगी को एक सप्ताह पहले 40 वर्ष हो गए। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ क्षेत्र में समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, सियाचिन में एक अग्रिम चौकी का दौरा किया। बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हमारे देश की रक्षा करने वाले बहादुर सेना कर्मियों के साथ अद्भुत बातचीत हुई। उन्होंने कहा, मैं कर्तव्य के प्रति उनके साहस और पेशेवर अंदाज की सराहना करता हूं। सिंह ने सियाचिन में तैनात सैनिकों से बातचीत भी की। काराकोरम पर्वतीय श्रृंखला में लगभग 20,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर दुनिया के सबसे ऊंचे सैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है जहां सैनिकों को शीतदंश और तेज हवाओं से जूझना पड़ता है। सैनिकों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने विषम परिस्थितियों में वीरता और दृढ़ संकल्प के साथ मातृभूमि की रक्षा के पुण्य पथ पर चलने के लिए उनकी (सैनिकों) प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर बल

दिया कि राष्ट्र सशस्त्र बल कर्मियों का सदैव ऋणी रहेगा, क्योंकि उनके बलिदान के वजह से हर नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं, क्योंकि हम आश्वस्त हैं कि हमारे बहादुर सैनिक सीमाओं पर दृढ़ता से खड़े हैं। आने वाले समय में जब राष्ट्रीय सुरक्षा का इतिहास लिखा जाएगा, तो बर्फीले ठंडे ग्लेशियर में हमारे सैनिकों की वीरता और दृढ़ इच्छाशक्ति के कामों को गर्व के साथ याद किया जाएगा। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। रक्षा मंत्री ने सियाचिन को कोई सामान्य भूमि नहीं बल्कि भारत की संप्रभुता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सियाचिन कोई आम जगह नहीं है, बल्कि यह भारत की संप्रभुता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जैसे दिल्ली भारत की राष्ट्रीय राजधानी है, मुंबई वित्तीय राजधानी है, बेंगलुरु प्रौद्योगिकी राजधानी है, उसी तरह, सियाचिन साहस, दृढ़ निश्चय और संकल्प की राजधानी है। हाल ही में देश ने ऑपरेशन मेघदूत की सफलता की 40वीं वर्षगांठ मनाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 अप्रैल, 1984 को भारतीय सेना द्वारा सियाचिन में शुरू किये गये इस ऑपरेशन को देश के सैन्य इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय बताया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन मेघदूत की कामयाबी हम सभी के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने मातृभूमि की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में सियाचिन युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारतीय सेना ने ह्यऑपरेशन मेघदूत' के तहत अप्रैल, 1984 में सियाचिन ग्लेशियर पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया था। भारतीय सेना ने पिछले कुछ वर्षों में सियाचिन में अपनी मौजूदगी मजबूत की है। पिछले साल जनवरी में सेना के ह्यकोर ऑफ इंजीनियर्स' की कैप्टन शिवा चौहान को सियाचिन में एक अग्रिम चौकी पर तैनात किया गया। इस प्रमुख युद्धक्षेत्र में किसी महिला सैन्य अधिकारी की यह पहली अभियानगत तैनाती है।

मोदी सरकार ने देश से आतंकवाद का खात्मा किया : अमित शाह

रायपुर, 22 अप्रैल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश से आतंकवाद को खत्म कर दिया है जबकि नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। छत्तीसगढ़ के कांकेर शहर में एक चुनावी रैली में शाह ने कहा कि नक्सली आत्मसमर्पण करें, अन्यथा उन्हें दो साल में राज्य से जड़ से उखाड़ दिया जाएगा। सुरक्षाबलों ने 16 अप्रैल को कांकेर जिले में एक मुठभेड़ के दौरान 29 नक्सलियों को मार गिराया था, जिसमें 15 महिलाएं भी शामिल थीं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि उनके परिवार की चार पीढ़ियां देश की सत्ता में रही, लेकिन उन्होंने छत्तीसगढ़ में गरीबों के लिए क्या किया। शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता अपने वोट बैंक के लालच में अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए। केंद्रीय गृहमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में देश में बहुत बड़ा परिवर्तन लाया है और उनके पास 10 वर्षों का ट्रैक रिकॉर्ड और 25 वर्षों

का एजेंडा है। शाह ने कहा, पिछले 10 वर्षों के दौरान नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को समाप्त किया। मोदी जी ने इस देश से नक्सलवाद को समाप्ति के कगार पर ला दिया। उन्होंने कहा, पांच वर्ष तक ह्यमहादेव एप ब्रांड' भूपेश बघेल की सरकार में नक्सलियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। विष्णु देव साय के मुख्यमंत्री और विजय शर्मा के गृह मंत्री बनने के बाद पिछले चार माह में सुरक्षाबलों ने 90 से ज्यादा नक्सलवादियों को मार गिराया। इसके साथ ही 123 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 250 ने आत्मसमर्पण कर दिया। वह पिछले कांग्रेस शासन और महादेव सट्टेबाजी ऐप घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री की कथित संलिप्तता का जिक्र कर रहे थे। शाह ने कहा, मोदी जी ने देश भर से नक्सलवाद को समाप्त किया चाहे वह आंध्रप्रदेश हो, तेलंगाना हो, बिहार हो, झारखंड हो या मध्य प्रदेश। मैं कहकर जाता हूं कि मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री बना दीजिए । छत्तीसगढ़ से हम नक्सलवाद को उखाड़ फेंकेंगे। गृह मंत्री ने कहा, जब तक नक्सलवाद है तब तक आदिवासी भाई-बहनों के लिए बिजली, स्कूल, राशन की दुकान देने में परेशानी हो रही है। जो भी नक्सली बचे हैं उनको कहता हूं कि आत्मसमर्पण कर दें, हम आपका फिर से पुनर्वास करेंगे, नहीं तो लड़ाई का परिणाम तय है। नक्सलवाद को हम समाप्त कर देंगे। शाह ने सभा में मौजूद जनता से अनुरोध किया कि वे नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए समझाएं। उन्होंने कहा, मैं आदिवासी भाइयों और बहनों से कह रहा हूं कि जब तक नक्सलवाद है आदिवासी क्षेत्र में शांति नहीं हो सकती, रोड नहीं बन सकता, बिजली नहीं पहुंच सकती, गैस कनेक्शन नहीं आ सकता, शिक्षा नहीं पहुंच सकती, नौकरी नहीं पहुंच सकती और इलाज नहीं पहुंच सकता है। शाह ने कहा, आप सभी लोग उनको समझाइए कि आत्मसमर्पण कर दें। यदि वे आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो आप चिंता मत कीजिए। हम दो ही साल में छत्तीसगढ़ की भूमि से नक्सलवाद को उखाड़ कर फेंक देंगे और यहां विकास की गंगा प्रवाहित करेंगे। गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यक (समुदाय) का है, लेकिन भाजपा कहती है कि गरीबों, आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों का उन पर पहला अधिकार है।

कांग्रेस के पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी शिअद में शामिल

● सुखबीर बादल, मोहिंदर को पार्टी में शामिल कराने को उनके आवास पर गए

चंडीगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसी)। कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी सोमवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) में शामिल हो गए, शिअद ने उन्हें जालंधर (अनुसूचित जाति) से अपना उम्मीदवार भी घोषित कर दिया है। कांग्रेस के लिए गत दो दिन में यह दूसरा झटका है। इससे पहले दिवंगत कांग्रेस सांसद संतोख चौधरी की पत्नी करमजीत कौर और उसके राष्ट्रीय महासचिव रहे तजिंदर सिंह बिट्टू भी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गये थें। शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल, मोहिंदर को पार्टी में शामिल कराने के लिए जालंधर स्थित उनके आवास पर गए। बादल ने इस अवसर पर जालंधर (सुरक्षित) लोकसभा सीट से केपी को शिअद उम्मीदवार बनाने की भी घोषणा की। बादल ने कहा, ह्यह्यमैं कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी का शिरोमणि

अकाली दल में हार्दिक स्वागत करता हूं। केपी जी तीन बार के विधायक भी हैं।वह एक ईमानदार व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने नागरिक समाज के साथ-साथ दलित समाज में भी बहुत बड़ा योगदान दिया है।'' शिअद प्रमुख ने कहा कि पार्टी को केपी की वजह से दोआबा क्षेत्र में और मजबूती मिलेगी। केपी ने कहा कि शिअद पंजाब की पार्टी है जिसमें हमेशा राज्य के मुद्दों के समाधान के लिए लड़ाई लड़ी। केपी ने कहा कि ह्यमतभेदों' के चलते उन्होंने कांग्रेस छोड़ी है। केपी पंजाब के दोआबा क्षेत्र के प्रमुख दलित नेता हैं और वह 1992 और 1995 में कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। वह 2009 में जालंधर लोकसभा सीट से निर्वाचित हुए और 2014 में होशियारपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा। केपी 1985, 1992 और 2002 में तीन बार जालंधर दक्षिण से विधायक निर्वाचित हुए। उन्हें 2017 के विधानसभा चुनाव में तत्कालीन शिअद नेता पवन कुमार टीनू से आदमपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा। केपी के पास समृद्ध राजनीतिक विरासत है। उनके पिता दर्शन सिंह केपी जालंधर से पांच बार विधायक निर्वाचित हुए जिनकी हत्या 1992 में आतंकवादियों ने कर दी थी। केपी के बेटी की शादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरणजीत सिंह चन्नी के भांजे के साथ हुई है। चन्नी जालंधर लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं।

ममता को झटका, बंगाल के सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए भर्ती परीक्षा रद्द

● हाईकोर्ट ने सभी नियुक्तियों को रद्द करने का आदेश देते हुए अमान्य एवं अवैध करार दिया

कोलकाता, 22 अप्रैल । कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित और उससे सहायता प्राप्त विद्यालयों में राज्य स्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया के जरिए हुई सभी नियुक्तियों को रद्द करने का सोमवार को आदेश देते हुए इसे अमान्य एवं अवैध करार दिया। इन विद्यालयों में 24,640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक अभ्यर्थी 2016 की एसएलएसटी परीक्षा में शामिल हुए थे। न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार राशिदी की खंडपीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को (रद्द की गई) नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में और जांच करने तथा तीन महीनों में एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। पीठ ने पश्चिम बंगाल विद्यालय सेवा आयोग (एसएससी) को लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा की तारीख से एक पखवाड़े के अंदर नयी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश भी दिया। नियुक्तियों को रद्द करने के संबंध में पीठ का आदेश आने के बाद,

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, सभी नियुक्तियों को रद्द करने का अदालत का फैसला अवैध है। हम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिनकी नौकरियां चली गई हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपको न्याय मिले और आदेश को ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे।'' वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि यह ममता बनर्जी सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करता है। बंगाल के लिए भाजपा के सह प्रभारी अमित मालवीय ह्यएक्स' पर एक पोस्ट में यह आरोप लगाया कि यह सरकार प्रायोजित सबसे बड़ा भर्ती घोटाला था जिसमें लाखों युवाओं का जीवन बर्बाद हो गया। कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने अदालत के फैसले को उचित करार देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से तत्काल इस्तीफे की मांग की। अदालत में कुछ याचिकाकताओं की ओर से पेश हुए वकील फिरदौस शमीम ने कहा कि इन रिक्तियों के लिए कुल 25,753 नियुक्ति पत्र जारी किए गए थे। खंडपीठ ने आदेश पर रोक लगाने के कुछ अपीलकर्ताओं के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने पीठ का गठन किया था। पीठ ने एसएलएसटी-2016 के जरिए नौवीं, दसवीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं के शिक्षकों तथा ग्रुप-सी और डी पदों पर एसएससी द्वारा नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों के चयन से संबंधित 350 याचिकाओं तथा अपीलों पर विस्तारपूर्वक सुनवाई की। मामले में सुनवाई 20 मार्च को पूरी हुई थी और पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। उच्च न्यायालय ने चयन प्रक्रिया के जरिये की गई सभी नियुक्तियों को संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और अनुच्छेद 16 (किसी भी सरकारी पद पर नौकरी में भेदभाव रोकने) का हनन करने वाला करार दिया। अदालत ने इन नियुक्तियों को ह्यह्यअमान्य एवं अवैध'' करार दिया और रद्द कर दिया। पीठ ने 282 पन्नों के अपने फैसले में सीबीआई को उसके द्वारा दर्ज किये गए सभी चार मामलों में आगे की जांच करने और खाली ह्यह्यओएमआर शीट'' (उत्तर पुस्तिका) जमा करने के बाद नियुक्ति पाने वाले सभी व्यक्तियों से पूछताछ करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यदि जरूरत पड़े तो सीबीआई उनमें से प्रत्येक को हिरासत में लेकर पूछताछ करे।

● सियाचिनः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार, 22 अप्रैल को लद्दाख में सियाचिन बेस कैंप के दौरे के दौरान थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे के साथ।

प्रेम विवाह करने की रंजिश के चलते पत्नी के परिजनों ने की दामाद की हत्या

(विशेष संवाददाता)

यमुनानगर, 22 अप्रैल। प्रेम विवाह करने की रंजिश में हनुमान कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय अभिषेक का चाकुओं से गोदकर मर्डर कर दी। जिस युवती से उसने प्रेम विवाह किया उसके भाइयो ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। हमले में अभिषेक के दो साथी आकाश व अभिषेक भी घायल हो गए। जिनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां वह उपराधीन है। वही अभिषेक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौप दिया। पुलिस ने मामलें में हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पंजाब के डेरा बस्सी के बालाजी नगर निवासी आकाश की ओर से पुलिस को दी शिकायत के अनुसार बताया कि वह जीरकपुर में रिकवरी एजेंट का काम करता है। उसकी मासी का लडका चिटटा मंदिर रोड स्थित हनुमान कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय अभिषेक उर्फ रिशु ने गधौली कालोनी निवासी निशा से एक वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था। इस विवाह से निशा के परिवार के लोग खुश नहीं थे। जिसके चलते अभिषेक व निशा इस समय पंजाब के जीरकपुर में रह रहे थे। अभिषेक भी जीरकपुर में रिकवरी एजेंट का काम करता था। दो दिन पहले वह अपने ताऊ की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए परिवार सहित आया था। रविवार की रात विदाई होने के बाद अभिषेक अपने दोस्त हनुमान कालोनी निवासी शशीकांत के साथ कॉलोनी में ही कार में बैठा हुआ था। तभी निशा का भाई सचिन गुर्जर, चन्ना सिंह अपने साथियों आर्यन, राहुल उर्फ टिंकू, अभिषेक कुमार व अन्य के साथ आए। आरोपियो ने आते ही अभिषेक पर चाकुओं से हमला कर दिया।

मोदी ने विकास से राजनीति की संस्कृति को बदल दियाः नड्डा

कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की : जे.पी. नड्डा

लोरमी/भिलाई/चंदखुरी (छत्तीसगढ़), 22 अप्रैल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस पर वोट-बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर किसी के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश में राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर जिले के लोरमी, दुर्ग जिले के भिलाई और रायपुर जिले के चंदखुरी में चुनावी रैलियों में नड्डा ने पिछले 10 वर्षों में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि इस दौरान अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ, अनुच्छेद 370 की समाप्ति हुई और तीन तलाक को खत्म कर दिया गया। नड्डा ने कहा, ''आपके एक वोट की ताकत से फर्क पड़ता है। आपने अपना वोट भारतीय जनता पार्टी को दिया और मोदी जी के नेतृत्व में राजनीति की

संस्कृति बदल गई है। पहले कौन जाति का है, अगड़ा है या पिछड़ा है, नदी के इस पार का है कि उस पार का है, पहाड़ का है कि मैदान का है, बाहर का है कि अंदर का है यह पूछा जाता था। मोदी जी ने भारत की राजनीति की परिभाषा और कार्य करने का तौर तरीका बदल डाला।'' उन्होंने दावा किया, ह्नकांग्रेस पार्टी भाई से भाई को लड़ाने और वोट बैंक की राजनीति करती है।ह्व भाजपा नेता ने कहा, ''मोदी जी के नेतृत्व में देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के नारे के साथ आगे बढ़ रहा है।'' नड्डा ने कहा, ''जहां उन्होंने (कांग्रेस) तुष्टिकरण की राजनीति की, वहीं मोदी जी ने विकासवाद की राजनीति की।ह्व उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाला अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया, राम मंदिर बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ और रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हुए तथा सीएए लागू हुआ।

नड्डा ने कहा कि जनता के वोट के कारण ही मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से मुक्ति मिली।ह्व उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस हमेशा राम विरोधी और सनातन विरोधी रही है और कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने अदालत में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि भगवान राम काल्पनिक हैं और इसका कोई ऐतिहासिक आधार नहीं है। नड्डा ने पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि उनके (कांग्रेस के) वकील ने अदालत में राम मंदिर संबंधी मुकदमे की सुनवाई की तारीख को बढ़ाने की बात कही थी, क्योंकि इस मामले में फैसले का फायदा भाजपा को मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने (राम मंदिर निर्माण में) बाधा डालने का काम किया और अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का आमंत्रण अस्वीकार कर दिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''वे सनातन विरोधी हैं। कांग्रेस के साथी और द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन 'सनातन' को डेंगू और मलेरिया कहते हैं लेकिन राहुल गांधी कुछ नहीं बोलते। यहां तक कि सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी कुछ नहीं बोलीं... एक और द्रमुक नेता ए राजा ने सनातन को एचआईवी से जोड़ दिया।

संविधान और आरक्षण को खत्म करने का प्रयास कर रही भाजपा

नई दिल्ली, 22 अप्रैल । कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी और सूरत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के निर्विरोध जीतने को लेकर सोमवार को दावा किया कि देश में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान और आरक्षण रूपी सामाजिक न्याय की व्यवस्था को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि अब झूठ के कारोबार का अंत नजदीक है। इस बीच, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस के घोषणापत्र के बारे में प्रधानमंत्री मोदी को जानकारी देने के लिए उनसे मिलने का समय मांगा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राजस्थान की एक चुनावी सभा में कहा था कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है तो वह लोगों की संपत्ति लेकर मुसलमानों को बांट देगी। उधर, गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से अन्य उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वापस लिए जाने के बाद सोमवार को भाजपा के उम्मीदवार मुकेश दलाल को इस सीट से निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। रविवार को निर्वाचन अधिकारी ने सूरत सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुम्भाणी का नामांकन प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में प्रथम दृष्टया विसंगति होने के बाद रद्द कर दिया था। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ह्यह्यदेश में बेरोजगारी और महंगाई का पीक (उच्चतम स्तर) है और नरेन्द्र मोदी कहते हैं- सब कुछ ठीक है। उनके पास मुद्दों से भटकाने की नई-नई तकनीक हैं, पर झूठ के कारोबार का अंत अब नजदीक है।''